# डाक्टर प्लेटन

## [एक प्रसिद्ध रूसी नाटक]

एलेक्जेन्डर कॉर्नीचुक



इण्डिया पब्लिशर्स
ल ख न ऊ

# डाक्टर प्लेटन

एक प्रसिद्ध रूसी नाटक

लेखक
एलेक्जैण्डर कोर्नीचुक

हिन्दी अनुवादक और सम्पादक
रमेश सिनहा

प्रकाशक
इण्डिया पब्लिशर्स,
सी—७/२, रिवर बैंक कालोनी,
ल ख न ऊ

मुद्रक
अधिकार प्रेस,
२२ कसरबाग,
ल ख न ऊ

प्रथम संस्करण १९६५

मूल्य दो रुपया

## Doctor Platon

[Hindi rendering of 'Platon Krechet']

*by*

Alexander Korneichuk

★

Translated by
Ramesh Sinha

India Publishers
LUCKNOW

Rs 2 00



एलेक्जेण्डर कोर्नीचुक

# परिचय

कोर्नीचुक के नाटकों में रूप की सरलता और जीवन की समझदारी की सहज अभिव्यक्ति के साथ-साथ जन-जीवन सम्बन्धी एक ऐसी काव्य-मयता रहती है कि मनुष्य उनसे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता। यह गुण इस नाटक में भी मौजूद है। सोवियत के थियेटर प्रेमियों को सम्भवतः इसीलिए यह इतना प्रिय है। २८ वर्ष से बराबर वहाँ के थियेटरों में यह चल रहा है।

यह कविता या काव्यमयता कोर्नीचुक ने जीवन के गहन मथन से प्राप्त की है। आज के लेनिन शान्ति पुरस्कार विजेता तथा अन्तर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि के स्वामी एलेक्जैंडर येवडाक्रिमोविच कोर्नीचुक एक इंजिन ड्राइवर के बेटे हैं। उनका जन्म उक्रेन के एक छोटे-से कस्बे ख्रिस्तीनोवका में १६०५ में हुआ था। चौदह वर्ष की अवस्था में उनके पिता की मृत्यु हो गयी थी और उन्हें खुद रेलवे में एक साधारण मजदूर के रूप में काम करने के लिए मजबूर हो जाना पड़ा था। तभी उनका सम्पर्क तरुण कम्युनिस्ट संघ से हुआ, वे उसके सदस्य बने, और फिर अध्ययन के लिए कीव चले गये।

कीव में ही, १६२५ में, उन्होंने अपनी पहली कहानी लिखी थी। कहानी का विषय लेनिन की मृत्यु थी। कहानी ने प्रसिद्धि प्राप्त की और तभी से २० वर्षीय कोर्नीचुक के साहित्यिक जीवन का श्रीगणेश हो गया।

अब तक कोर्नीचुक के अनेक नाटक निकल चुके हैं। इनमें से कुछ के नाम हैं **स्क्वड्रन का विनाश (१६३३) सच्चाई (१६३७), बगदान खमिलनित्स्की (१६३९), उक्रेन की स्टेपी में (१६४१) मकर दुबरावा (१६४८), गेल्डर की गुलाबबाडी (१६५०), तथा पख (१६५४)।** इनमें से प्रत्येक नाटक के प्रकाशन को सोवियत जनता के जीवन की एक विशेष घटना माना गया है।

हमें आशा है कि 'डाक्टर प्लेटन' भारतीय पाठकों को भी खूब पसन्द आयेगा। उन्हें यह पसन्द आया तो शीघ्र ही हम उनके नाटक "पख' को भी प्रकाशित करेंगे।

—सम्पादक

## डाक्टर प्लेटन

# पात्र

| | |
|---|---|
| प्लेटन इवानोविच क्रेचेट | एक सर्जन |
| लीडा | एक वास्तुकार |
| स्त्योपा | एक नेत्ररोग विशेषज्ञ |
| वाल्या | क्रेचेट की सहायक |
| तिरेन्ती ओसिपोविच बुबलिक | एक सामान्य डाक्टर |
| अर्कादी पाव्लोविच | अस्पताल का प्रबन्धकर्त्ता |
| मारिया तरासोवना क्रेचेट | प्लेटन की मां |
| पावेल सिमियोनोविच बेरेस्ट | कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष |
| माया | बेरेस्ट की बेटी |
| ख्रिस्तीना आर्खीपोव्ना | एक नर्स |
| बोशकरियोवा | नगर स्वास्थ्य विभाग की प्रधान |
| वास्या | एक शोफर (ड्राइवर) |
| ओल्या | एक नर्स, वाल्या की मित्र |

*पार्टी कमेटी का सेक्रेटरी, डाक्टरों के सहायक, तथा पार्टी के अन्य अधिकारी*

## डाक्टर प्लेटन

## पहला अंक

---

[आज प्लेटन क्रेचेट का जन्म दिन है। मोज पार्टी की मेज सजा दी गयी है। मेहमानों का इन्तजार है। मेहमानो मे से एक वाल्या है जो एक सोफे पर गहरी नींद मे सो रही है, दूसरे तेरेन्ती बुबलिक हैं जो एक दूसरे कोने मे आराम कुर्सी पर लेटे हुए ऊंघ रहे हैं, तीसरा स्त्योपा है जो एक दूसरी आराम कुर्सी पर कमरे के दूसरे किनारे सो रहा है। घडी क यकायक बज उठने की आवाज आती है। पौने बारह बज रहे हैं। प्लेटन की मा मेज के पास खडी होकर अपने सोते मेहमानो की तरफ देखती है, फिर घडी पर नजर डालती है, और उदास भाव से सिर हिलाती है।]

वाल्या (नींद मे सोते सोते) सूय वह कितना करीब है! वह सीधा हमारी तरफ चला आ रहा है।

मारिया तरासोवना (वाल्या के पास जाकर) यह क्या कह रही हो, बेटी। सपना देख रही हो? (उसकी तकिया सीधी कर देती है)

वाल्या (आखों को आधा खोलकर) क्या प्लेटन आ गये?

**मारिया तरासोवना** नही बेटी, तुम सो जाओ। थोडी देर और आराम कर लो। प्लेटन आते ही होगे। **(उसकी ओर देखती है)** लो, वह फिर सो गयी। इन लोगो को प्लेटन का इन्तजार करते चार घट हो गये। जरूरी बुलावा आ गया था। कह गया था कि कुछ ही मिनटो मे लौट आएगा, लेकिन सजन **(डाक्टर)** की जिन्दगी मे कोई आराम नही अपने जन्म दिन पर भी उसे थोडी सी छुट्टी नही मिल सकती नही, मेरे बेटे, तुमने गलत पेशा अपनाया है ! अपने पिता की तरह अगर तुम इजिन ड्राइवर बन जाते तो तुम्हारी भी जिन्दगी रेल की पटरी की तरह सीधी और सरल रही होती ।

**स्त्योपा (जागकर)** कोई खबर मिली, काकी ?

**मारिया तरासोवना** अस्पताल से अभी-अभी फोन आया था। आपरेशन अभी ही शुरू हुआ है। उन्हे पता नही उसमे कितनी देर लगगी। स्त्यापा तुम फिर सो जाओ। आराम कर लो। **(ऊपर की रोशनी बुझाकर कमरे से चली जाती है)**

**स्त्योपा (आखें मलते हुए)** माफ करना, वाल्या, और तरेन्ती आसिपोविच आप भी माफ कीजिएगा—मैं बात करते-करते बीच ही म सो गया। मैं जानता हूँ यह बुरी बात है, अशिष्टता है, लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि कुछ मिनट से ज्यादा नही मैं सोया। मैं सिर्फ ऊँघ रहा था। आपकी और वाल्या की बात चीत का प्रत्येक शब्द मैंने सुना है।

**[तेरेन्ती ओसिपोविच नींद मे ही कुछ बडबडाते हैं। ]**

**स्त्योपा** क्या कहा ? आपको मेरी बात पर विश्वास नही ? मैं उसे साबित कर सकता हूँ। आप और वाल्या प्लेटन के बारे म बातें कर रहे थे। आप कह रहे थे कि प्लेटन इवानोविच एक भयकर आदर्शवादी हैं। वाल्या आप से असहमत थी। अच्छा, वाल्या, यद्यपि तुमने

मेरे साथ आज बहुत ही खराब सलूक किया था, फिर भी मैं तुम्हारा पक्ष लेने जा रहा हूँ। इसलिए मेरी बात सुनो, और देखो कि मेरा स्वभाव कितना उदात्त है। तेरेन्ती ओसिपोविच, मैं प्लेटन को डाक्टरी की हमारी गाडी का इंजिन ड्राइवर समझता हूँ। जब से हमारी गाडी के इंजिन को उन्होंने संभाला है तब से वह खूब तेजी से आगे की ओर भाग रही है। आप भी उस गाडी के एक मुसाफिर हैं, लेकिन प्लेटन की तेज स्पीड को देखकर आप घबडा उठे हैं। देखिए न, इस वक्त भी आप घबडाये हुए हैं। भविष्य की ओर हमारी तेज प्रगति से आप डरते हैं। तेरेन्ती ओसिपोविच, उठिए, आँखें खोलिए! टिकट चेकर लोग गाडी में आ गये हैं। क्या कहा? आप सहमत नहीं हैं? ओफ, मैंने समझा! इतिहास के टिकट चेकरों को दिखलाने के लिए आप अपना टिकट ढूंढ रहे हैं। है न? (उठकर खडा हो जाता है) तेरेन्ती ओसिपोविच! (उनके पास जाकर) तेरेन्ती ओसिपोविच? वाल्या, सुनो, हमारा मुसाफिर गहरी नींद में खोया हुआ है। मुझसे बात करते-करते ही वह सो गया। वहो यह कैसा रहा? तुम बोलती क्यों नहीं? (उसके पास जाकर) वाल्या वाल्या! आह, यह भी सो गयी। आज हर एक को हो क्या गया है? इन लोगों पर क्या मेरा यही असर पडता है? (दरवाजे के पास जाकर) मारिया तरासोवना! आप किधर हैं?

[मारिया तरासोवना आती हैं।]

—मैं चाहता हूँ कि आप गवाह रहें। देखिए, ये लोग अभी मुझसे बातें कर रहे थे। एक ही क्षण पहले जोर-जोर से बहस कर रहे थे और अब खर्राटे भर रहे हैं।

**मारिया तरासोवना** स्त्योपा, ये लोग तो पूरे एक घंटे से सो रहे हैं। तुम खुद ही सपना देख रहे होगे

**स्त्योपा** क्या?

**मारिया तरासोवना**   मैं कहती हूँ, तुम अब भी सपना ही देख रहे हो।

**स्त्योपा**   आपने क्या कहा, ये लोग एक घटे से सो रहे हैं ?

**मारिया तरासोवना**   हा, पहले तुम सो गये थे, फिर ये लोग भी सो गये।

**स्त्योपा**   ओह, अच्छा, तो मैं भी सपना ही देखता रहा हूँगा।

**मारिया तरासोवना**   कभी-कभी ऐसा हो जाता है। थोडी देर के लिए फिर तुम सो जाओ तो तुम्हारा सिर हल्का और साफ हो जायगा।

**स्त्योपा (घडी की ओर देखता हुआ)**   आधी रात हो रही है और प्लेटन अभी तक नही आये। मारिया तरासोवना, कृपया रोशनी जला दीजिए। सब लोगो, उठो, आँखें खोलो। तेरेन्ती ओसिपोविच ! वाल्या ! अब जाग जाओ !

**तेरेन्ती ओसिपोविच (जागकर)**   प्लेटन आ गये ?

**मारिया तरासोवना**   बहुत देर हो गयी। खाने का समय निकला जा रहा है। लगता है प्लेटन जल्दी नही आयेंगे। तुम लोग बहुत भूखे होगे।

**स्त्योपा (शराब की एक बोतल खोलते हुए)**   हाँ दोस्तो ! उठो ! थोडी देर मे आधी रात हो जायगी। आधी रात ! यह बडा गम्भीर समय है। कवियो ने इसके बारे मे बहुत लिखा है। अर्द्धरात्रि ! विदा के चुम्बन का समय ! अर्द्धरात्रि मे प्रेमी बिछुड जाते है। अर्द्धरात्रि मे ही क्रातियो का सूत्रपात होता है

**वाल्या (उसकी बात काटते हुए)**   आधी रात के समय मुझे हमेशा नीद आने लगती है।

**तेरेन्ती ओसिपोविच**   चुप, वाल्या, तुम चुप रहो। हाँ, स्त्योपा बोलते जाओ।

स्त्योपा अद्ध रात्रि, यही हमारे प्रिय साथी प्लेटन इवानोविच के जन्म का समय है

तेरेन्ती ओसिपोविच महान् आदशवादी के जन्म का समय

वाल्या तेरेन्ती ओसिपाविच !

तेरेन्ती माफ करना।

स्त्योपा दोस्तो, थोडी देर के लिए अपने झगडो को भूल जाइये। (घडी की ओर इशारा करता है) सुई तेजी से आगे बढ रही है। कुछ ही क्षणो म आधी रात का घटा बज उठेगा ओर शिशु प्लेटन इस ससार मे पहली बार सास लेगा सुनो, देखो !

[ घडी बारह बजाती है। ]

मारिया तरासोवना नन्हा प्लेटन

स्त्योपा शिशु प्लेटन ! जो इस क्षण, छुरी लेकर ऑपरेशन थियटर की गहरी खामोशी म मौत का मुकाबला कर रहे हैं। मौत की ठडी लिजलिजी उँगलियो को वह छुडा रहे है, अनिवाय कहलाने वाली चीज़ो की सीमाओ को बदल रहे हैं, अनन्त रात्रि की गहराइयों के अन्तराल से सूय के गौरव और आलोक को घसीट कर बाहर लाने का प्रयास कर रहे हैं निकालो मदिरा, उनके गिलास मे भर दो ! दोस्तो, अपने गिलासो को भर दो। सबसे पहले मैं उस महिला के अभिनन्दन मे पीता हूँ जिसने उन्हे जन्म दिया था।

तेरेन्ती ओसिपोविच मारिया तरासोवना, मैं अपने अन्तरतम से आपको बधाई देता हूँ।

वाल्या हाँ, बधाइयाँ ! ( मारिया तरासोवना का आलिंगन करती है)

मारिया तरासोवना (द्रवित होकर) धन्यवाद, स्त्योपा, धन्यवाद, तरेन्ती ओसिपाविच, और वाल्या तुम्हे भी धन्यवाद। प्लेटन यहाँ होते

तो इस काय को व और अच्छी तरह करत। तुम लाग ता जानत हा, मुझे भाषण देना नही आता।

**वाल्या** मारिया तरासोवना, तुमने इस काम का स्त्योपा मे कही अधिक अच्छी तरह अजाम दिया है।

**स्त्योपा** मैं इस बात का समथन करता हूँ। अब हमारे यान्त्रिक नागरिक, तेरेन्ती ओसिपाविच कुछ कहग।

**तेरेन्ती ओसिपोविच** (**खडे होकर, अपनी खडी खडी मूछो को उमेठते हुए**) स्त्योपा, तुम्हारी स्पीच बहुत अच्छी थी। उससे म इतना द्रवित हो उठा था कि कि (**शराब का एक गिलास और खाली कर देता है**) जरूरी है कि मैं एक गिलास और पीऊँ। (**अपने गिलास को फिर भर कर खाली कर देता है**) दखा स्त्योपा, तुमने मुझे क्या कर दिया है? अच्छा, सुनो, तुम मुझे तीन साल से जानते हो, लेकिन जैसा कि तुम मुझे कहत हो, इस यान्त्रिक नागरिक का, देहाती डाक्टर तरेन्ती ओसिपाविच बुबलिक को क्या इससे पहले भी तुमने कभी इतना आद्र और उत्तेजित होते देखा है? वाल्या, मेरा गिलास फिर भर दो। बस, अब मैं असली बात पर आने ही वाला हूँ।

[**वाल्या उसके गिलास मे शराब उडेल देती है।**]

( **गिलास को उठाकर खाली करते हुए** ) इस छोटी-सी किताब को तुम लोग देखते हा? इस तरह की मेरे पास २४ किताबें हैं। यह २५वी है। इन किताबा म उन तमाम मरीजा का रिकाड है जिनकी मैंने दवा-दारू की है। इनम डाक्टर की हैसियत से मेरे काम का २५ वष का लेखा है। हाँ, ठीक २५ वष हो गय—परसा पूरे हा गये।

**वाल्या** ओह तेरेन्ती ओसिपाविच, आपन हम बतलाया क्या नही था!

**तेरेन्ती ओसिपोविच** मुझे खुद उसका याद कल रात ही आया। मैंने अपनी तमाम किताबा को निकाला और फिर सारी रात बठा मैं

मरीजा की सख्या गिनता रहा। मैं जानना चाहता था कि इन वर्षो म मैंने कुल कितने मरीजा का इलाज किया है। देखा, *आँकडे ये हैं।* वाल्या, कृपाकर मेरा गिलास फिर भर दो। साल म ३६५ दिन हाते है। ६५ का मैंने निकाल दिया, तब ३०० दिन बचे। ३०० को २५ से गुणा करने पर ७,५०० दिन हाते है। *यानी औसतन १२ मरीज प्रतिदिन हुए।* ७,५०० का १२ से गुणा कर दो तो ९०,००० होते हैं। ९०,००० मरीज ! मैंने ९०,००० नाडियाँ देखी ह, ९०,००० दिला की आवाज सुनी है। हाँ, मैंने, यात्रिक नागरिक तेरेन्ती आसिपोविच बुबलिक न। मैं साचने लगा कि आखिर यह तेरेन्ती आसिपाविच बुबलिक कौन है ? वह मशीन है, या काई और चीज ?

**वाल्या** और इसका उत्तर क्या मिला ?

**तेरेन्ती ओसिपोविच** अगर वह छाटी-सी किताब ही मर तमाम कामा का निर्धारित करती है और मेरे समय को नियत्रित करती है तो शायद मैं एक मशीन ही हूँ। किन्तु, स्त्योपा, म स्वीकार करता हूँ कि तुम्हारी बढिया स्पीच सुनकर मरा अन्तरतम तक आदोलित हा उठा है। तुम्ह एतराज न हा ता मैं तुम्हारा आलिगन कर लू।

**स्त्योपा (खडा होकर)** एतराज क्या होगा, तेरेन्ती आसिपाविच शौक से कीजिए।

**[तेरेन्ती ओसिपोविच स्त्योपा के पास से आगे बढते हुए वाल्या के पास जाकर खडे हो जाते हैं और उसके माथे पर धीरे से एक चुम्बन अकित कर दते हैं।]**

अरे तरेन्ती ओसिपाविच, आप क्या कर रह है ?

**[तेरेन्ती ओसिपोविच उसकी तरफ देखते ह और वाल्या के एक और चुम्बन अकित कर देते हैं।]**

तरेन्ती आसिपाविच, दखिए, यह नही चलेगा !

**तेरे ती ओसिपोविच** स्त्योपा, ये चुम्बन तुम्हारे लिए थे। तुम इह ल सकते हो।

**स्त्योपा** बहुत अच्छा, तर ती ओसिपाविच !

**वाल्या** नहीं, नहीं मैं इसका विरोध करती हूँ।

**[स्त्योपा उसे पकडने की कोशिश करता है तो वह उठ खडी होती है और अपने को उससे छुडाकर दूसरे कमरे में चली जाती है। स्त्योपा उसके पीछे पीछे जाता है।]**

**तेरे ती ओसिपोविच (खुले दरवाजे से उस कमरे के भीतर झाकते हुए)** स्त्योपा, स्त्योपा ! यह ठीक नही है। मन तो सिर्फ उसके मस्तक का चूमा था आफ, ओफ ! स्त्योपा ! मारिया तरासोवना, किसी *युवक डाक्टर पर कभी विश्वास न करना। वह भौडी स भौंडी गल्तिया* किये बिना नही रह सकता। उसे माथे और आठो तक का फर्क नही मालूम होता ! दखो, उधर देखो ! स्त्योपा ! यह क्या कर रहे हो, स्त्योपा !

**मारिया तरासोवना** तरेन्ती ओसिपोविच, उन लोगो को छोड दो। वाल्या को इसी दवा की जरूरत है। उठो और अपना गिलास खाली करो।

**[वाल्या दौडती हुई अन्दर आती है। उसका चेहरा लाल लाल हो रहा है और वह हाफ रही है। पीछे पीछे स्त्योपा आता है।]**

**स्त्योपा** तेरेन्ती ओसिपोविच, आपके आदेशो को आशिक रूप स पूरा कर दिया गया।

**तेरे ती ओसिपोविच** केवल आशिक रूप मे सुन रही हो वाल्या ? यह कहता है आशिक रूप स ! **(खामोशी)** अच्छा अब तुम्हे कुछ सुनाई नही पडता, क्या, कुछ सुनाई पडता है ?

**वाल्या** नहीं, कुछ भी नही तरेन्ती ओसिपोविच इस कमरे

म मेरा दम घुट रहा है। मैं बाहर खुले म जाना चाहती हूँ। सूरज का आकाश से निकालकर खुद अपने हाथा स मं यहा घसीट न लाना चाहती हूँ। ओफ ! समताप-मडल के सैलानी अपने नभ यात्रियो से मैं कितनी ईर्ष्या करती हूँ। वे कैसे ऊपर उडते चले जाते हैं। उनकी उगलियाँ अनन्तता की नाडी पर होती है मैं भी एक उडाकू बनूगी।

**तेरे ती ओसिपोविच (सोच मे डूबा हुआ)** यह सब ता ठीक है लकिन स्त्योपा तो और मुझे ता अपनी उँगलिया मरीजा की नाडिया पर रखे रहनी पडेंगी। क्या स्त्योपा ठीक कहता हूँ न ?

**स्त्योपा** नब्बे हजार नाडिया तेरे ती ओसिपोविच ! हमारी अपनी दुनिया का, हमारे खास समताप मडल का तो वहा द्वार है ! आप भी एक उडाके ही हैं।

**तेरे ती ओसिपोविच** नही, मैं तो सिफ हवाई अड्डा तैयार कर रहा हूँ, उडोगे तो तुम। वाल्या, कुछ सगीत शुरू करो। उस उडाके—मजन ग्रेचेट की जन्म की खुशी म हम लोग एक गिलास और पीयेंगे और फिर घर चलेंगे।

**मारिया तरासोवना** नही, नही ऐसा न कीजिएगा। प्लटन आता ही होगा।

**तेरे ती ओसिपोविच** वे बिलकुल थक गय होगे। इसक अलावा मेरा काम सुबह सात बजे से ही शुरू हो जाता है। **(अपनी नोटबुक पर नजर डालते हुए)** और कल मुझे बहुत काम करना ह। वाल्या, प्लटन का गिलास कहा है ?

**वाल्या** यह, यहाँ।

**तेरे ती ओसिपोविच** मेरी प्रिय प्लटन। **(उनके गिलास से अपने गिलास को छुआते हुए)** सब सम्मति स आपके जन्म दिन का हम लाग अगल सप्ताह तक के लिए स्थगित कर रहे हैं। किन्तु, प्यारे दास्त, म तुम्हे पहले से ही चेतावनी देता हूँ, उस दिन फिर अगर तुम कोई

ऑपरेशन करने चल गय तो तुम्हारे बिना ही हम सारी शराब पी जायग, और फिर मैं ग्रामाफान भी कभी नही लाऊँगा। तुम्हारे स्वास्थ्य की कामना मे! (अपने गिलास की शराब पीने के बाद फ्रेंचेट के गिलास की भी शराब खाली कर देता है।)

[वाल्या ग्रामोफोन मे चाभी भर देती है। तेरेन्ती ओसिपोविच अपनी छोटी छोटी मूछो पर हाथ फेरते हैं। और फिर वाल्या को अपने साथ नाचने के लिए आमन्त्रित करते हैं। वे नाचने लगते हैं तो स्त्योपा चुपचाप ग्रामोफोन के पास जाता है और उसे बन्द कर देता है।]

*क्या हुआ? (ग्रामोफोन के पास जाकर) अपन आप कस यह बन्द हो गया* (उसे फिर चालू करता है) आओ वाल्या, फिर शुरू कर। (लेकिन जब वह पीछे मुडता है तो देखता है कि वाल्या स्त्योपा के साथ नृत्य कर रही है।) ए, स्त्योपा स्त्यापा, तुम सुनते नही? नही, उस कुछ नही सुनाई पडता! मारिया तरासोवना, यह ता सीधी *सीधी एक साम्राज्यवादी हरकत है।*

**मारिया तरासोवना** तुम परवाह न करो। बठो एक गिलास और पीओ। नौजवानो का काम करन दो।

**तेरेन्ती ओसिपोविच (आश्चय से)** काम, आपने क्या कहा?

**मारिया तरासोवना** हाँ, मैं इसे नाचना तो नही कहूँगी! आप कहग? ये बिचारे कमर म इधर उधर कूदन फाँदन म इतनी शक्ति बर्बाद कर दत हैं कि ठीक से नाचना तो कभी शुरू ही नही कर पात। लेकिन मैं जानती हूँ, उन्हें इसकी परवाह भी नही। जब आदमी नौजवान हाना है तो मीलो चलते जाने पर भी उसे थकान नही आती।

**तेरेन्ती ओसिपोविच** आप ठीक कहती है मारिया तरासोवना। अच्छा, स्त्योपा, जाओ खूब अच्छी तरह से अपने को थका लो। तुम

नौजवान हो, तुम्हारे ऊपर इसका कोई असर नहीं पडेगा। **(ग्रामोफोन बन्द कर देता है)** दोस्ता, अब घर चलन का समय हा गया।

**वाल्या** अब घर चलो। **(मारिया तरासोवना से)** कृपाकर प्लेटन को मेरी ओर से बधाई दे दीजिएगा। **(मारिया का आलिंगन करती है।)**

**स्त्योपा** गुडबाई, आन्टी। ध्यान रखिएगा, तरेन्ता ओसिपाविच एकाध बातल अपनी जेब म न रख लें।

**तेरेन्ती ओसिपोविच (आखिरी बार अपना गिलास भरते हुए)** स्त्योपा, तुम ग्रामाफोन उठा लो और अपनी बकबक बन्द करो। मुझे लगता है कि वाल्या के साथ कूद फाँद करन क कारण तुम्हारे दिमाग को बुखार चढ गया है। गुडबाई मारिया तरासोवना।

**मारिया तरासोवना** गुडबाई, और देखो अपना वादा मत भूलना। अगले हफ्ते आना। **(थोडी देर खडी खडी अपने मेहमानों को देखती है, फिर मुडकर मेज के नजदीक जाती है)** देखा प्लटन, वे सब चले गये। इस पार्टी के लिए मैं दो दिन से तैयारी कर रही थी और सब बेकार हुआ।

**[टेलीफोन की घंटी बजती है।]**

**(टेलीफोन उठाते हुए)** हलो। कौन, प्लेटन? घर आ रहे हो? नहीं नहीं, वे सब तो गये। तुम्हारे जन्म दिन का उत्सव दूसरे किसी समय के लिए स्थगित कर दिया है। क्या? हां, हाँ, स्थगित कर दिया। मुर्गाबी, गोश्त और हरिंग मछली सब मेज पर ज्यों की त्यों सजी रखी है। किसी ने छुआ तक नहीं। और प्लेटन मुर्गाबी इतनी अच्छी बनी थी! सुन रहे हो क्या? हम लोगों के साथ हमेशा ही ऐसा होना है। सारी जिन्दगी हमारे साथ ऐसा ही होता रहा। प्लटन प्लटन, मेरे बेटे तुमने गलत रास्ता चुन लिया है।

**[दरवाजे की घंटी बजती है]**

अब कौन ?

(दरवाजा खोलने जाती है।)

[बेरेस्ट, अर्कादी और लीडा प्रवेश करते हैं। लीडा के हाथ में कई ड्राइंग्स हैं।]

अर्कादी   यह प्लेटन फ्कचुक की मां है। गुड इवनिंग, मारिया तरासोवना, आप कैसी है ? मैं आपके कुछ मेहमान लाया हूं। आ हा ! आपने तो इनके खाने की भी तयारी कर रखी है।

मारिया तरासोवना   आज प्लेटन का जन्म दिन है ! लेकिन वह अभी तक आया नहीं। सारी शाम उसका इन्तज़ार करके सारे मेहमान वापिस चले गये। आठ बजे अस्पताल से अचानक उसका बुलावा आ गया था। अभी-अभी उसका फोन आया है कि अब वह घर आ रहा है।

अर्कादी   यह तो बहुत बुरा हुआ, मारिया तरासोवना। देखिए, यह लीडा है और यह कामरेड बेरेस्ट हैं जो हमारी कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष हैं। ये प्लेटन इवानोविच से मिलने आये है। इनकी कौख में एक फोड़ा हो गया है। इन्हें बहुत तकलीफ है। ये एक महत्वपूर्ण कान्फ्रेंस में बैठे थे। वहीं से हम इन्हें यहाँ ले आये हैं।

बेरेस्ट (आहिस्ता से, दर्द से कराहते हुए)   आफ, फिर शुरू हो गया।

मारिया तरासोवना   आप बैठ जाइये ! यहाँ, इस कुर्सी पर आपको आराम मिलेगा। (एक आराम कुर्सी की तरफ इशारा करती है)

बेरेस्ट   शुक्रिया।

मारिया तरासोवना   कौख में है तो फोड़ा ही होगा।

बेरेस्ट   हाँ, माताजी, ऐसा ही लगता है। (दर्द से कराहता है)

मारिया तरासोवना   चिलकता है ?

बेरेस्ट   जी। चिलकता है, जलता है और ऐसा लगता है जैसे अन्दर कोई कई-कई नश्तर लगा रहा हो।

**मारिया तरासोवना** प्लेटन अब आता ही होगा। वह तुरत ठीक कर देगा। **(बाहर जाती है)**

**लीडा** मेरा दुभाग्य ! आज ही आपको यह तकलीफ हो गयी। मैं कितनी उत्सुक थी कि सुनू कि सेनीटोरियम सबधी मेरी योजना के बारे म आपकी क्या राय है। आप तो जानते ही है कि उसे तैयार करने की प्रेरणा मुझे आपसे ही मिली थी।

**बेरेस्ट** हा, लीडा, और सब तो बहुत अच्छी तरह हो गया। मुझे अफसोस है कि तुम्हारी योजना के बारे मे मैं कुछ न कह सका। मुझम कुछ कहन की ताकत ही नही रह गयी थी। मैं नही जानता कि मीटिंग के अत तक मैं बैठा कस रह सका था। ऐसा लगता है कि मेरा बुखार हर क्षण बढता जा रहा है। मेरा सिर फटा जा रहा है तुम्हारी योजना पर कल से काम शुरू कर दिया जा सकता है।

**लीडा (कृतज्ञता से बेरेस्ट के हाथ पकडते हुए)** धन्यवाद ! बहुत-बहुत धन्यवाद, पावेल सेमियानोविच।

**बेरेस्ट (दद से तडपते हुए)** बचाकर, बचाकर। बहुत तकलीफ़ हो रही है।

**लीडा** माफ कीजिएगा, मुझे खयाल नही रहा। लेकिन वह हड्डी बैठाने वाला कहा है ? वह जानता नही कि आप उसका इतजार कर रहे हैं और आपको इतनी तकलीफ ह ?

**बेरेस्ट** हडडी बैठाने वाला नही, सजन। सजन।

**लीडा** उनम फक ही क्या है ! मैं इनकी पूरी कौम स नफरत करती हूँ। ये सब एक ही धातु के बने होते हैं। इनकी सारी जिदगी लोगो का काटने-तराशन मे जाती है। और फिर भी लोग कहत हैं कि चीड-फाड का काम सृजनात्मक काम है !

**अर्कादी (नम्रतापूवक)** लीडा, मालूम होता है कि तुम्ह सजनो से मिलने का कभी मौका नही मिला।

**लीडा** जी नही ! उनका परिचय प्राप्त करने का सन्देहजनक सौभाग्य कल ही मुझे प्राप्त हुआ था—वहा अस्पताल मे। वहा मेरे पिता भर्ती ह। उनके पेट म कोई गडबडी है। अधिकाश समय उनके दद होता रहता है जिसकी वजह से वे बहुत कमजोर हो गये हैं। मैंने डाक्टरो मे बात की। मेरे हर सवाल का जवाब यान्त्रिक रूप मे वे "नही', हा, या हम नही कह सकते" के ही रूप म देत थे। इसलिए मुझे अभी तक पता नही चल सका कि डैडा को किस चीज की शिकायत है। आप मेरी राय पूछें तो मैं यही कहूँगी कि डाक्टरी पेशे के लोगा का रुख बिल्कुल उपेक्षापूण होता है। उदासीनता ही उनका मुख्य लक्षण है ठीक है न अर्कादी ?

**अर्कादी** पूरे तौर से तो नही, लकिन काफी हद तक तुम्हारी बात सही है। मुझे ऐसे ही लोगा के साथ काम करना पडता है, पावल सेमियोनोविच।

**बेरेस्ट** मुझे अफसोस है कि इन लोगो के बारे म मैं अधिक नही जानता। मैं पचास वष का हो गया, लेकिन आज तक कभी किसी डाक्टर के पास नही गया। और देखा ता, आज इस जलील फोडे की वजह स मुझे यहा आना पडा। ऐसी छोटी मोटी चीज के लिए किसी डाक्टर को तकलीफ देने म मुझे शम आती है

**अर्कादी** प्लेटन नेचेट ही यहाँ के सबस अच्छे सजन हैं। उन्होन एक मामूली मजदूर की हैसियत स जिन्दगी शुरू की थी। लेकिन स्वभाव म वह पूरे अराजकतावादी हैं। सामाजिक काय की रत्तीभर चिन्ता नही करत। हमेशा प्रयोग ही करते रहते हे। कहते हैं कि यही उनका सामाजिक काय ह।

**बेरेस्ट** किस तरह के प्रयोग ?

**अर्कादी** वह चीर फाड के नये-नये तरीका की तलाश म लगे रहते हैं।

**बेरेस्ट** । कैसे तरीकों की ?

**अर्कादी** दरअसल, यह मैं खुद भी नहीं जानता ।

**बेरेस्ट** तुम अस्पताल के इन्चार्ज हो, हो न ? फिर तुम्हें तो जानना चाहिए ।

**अर्कादी** यह और उनके सहायक कहते हैं कि वे लोग मौत पर विजय प्राप्त करना चाहते हैं । अजब लोग हैं ! मध्यकाल की कीमियागरों की तरह ! उनका सिर हमेशा आसमान में ही रहता है । लेकिन जब आप उन्हें उतारकर जमीन पर लाने की कोशिश करते हैं, जैसा कि उस दिन लीडा की योजना के सम्बन्ध में प्लेटन से उनकी राय मांगकर मैंने किया था, तो

**लीडा *(बात को बीच ही में काटते हुए)*** तो उन्होंने क्या कहा ?

**अर्कादी** उन्होंने उसकी लम्बी आलोचना तैयार कर रखी थी—उसी के प्वाइन्ट पढ़ने लगे । लेकिन मैंने उन्हें बीच में ही रोक दिया । सारी बेकार की बातें थीं ।

**बेरेस्ट** विचित्र बात है । तुम्हारा यह क्रेचेट सचमुच ही एक विचित्र प्राणी मालूम पड़ता है । क्या उसकी आलोचना के नुस्ते तुम्हारे पास है ?

**अर्कादी** नहीं । सधन्यवाद मैंने उन्हें उन्हीं को लौटा दिया था ।

**[दरवाजे की घन्टी बजती है]**

**(दरवाजे के पास जाकर)** लीजिए, प्लेटन इवानोविच क्रेचट खुद आ गये ।

***[क्रेचेट अन्दर आते हैं ।]***

नमस्कार, मित्र । देखो, तुम्हारे पास में एक बड़ा मरीज लाया हूँ—पावेल सेमियोनोविच बेरेस्ट । एक तरह से ये हमारे मेयर हैं ।

**प्लेटन** गुड ईवनिंग ।

**अर्कादी** प्लेटन, और यह लीडा हैं—मेरी प्रेयसी, जैसा कि पुराने जमाने में हम लोग कहा करते थे।

**प्लेटन** आपसे मिलकर खुशी हुई। लेकिन क्या इससे पहले हम लोग कहीं मिल नहीं चुके हैं?

**लीडा** नहीं। मेरा ख्याल है कि आपको भ्रम हो रहा है। इसमें पहले हम नहीं मिले।

**प्लेटन** मुझे सन्देह है। आपका चेहरा ऐसा नहीं कि देखकर कोई उसे आसानी से भूल जाय।

**लीडा** (लजाते हुए) धन्यवाद। आप तो मेरी प्रशंसा कर रहे हैं।

**प्लेटन** प्रशंसा नहीं कर रहा हूँ, एक खुशगवार सचाई बयान कर रहा हूँ। आपमें से किसे मुझसे काम है? (बेरेस्ट से) मुझे लगता है कि शायद आपको वर्ना इतनी रात को क्या आप यहाँ आने की तकलीफ करते। आज मैंने दो बार आपसे मिलने की कोशिश की लेकिन आपके सेक्रेटरियों ने कहा कि कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष को किसी तरह की दवा दारू की जरूरत नहीं है। उन्होंने दोनों बार मुझसे यह कहकर टाल दिया कि मुझसे मिलने के लिए आपके पास बिल्कुल समय नहीं है।

**बेरेस्ट** इसका मुझे अफसोस है। मुझे इसका पता नहीं था। लेकिन सच्ची बात यह है कि इसके बजाय कि अपने को मुझे आपको दिखाना पड़े यह मुझे ज़्यादा अच्छा लगता कि आप मुझसे सलाह मशविरा लेने आते

**प्लेटन** (हँसकर उन्हें अपने अध्ययन कक्ष में ले जाते हुए) आइये, कृपया अन्दर आ जाइये।

[प्लेटन और बेरेस्ट चले जाते हैं।]

**लीडा** कैसा विचित्र आदमी है! मेरी सन्देह-जनक प्रशंसा की।

कामरेड बेरेस्ट के बदन मे एक पिन घुसेड दी, उन्ह लेकर अपने आफिस मे घुस गया, और हम लोगा से उसने यह तक नही कहा कि बठ जाओ !

**अर्कादी** तुम इसकी परवाह न करो। सजन ऐसे ही होते है ' उनकी नजर मे सारे लोग बस केवल चीर फाड के लिए ही होते हैं'

**लीडा** और, सोचो तो ' पिताजी की जिन्दगी ऐसे ही लोगा के हाथ म है ' तुम तो जानते हो कि वही मेरा सब कुछ है। जब मा मरी तो मैं सिफ ग्यारह वप की थी, मेरा पालन पोपण पिताजी न ही किया है। एक ऐसा ठडा, भावना शून्य आदमी उनका ऑपरेशन करे यह विचार तक मुझे असहनीय लगता है कही उन्ह कैंसर हुआ तो ओह, अर्कादी

**अर्कादी** लीडा, मेरी प्राण। तुम्हे हो क्या रहा है ?

**लीडा** माफ करना आज का दिन मेरे लिए कितना वेदना-पूण रहा है। पहले मेरी योजना को लेकर वह सारी उत्तेजना थी और अब यह सब आ गया है मैं कितनी खुश थी और जब इन सन्देहो न आ घेरा

**अर्कादी** चिन्ता न करो, लीडा। सब कुछ ठीक हो जायगा। कल के अखबार मे तुम्हारी तस्वीर छपगी। उसके कई पेजो मे तुम्हारी याजना का वणन होगा। अपने विरोधियो को आज तुमने खूब अच्छी तरह ठीक किया। आखिर म पैरा के बीच दुम दबाकर भागते ही उनसे बना। अपनी कृति मे कलाकार-जैसा अभिमान रखने से अधिक उदात्त चीज और क्या हो सकती है। अपनी कृति पर अभिमान करने का तुम्हें पूरा अधिकार है

[अपना सफेद लिबास पहने हुए प्लेटन क्रेचेट बाहर के कमरे मे आते हैं। वे शीशे की एक अलमारी के पास जाकर उसमे से

चीड़ फाड़ के कुछ आले निकालते हैं, स्प्रिट का स्टोव जलाते हैं और छुरी को गर्म करने लगते हैं।]

प्लेटन !

**प्लेटन** बोलो।

**अर्कादी** तुम क्या करने जा रहे हो ?

**प्लेटन** उनका दर्द दूर करने।

**लीडा** ऑपरेशन ?

**प्लेटन** हां, बिल्कुल छोटा-सा।

**अर्कादी (प्लेटन के नजदीक जाकर)** अस्पताल में क्या हो गया था ? तुम अपने जन्म दिन की पार्टी में क्यों नहीं आ सके ?

**प्लेटन** कल एक नया मरीज लाया गया था एक इंजीनियर, प्रौढ़ अवस्था का होगा। देखने में एकदम स्वस्थ मालूम होता था। कौन सोच सकता था कि उसके

**अर्कादी (बात काट कर)** श श उनका नाम कोवाल तो नहीं है ?

**प्लेटन** हाँ। क्या ?

**अर्कादी (लीडा से)** प्रिय, माफ करना। प्लेटन से मैं एक बात कर लूं।

**लीडा** अच्छा।

*अर्कादी (प्लेटन को अलग ले जाकर)* उनको क्या मर्ज है ? लेकिन कृपाकर धीरे धीरे बोलना।

**प्लेटन** सात बजे उन्हें जोर का दौरा आया। मुझे उन लोगों ने आठ बजे बुलाया। मैं फौरन दौड़ा-दौड़ा गया और चार घण्टे तक उनका उपचार करता रहा। आधी रात को उन्हें आपरेशन-टेबुल पर ले जाना पड़ा।

**अर्कादी** हाँ और फिर क्या हुआ ?

प्लेटन तुम इस तरह घबड़ा क्या रहे हो ?

अर्कादी तुम्हारे मरीज़ लीडा के पिता हैं।

प्लेटन ओह, अब समझा!

अर्कादी उसके पिता तुम कुछ बोलते क्यों नहीं ?

प्लेटन क्या यह उन्हें चाहती हैं ?

अर्कादी वही इसके सब कुछ हैं।

प्लेटन तो मुझे इनके लिए बहुत दुख है।

अर्कादी क्या ? क्या वह मर गये ?

प्लेटन नहीं, अभी नहीं, लेकिन मुझे डर है कि जल्दी ही उनका स्वर्गवास हो जायगा।

अर्कादी जल्दी ही ऑपरेशन करने की इजाजत तुम्हें किसने दी थी ? खुद मरीज़ ने ?

प्लेटन वे अचेत थे। तुम वहाँ थे नहीं। मैंने उनकी बेटी को बुलाया, लेकिन वह भी बाहर गयी हुई थी। समय खोने का जरा भी मौक़ा नहीं था।

अर्कादी तुमने लीडा की अनुमति के बिना ही ऑपरेशन कर दिया ? जानते हो इसका मतलब क्या होता है ? अगर उन्हें कुछ

[प्लेटन अध्ययन कक्ष की तरफ चले जाते हैं।]

प्लेटन !

प्लेटन माफ कीजिए, लेकिन अब मुझे जाना चाहिए।

अर्कादी पर तुम उन्हें बचा लोगे न ? तुम्हें उनको बचाना ही होगा !

प्लेटन यह चीज केवल मुझ पर नहीं निर्भर करती।

अर्कादी प्लेटन ! मैं लीडा से शादी करने जा रहा हूँ। समझते हो ? तुम और तुम्हारे प्रयोग ! तुम्हारे नये-नये तरीक़े ! तुम

क्या करते हो इससे मुझे कोई मतलब नही, लेकिन उनको तुम्हे किसी तरह बचाना ही होगा।

**प्लेटन** कल सुबह एक बार फिर मैं कोशिश करूँगा। लेकिन मैं कह नही सकता कि उनका दिल वहाँ तक मेरा साथ दे सकेगा। **(चला जाता है।)**

**लीडा** अर्कादी, तुम भी उस क्रेचेट से कुछ कम बुरे नही हो।

**अर्कादी** क्या, लीडा ?

**लीडा** तुम चले गये और पूरे आध घंटे के लिए मुझे उसके साथ छोड़ गये। **(मेज़ पर रखे मानव कपाल को दिखलाती है)** इसकी यह मुस्कराहट कैसी लगती है ?

**अर्कादी (सख़्ती से)** उसे रख दो।

**लीडा** तुम परेशान लगते हो।

**अर्कादी** नही, मैं बिलकुल ठीक हूँ। शायद थोड़ा थक गया हूँ। तुम तो जानती हो, आज का दिन मेरे लिए भी कितना खराब बीता। आखिर, तुम्हारी योजना मेरी भी तो है लीडा।

**लीडा** शुक्रिया, अर्कादी।

**अर्कादी** लीडा इस संकुचित प्रान्तीय दलदल से जितनी जल्दी हो सके उतनी जल्दी हमे निकल भागना होगा।

**लीडा** "हमें' ?

**अर्कादी** तुम्हे और मुझे।

**लीडा** मैं अभी तक इसकी आदी नही हुई। "हमें' "हम लोग"— कुछ विचित्र से लगते हैं। लीडा और अर्कादी चले गये, और उनकी जगह हमे', 'हम लोगो' ने ले ली है। नही, मुझे अच्छा नही लगता।

**अर्कादी** कौन-सी चीज़ अच्छी नही लगती बात का रूप या उसके अन्दर का अर्थ ?

**लीडा** रूप।

अर्कादी और उसका अर्थ ?
लीडा अर्थ

[एक खामोशी]

अर्कादी, क्या तुम सचमुच मुझसे प्रेम करते हो ?

अर्कादी (ऐसा लगता है जैसे इससे उसे चोट लगी है) लीडा अब, इस वक्त, शादी की बेला में क्या तुम्हें इसमें संदेह हो रहा है ? माफ करना, किन्तु सोचो तो, तुम कैसी बेतुकी बात कर रही हो !

लीडा तुम्हें बुरा लगा, इसका अफसोस है मुझे, अर्कादी बात बेतुकी है ? ठीक ही कहते हो तुम। पूरे एक साल से हम एक दूसरे से मिल रहे हैं, लेकिन यह सवाल एक बार भी कभी मैंने तुमसे नहीं पूछा। सारी चीज एक सपने जैसी रही है—एक धुंधले, तैरते सपने की तरह।

अर्कादी सपना ! एक धुंधला, तरता सपना ! और एक दिन जब हमारी नींद खुलेगी तो हम राजधानी में होंगे। यहाँ तो जैसे गला घुटता है। इस कुएं जैसी, निद्रा-ग्रस्त जगह में कैसे कोई बड़ा काम कर सकता है ? संकुचित दिमाग रखने वाले इन तमाम यांत्रिक लोगों के साथ काम करना कितना कठिन है। हमें किसी न किसी बड़े शहर में ही जाना होगा। तुम्हारी पहली योजना इस काम में हमारी मदद कर सकती है, फिर एक दो योजनाएँ और, और तुम चारों तरफ मशहूर हो जाओगी। देख लेना। इसलिए, मेरी प्रिय, उदास न हो। अपना सिर ऊंचा रखो।

लीडा अर्कादी, तुम कितनी बड़ी-बड़ी बातें सोच डालते हो। कभी-कभी मुझे तुमसे डर लगने लगता है। जहाँ तक राजधानी का सवाल है, मैं तुम्हें बता दूं, मैं वहाँ कभी नहीं गयी। पर जब भी मुझसे कोई पूछता है तो मैं कह देती हूँ 'हाँ, हाँ, मैं वहाँ कई बार हो आयी हूँ, किन्तु मुझे वहाँ अच्छा नहीं लगता। वहाँ का शोर-गुल, वहाँ की

मीडें मुझे पसन्द नही ।' लेकिन जब भी मैं ऐसा कहती हूँ तो मेरा मन शम में डूब जाता है।

**अर्कादी** *यहाँ पडे रहने का तुम्हे अधिकार नहीं । हमारे युग* की गरिमा को जो कोई भी समझता है, जो कोई भी हमारे महान युग की महत्ता से परिचित है, इस कूप-मडूक जगह मे पडे रहने का वह खयाल नही कर सकता। हमारे देश मे सिर्फ एक ही शहर है जिसन शताब्दियों की जडता पर विजय प्राप्त कर ली है, जिसमे आदमी सृज *नात्मक ढग से रह और काम कर सकता है आजादी से अपन पख* फैला सकता है और वह शहर राजधानी है, लीडा। सारे देश की गति और लय को वही निर्धारित करती है।

**[प्लेटन कमरे मे आता है। चीड फाड के आलों को अलमारी मे वापिस रख देता है।]**

**लीडा** *ऑपरेशन खत्म हो गया ?*

**प्लेटन** हाँ।

**लीडा** मरीज बेहतर हैं ?

**प्लेटन** हाँ।

**अर्कादी** वे कहाँ हैं ?

**प्लेटन** लेटे हैं। उन्ह थोडे आराम की जरूरत है। हाँ, वे आपको बुला रहे हैं।

**अर्कादी** बहुत अच्छा। प्लेटन, इस बीच तुम जरा लीडा का खयाल रखना। इन्हें थोडी दिलासा दिलाने की जरूरत है। (अन्दर **चला जाता है)**

**प्लेटन** खुशी से।

**[खामोशी]**

गोकि मुझे डर है कि मुझस इनका दिल अधिक नही बहल सकेगा।

लीडा क्यों नहीं ?

प्लेटन मैं बहुत थक गया हूँ। आज सारे दिन मुझे बहुत काम करना पडा है।

लीडा कोई ऑपरेशन था ?

प्लेटन हाँ।

लीडा किस चीज का ?

प्लेटन मरीज के पेट मे कैंसर था।

लीडा मरीज बच जायेगा ?

[एक लम्बी खामोशी।]

क्यों, बच जायेगा न ?

प्लेटन मुझे अन्देशा है कि शायद बच न सके।

लीडा कैंसर! कैसा भयंकर रोग है! कल मेरे पिता भी आपके अस्पताल ले जाये गये थे। उनके भी पेट में कुछ तकलीफ है। दर्द के भयानक दौर आते हैं। मैं डरती हू कहीं उन्हें भी कैंसर न हो।

प्लेटन जरूरी नहीं।

लीडा लेकिन अगर कैंसर ही हुआ, तो क्या ऑपरेशन करना जरूरी होगा ?

प्लेटन हाँ, उसके बिना कोई चारा नहीं है।

लीडा नहीं, नहीं। मैं उनका ऑपरेशन कभी नहीं करने दूंगी। मैं ऐसा जोखिम नहीं उठाऊँगी।

प्लेटन किन्तु अगर कोई और रास्ता न हो ?

लीडा तब भी नहीं। मैंने अपने पिता से वादा करा लिया था कि बिना मुझसे पूछे वे ऑपरेशन न करायेंगे।

प्लेटन मुझे अफसोस है, मुझे यह मालूम न था।

लीडा (भयातुर होते हुए) आपने क्या कहा ?

**प्लेटन** मुझे मालूम नही था कि चीड फाड से आपको इतना डर लगता है।

**लीडा** क्या आप रोज लोगा को काटते मेरा मतलब है, क्या आप हर दिन आपरेशन करते है ?

**प्लेटन** इस बार तो मुझे रात को भी आपरेशन करना पडा।

**लीडा** केवल कॅसर के मरीजा का ?

**प्लेटन** नही। फटी हुई खोपडियो का, ट्राम और मोटर की दुघ टनाआ के शिकार लोगो का आदि-आदि। इस सब मे हम लोगो के लिए बहुत अच्छी सामग्री होती है और दिलचस्प भी वह बहुत होती है!

**लीडा** 'बहुत अच्छी सामग्री, "दिलचस्प"! क्षत विक्षत और लहू-लुहान शरीर दिलचस्प कैसे हो सकते हैं! आपकी बात से तो मेरे अन्दर कॅपकॅपी पैदा हो जाती है

**प्लेटन** ऑपरेशन जितना ही जटिल होता है उसे करने म मुझे उतना ही अधिक अच्छा लगता है। सजन का बहुत अनुभव की ज़रूरत हाती है। वर्ना, आपही बताइये, अगली लडाई मे अपने सैनिका को हम किस तरह बचायेंगे ? क्या अजीर का शबत पिलाकर ? या, आप सोचती ह कि, कविता पाठ करके उनके घावो को भर दिया जा सकता है ?

[एक लम्बी खामोशी]

**लीडा** आपकी आँखें कितनी भावना शून्य हैं! मैं नही जानती थी कि सजन लोग गुस्सा भी हो सकते हैं। आप बुरा न मानें तो इस बात का हम यही समाप्त कर दें।

**प्लेटन** खुशी से। गुस्सा होने का मुझे कोई अधिकार नही है। अपन पेशे म हमारे लिए शान्त रहना आवश्यक होता है। मुख्य चीज़ यह है कि आदमी का दिमाग साफ़ हो। इसके अलावा, आज अभी थोडी ही देर बाद मुझे एक और बहुत बडा ऑपरेशन करना है।

**लीडा** मैं सोच रही थी कि इस विषय पर बात करना हमने खत्म कर दिया। ओह, यहाँ कितनी गर्मी है ! **(खिडकी के पास जाकर पर्दा खोल देती है)** मई की रात और सेब का फूलो से लदा यह दरख्त इसके फूलो से कैसी भीनी भीनी सुगध आ रही है ! लगता है जसे कि दरख्त अपनी सुदर श्वेत बाहो को आपकी खिडकी की तरफ बढा रहा है—निष्ठुर सजन का अभिनन्दन करने के लिए !

**प्लेटन** धन्यवाद। मैं तो सोचता था कि शायद वह डरता होगा कि कहीं मैं उन्हे काट न दू।

**लीडा** बस कीजिए। कृपया इस विषय म अब एक शब्द भी न बोलिएगा। **(कमरे मे इधर उधर नजर दौडाती है)** वह क्या है ? अरे, यह तो..

**प्लेटन** एक मामूली वायलीन ।

**लीडा** भला सजन का वायलीन से क्या वास्ता ? इसे क्या कोई और बजाता है ?

**प्लेटन** हाँ।

**लीडा** कौन ?

**प्लेटन** मैं।

**लीडा** आप ?

**प्लेटन** आपको ताज्जुब हो रहा है ?

**लीडा** आपको वायलीन पसन्द है ? आप बजाते हैं ?

**प्लेटन** थोडा सा। **(मुस्कराता है)** इससे मेरी अँगुलिया की थोडी कसरत हो जाती है।

**लीडा** आपकी अँगुलियो की ?

**प्लेटन (मुस्कराता हुआ)** सजन की अगुलियो को मजबूत और सम्वेदनशील होना चाहिए—उसी तरह जिस तरह किसी वायलीन या पियानोवादक की होती हैं

लीडा कैसी विचित्र बात है ! यह खयाल ही कैसा अजब लगता है कि संगीत की देवी, स्वयं वीणा-वादिनी सरस्वती एक सजन की अनुचरी बन जायें ! कैसी दुःखद बात है ! (वायलीन को दीवाल से उतार लेती है) इस भव्य वाद्य यन्त्र पर डाक्टरी की अपनी कुछ 'कस-रतें' दिखाने की कृपा क्या आप करेंगे ? बस एकाध कसरत दिखा दीजिए, मैं आपसे प्रार्थना करती हूँ। (वायलीन उसके हाथ में देती है)

प्लेटन आपको कोई मजा नहीं आयेगा।

लीडा कृपया, प्लेटन इवानाविच, मैं आपसे विनती करती हूँ। जरा सा

प्लेटन इस वक्त नहीं। इस वक्त मुयस न बज सकेगी।

लीडा नहीं आपको बजाना ही पड़ेगी। जब तक आप बजायेंगे नहीं तब तक मैं यहाँ से कहीं नहीं टलूंगी।

प्लेटन (हँसते हुए) ओह, ऐसी बात है ! तब तो मैं मर जाऊँ तब भी वायलीन को हाथ न लगाऊँगा।

लीडा ओह ?

[एक खामोशी।]

प्लेटन इवानोविच, मैं चाहती हूँ कि आप जिन्दा रहें, केवल एक विशेष कृपा के रूप मे मैं आपसे अनुरोध करती हूँ कि एक बार, बस एक बार बजा दीजिए कृपया। लीजिए, लीजिए। (जबरदस्ती उसे वायलीन और उसकी कमान पकड़ा देती है। फिर उसे अच्छी तरह देख सकने के लिए कुछ पीछे हट कर खड़ी हो जाती है) कोई पेंटिंग बनाये तो कितनी बढ़िया बने—आपकी सफेद डाक्टरी पोशाक, हाथ मे वायलीन और बगल मे मेज़ पर एक मानव-कपाल ! कैसी बढ़िया तस्वीर बनेगी !

[खामोशी।]

प्लेटन (ध्यान से उसकी ओर देखते हुए) खुली हुई खिडकी,

उसके पीछे सेब के खिले फूलों की बहार, और खिड़की के पास आप सचमुच ही कितना शानदार चित्र बनेगा!

[खामोशी।]

लीडा (कोमल स्वर में) कृपया, शुरू कीजिए।

[प्लेटन यांत्रिक रूप से कुछ इधर-उधर हाथ चलाता है।]

(हँसते हुए) हाँ, हाँ, बजाइये, बजाइये!

[प्लेटन रुक जाता है।]

लीडा प्लेटन इवानोविच, आप रुक क्यों गये? बहुत बढ़िया है बहुत बढ़िया! (हँसती है) बस केवल एक बार और।

[प्लेटन वायलीन को हाथ में लटकाये हुए धीरे धीरे लीडा के बगल में खिड़की के पास पहुँच जाता है।]

एक बार और! बस, एक बार! (हँसती है)

[प्लेटन गहरी दृष्टि से उसकी तरफ देखता है। फिर वायलीन को ऊपर उठाकर उन्हीं यांत्रिक गतियों की पुनरावृत्ति करता है।]

अति सुन्दर एक बार और! (हँसते हुए) फिर

[प्लेटन धीरे धीरे खिड़की की तरफ घूम जाता है। सामने फेन जैसे धवल फूल खिले हुए हैं। वायलीन बज रही है। उसकी कोमल यांत्रिक गतियाँ धीरे धीरे एक सुमधुर सुन्दर संगीत-लहरी में बदल जाती हैं। कमरा और बाग एक भव्य नैसर्गिक संगीत से मुखर हो उठते हैं। लीडा चित्रलिखित-सी मूक खड़ी की खड़ी रह जाती है। फिर धीरे धीरे वह पीछे की ओर हटती है जिससे कि दूर से देखकर इस रहस्य का पता लगा सके कि उसके देखते-देखते ही यह कैसा चमत्कार हो गया। ठीक इसी समय अर्काबी बगल के कमरे से वहाँ आ जाता है। लीडा ने उसे नहीं देखा। मंत्र-मुग्ध सी

वह सगीत का पान कर रहो है। अर्कादी उसकी इस मुद्रा को चुपचाप देखता है। यकायक सगीत की स्वर-लहरी रुक जाती है। प्लेटन घूमकर लोडा की तरफ देखता है।]

प्लेटन (आहिस्ता से) और ? लोडा !

लोडा नही नही प्लेटन। काफ़ी हुआ। मैं फिर आऊगी। फिर। इस तरह नही जिस तरह कि इस वक्त मैं हूं। और तब, मैं आपसे कहूँगी कि

अर्कादी यह सब क्या है, प्लेटन ?

लोडा (तेजी से घूमकर) अर्कादी ?

प्लेटन (एक रूखी मुस्कराहट के साथ) ईर्ष्या हो रही है ?

अर्कादी बक्वास न करो। मुझे ईर्ष्या क्या हो ? मैं लोडा से प्रेम करता हूं, और वह मुझसे प्रेम करती है। इससे भी बडी बात यह है कि हम एक दूसरे का सम्मान करते हैं। लोडा, शायद तुम्हें मालूम नही कि इन सज्जन ने तुम्हारी योजना की आलोचना को कामरेड बेरेस्ट के पास पहुचा दिया है ! तुम्हारी योजना की इन्होंने दुर्गति बना दी है। अधिक महत्वपूण चीज़ यह है कि बेरेस्ट को भी इन्होने कायल कर दिया है कि इन्ही की बात सही है। और यह सब ऑपरेशन करते-करते उस थोडे-से समय के ही अन्दर ! प्लेटन इवानाविच, लगता है कि तुम्हे बहुत जल्दी थी। लेकिन, कम से कम, कुछ ईमानदारी तो तुम बरत ही सकते थे। इस तरह की स्थिति का अनुचित लाभ उठाना कहाँ तक सही था ?

प्लेटन इस विषय को कामरेड बरस्ट ने खुद ही उठाया था। मेरे आफ़िस म पैर रखते ही उन्होंने माँग की कि अपनी लिखित राय मैं उन्हे दे दू। जिस समय मैं ऑपरेशन की तैयारी कर रहा था, उसी बीच उन्होंने उसे पढ डाला। मेरा खयाल है कि रिपोट के पाँच पेज से अधिक

वे न पढ सके होंगे। लीडा, मुझे इस बात का पता नही था कि वह योजना आपने तैयार की थी।

[बेरेस्ट प्रवेश करते हैं। ]

बेरेस्ट कामरेड ग्रेचेट, आप तो जादूगर हैं। आपने अपनी छुरी छुआ दी और मैं एक नया आदमी बन गया।

लीडा आपका दद खत्म हो गया ?

बेरेस्ट एकदम। लीडा, तुमने वह आलोचना देखी जो कामरेड ग्रेचेट ने तुम्हारी योजनाकी की है ?

लीडा नही।

बेरेस्ट (अर्कादी से) मेरा खयाल है कि तुम्हें आदेश दिया गया था कि इस योजना को मेडिकल स्टाफ के लोगो के सामने रखकर उनकी राय लेना और उसे लेखिका के पास पहुचा देना। तुमने यह क्यो नहीं किया ?

अर्कादी क्योंकि ग्रेचेट की टीका टिप्पणी को मैं सजीदा आलोचना नही मानता।

बेरेस्ट नहीं ?

अर्कादी एकदम नहीं।

बेरेस्ट कामरेड ग्रेचेट, मैं आपसे कुछ बात करना चाहता हूँ। आप कल मेरे आफिस आ सकते है ? हाँ, कल तो छुट्टी है तो शायद आप मेरे घर आ जायेंगे ? ६ बजे आपको फुरसत रहेगी ? आपके लिए मैं कार भेज दूगा। आपको आपत्ति न हो तो आपके इस आलोचनात्मक नोट को मैं अपने साथ लेता जाऊ। तो फिर पक्का रहा न ?

प्लेटन अच्छी बात है।

बेरेस्ट लीडा, मैं चाहता हूँ कि तुम भी आ जाना। ६ बजे मैं तुम्हारी भी राह देखूगा। यह एक अत्यन्त गम्भीर प्रश्न है। (प्लेटन से) मैं आपका टेलीफ़ोन इस्तेमाल कर लू ?

प्लेटन अवश्य।

बेरेस्ट (फ़ोन पर) चार सौ छप्पन, प्लीज़। हैलो! इवान मिखाइलोविच, क्या सो गए थे, मैंने आपको जगा दिया? नहीं! आप काम कर रहे थे। अच्छा, इवान सुनिए, सेनीटोरियम की योजना के सम्बन्ध में आप कब खबर छापने वाले हैं? ओह पूरे दो पेज, मय लेखिका के चित्र के। सब कुछ तैयार हो गया। कल? मैं चाहता हूँ कि फिलहाल आप उसे रोक दें, प्लीज़। आप क्या करें यह मैं नहीं जानता, लेकिन इस चीज़ का कल नहीं छपना चाहिए। बस। माफ़ कीजिएगा आपको परेशान होना पड़ा, लेकिन और कोई रास्ता नहीं है।

लीडा मैं कल आपके घर न आ सकूँगी। कामरेड बेरेस्ट, आलोचना के लिए आपको धन्यवाद। लीजिए, योजना यह है, अब आप खुद इसे ठीक कर ले सकते हैं! (ड्राइंगों का बण्डल जबदस्ती उसको पकड़ा देती है।)

बेरेस्ट (सख़्ती से) इसका क्या मतलब, लीडा?

लीडा इसका मतलब यह कि इस योजना को तैयार करने में मुझे पूरा एक साल लगा है। मेरी बहुत-सी शक्ति और बहुत-सा समय इसमें लगा है। शहर के चीफ इंजीनियर और नगर स्वास्थ्य विभाग ने इसे पास कर दिया है। और अब सिर्फ एक आदमी की राय की वजह से, और वह भी एक ऐसे आदमी की राय की वजह से जिसे इस चीज़ के बारे में ज़रा भी तमीज नहीं है—माफ़ कीजिएगा, लेकिन सही बात यही है—पूरी योजना को रद्दी की टोकरी में फेंक दिया जा रहा है! मैं इस पचड़े में अब कतई नहीं पड़ूँगी। मैं नहीं आऊँगी — आप योजना को ले जाइये और जो कुछ उसका करना हो कर डालिए। (उसे मेज़ पर फेंक देती है।)

बेरेस्ट योजना को जिन जिन लोगों ने पास किया है उनसे बाद में मैं निबटूंगा, लेकिन तुम्हें लीडा, कल आना होगा। तुम पार्टी

सदस्यता की उम्मीदवार हो और यह इस तरह का हिस्टीरिया (दौरा) एकदम अशोभनीय है। यह तुम्हे शोभा नही देता। ला, अब अपनी योजना सम्भालो।

[मारिया तरासोवना आ जाती हैं।]

**मारिया तरासोवना** (बेरेस्ट से) कामरेड, आपका फोडा अब कैसा है ?

**बेरेस्ट** माजी, आपका बटा तो यीशु मसीह से भी अच्छा उपचार करता है।

**मारिया तरासोवना** हाँ, कामरेड यह आधुनिक विनान का चमत्कार है

**बेरेस्ट** आप बिल्कुल ठीक कहती हैं, यह विज्ञान का ही चमत्कार है।

**मारिया तरासोवना** लेकिन आप सब खडे क्या हैं ? प्लेटन, अपन मेहमानो से अनुरोध करो कि बैठकर थोडा खा लें। आप लोग जानते है न कि आज प्लेटन का जन्म दिन है। कृपा कर आप सब लोग बठिए प्लेटन, तुम सबसे निवेदन करो

**प्लेटन** (परेशान-सा होता हुआ) हाँ, कृपा कर आप लोग बैठिए

**बेरेस्ट** अफसोस है कि इतनी देर हो गयी। फिर भी आप के बटे का जामे-सेहत मैं जरूर पीऊँगा। (मेज पर जाकर गिलास मे शराब उडेलता है) लीडा, लो (गिलास उसके हाथ में थमाता हुआ), कामरेड क्रेचेट की सेहत के लिए तुम्ह भी पीना पडेगा। लो।

[लीडा गिलास ले लेती है।]

और अर्कादी, तुम क्या कर रहे हो ? आओ, लो। (उसे भी एक गिलास देता है) कामरेड क्रेचेट, मा जी, आप लोग भी एक एक गिलास लीजिए। आइये, हम सब कामरेड क्रेचेट के स्वास्थ्य के लिए उनकी,

लीडा माफ कीजिएगा, मैं शराब नहीं पीती। (अपना गिलास नीचे रख देती है।)

मारिया तरासोवना (लीडा के पास जाकर) बस, एक घूट पी लो तुम इतनी अच्छी लडकी हो, मेरे लिए, इसकी मा के लिए, एक घूट पी लो (उसे गिलास उठाकर देती है।)

प्लेटन (सख़्ती से) मा

[मारिया तरासोवना चौंककर उसकी तरफ देखने लगती हैं। उसकी समझ मे नहीं आता कि क्या बात है।]

लीडा (प्लेटन की तरफ़ देखती है और गिलास ले लेती है) बहुत अच्छा, मैं पीऊँगी। ( भावावेग में ) प्लेटन इवानोविच, मैं आपकी सफलता की कामना करती हूँ। यह दिन बार-बार आय। (शराब पी जाती है, झपट कर मेज की तरफ जाती है, और अपनी योजना को उठाकर तेजी से बाहर निकल जाती है)

[सब लोग स्तम्भित रह जाते हैं।]

प्लेटन लीडा! (अपना गिलास नीचे रख देता है) लीडा! (उसके पीछे-पीछे बाहर जाता है)

[अर्कादी का गिलास फर्श पर गिरकर चकनाचूर हो जाता है।]

अर्कादी कामरेड वेरेस्ट, माफ कीजिएगा! (जल्दी जल्दी वह भी बाहर निकल जाता है)

[वेरेस्ट और मारिया तरासोवना अपने गिलासों को हाथ मे लिये खड़े रहते हैं। मा का सिर नीचे की ओर झुक जाता है।]

वेरेस्ट मा जी, आप फिक्र न कीजिए। आइए, हम लोग आप के बेटे के सुस्वास्थ्य के लिए पियें।

[मा अपना सिर ऊपर करती है। आंख के आंसुओं को पोंछ लेती है और अपने गिलास को धीरे से बेरस्ट के गिलास से छुआती है।]

मारिया तरासोवना धन्यवाद, कामरेड। आपके अगर फिर कभी फोड़ा फुंसिया हों, या कोई और तकलीफ हो, तो निस्संकोच यहाँ चले आइयेगा। देखिए, भूलिएगा नहीं

[पर्दा गिरता है।]

*

# दूसरा अक

## दृश्य 1

[कायकारिणी समिति के अध्यक्ष बेरेस्ट का निवास स्थान। वेरेस्ट अपनी मेज के सामने बठा काम कर रहा है। उसकी नहीं बेटी माया सोफा पर बठी एक कविता याद कर रही है।]

**माया** युग के नगाडे। तूयास्काया की एक कविता। लाल उगत हुए सूय का रग है। युग के नगाडे बज रह हैं। नगाडा की आवाज पर प्रसन्न वदन पायनियर माच करते हुए आगे बढ रह ह फक्ट्रियो की घरघराहट की लय स लय मिलाते हुए उनके कदम आग बढ रह है।" (किताब को अलग रखकर याददाश्त के आधार पर कविता सुनान का प्रयत्न करती है।) "युग क नगाडे उगत हुए सूय का रग लाल है '

**बेरेस्ट** हुश माया!

**माया** अच्छा, पापा। "युग क नगाडे उगते हुए सूय का रग लाल है प्रसन्न वदन पायनियर माच करते हुए आगे वढ रहे ह नही, यह ठीक नही है। "फक्ट्रियाँ माच कर रही है नगाडे बढ रह हैं। नगाडे क्या पापा? नगाडे किस तरह के हाते ह?

**बेरेस्ट** क्या कह रही हो?

**माया** मैं पूछ रही हूँ कि नगाडे किस किस तरह क हाते है?

**वरेस्ट** सब तरह के। मुझे तग न करो, माया।

**माया**   मुझे तग न करो   तुम्हारे लिए तो ठीक है पापा, तुम बडे हो गए हो। तुम्हे थोडे ही कविताएँ याद करनी पडती हैं। लेकिन कल जब टीचर मुझसे पूछेगी तो मैं क्या करूँगी ?

**बरेस्ट**   अच्छा, तुम याद करो, माया। ठीक से, एक-एक लाइन करके। अच्छी तरह से याद करो, बेटे।

**माया**   मैं सुबह से याद करने की कोशिश कर रही हूँ। एक-एक लाइन करके धीरे धीरे और जल्दी-जल्दी, लेकिन यह याद ही नही होती।   वह तमाम बेवकूफ नगाडे   **(किताब मे देखती है)** युग के नगाडे। पापा ये युग के नगाडे क्या होते हैं ?

**बरेस्ट**   माया मैंने तुमसे कहा था न कि मुझे इस वक्त तग न करो। तुम नही जानती कि युग के नगाडे क्या होते है ?

**माया** नही, तुम जानते हो ?

**बरेस्ट**   हाँ, क्या नही। वे   हाँ   नगाडे   हाँ, युग के नगाडे होते हैं। तुम जानती हो न, नगाडे (एक अस्पष्ट सा इशारा करता है) युग के नगाडे। अब मैं कैसे बताऊ कि वे क्या होते हैं—

**माया**   मैं समझी। और क्या वे बडे होते है (उसके इशारे की नकल करते हुए) वे नगाडे ?

**बेरेस्ट**   अरे   नही

**माया**   तब वे किस तरह के होते है ?

**बेरेस्ट**   देखें, युग, के नगाडो के बारे मे यह सब क्या है ?

**माया**   यहाँ देखो, किताब मे लिखा हुआ है।

**बेरेस्ट** (पढते हुए)   'युग के नगाडे बच्चो के लिए एक कविता। ललिका तूर्यास्किाया   " (कविता को धीरे धीरे पढते हुए)

**माया**   बेवकूफी की इस कविता से मेरा सिर दर्द करने लगा है।

**बेरेस्ट**   इससे तो हाथी तक के सिर मे दर्द होने लगेगा।

**[बेरेस्ट का शोफर (ड्राइवर), वास्या आता है।]**

**वास्या** पावेल सेमियोनोविच, कार की आपको अभी जरूरत होगी ? या मैं उसे गराज ले जाऊँ ?

**बेरेस्ट** तुम थे कहाँ, वास्या ?

**वास्या** मैं मु मुझे देर हो गयी। रास्ते म पचर हो गया था।

**बेरेस्ट** पचर ! क्यो, फिर जीना को घुमाने ले गये थे ?

**वास्या** नही। सच कहता हू, पचर हो गया था।

**बेरेस्ट** अच्छी बात है, आगे कोई फिर पचर न हो इसलिए मैं तुम्ह यह कविता दे रहा हूँ, इसे ले जाओ और बैठकर याद करो। मैं एक घटे का टाइम देता हूँ। याद रखना, आगे जब भी तुम देर करोगे तुम्ह इसी तरह की कविता याद करनी पडेगी। लो, इसे ले जाओ।

**वास्या** खुशी से। मुझे कविता बहुत अच्छी लगती है। **(किताब ले लेता है)** लेकिन कार के बारे म आप क्या कहते हैं ?

**बेरेस्ट** एक मिनट ठहरो। **(अपने कागजों पर नजर डालता है।)**

**वास्या** **(कविता पढता हुआ। ज्यों-ज्यों वह आगे बढ़ता है त्यों-त्यों उसका उत्साह ठडा होता जाता है)** "युग के नगाडे, युग के नगाडा की हुकार। उगता हुआ सूय फैक्ट्रियो की घरघराहट युग के नगाडे—" **(रुक जाता है)** पावेल सेमियोनोविच, सुनिए पावेल सेमियोनोविच ! मैं वादा करता हू, फिर कभी देर नही करूँगा, मैं सच्चा वादा करता हूँ। मैं कुछ भी करने को तैयार हूँ पर इस कविता से मुझे बचाइये।

**माया** नही, वास्या, याद करो। मेहनत से याद करो। धीरे धीरे एक-एक लाइन करके।

**बेरेस्ट** हाँ, ठीक है, माया। तुम इसे बतला दो। अच्छा, वास्या, गाडी ले जाओ और डाक्टर क्रेचेट को यहाँ ले आओ। याद है, कल हम लोग उनके घर गये थे ।

**वास्या** (उसकी जान मे जान आ जाती है) बहुत अच्छा।

**बेरेस्ट** उनस कह दना कि हा सकता है कि मुझे पद्रह मिनट की देर हो जाय। उनस कहना कि मेहरबानी करके मेरा इन्तजार करें अब क्या खडे हो ?

**वास्या** किताब का यही छोड दू ?

**बेरेस्ट** अच्छा छोड दो। लेकिन वास्या याद रखना, अगर फिर कभी पचर हुआ

**वास्या** (जल्दी से किताब को एक तरफ़ रखकर दरवाज़े की तरफ़ बढ़ता है) न अब जीना को फिर कभी घुमाऊँगा और न अब फिर कभी पचर होगे। कसम खाता हूँ (बाहर चला जाता है)

[माया किताब को देखती है और दौडकर दूसरे कमरे में चली जाती है।]

**बेरेस्ट** (टेलीफोन उठाकर) तिरासी नम्बर, प्लीज। हाँ, आप गराज से बोल रहे है ? मैं बरेस्ट हू ! मेरे लिए आप एक गाडी भेज सकते हैं—लगभग २० मिनट म ? शुक्रिया।

[बोशकरियोवा आती है।]

**बोशकरियोवा** (हाँफती हुई) ओफ ! अच्छा, तो आप घर पर हैं। मुझे डर था आपको न पकड पाऊँगी। सारे रास्ते दौडती आयी। कृपाकर मुझे एक गिलास पानी मँगा दीजिए। ओफ, जब से आपके सक्रटरी का फान मिला कि पाच बजे यहाँ आकर मुझे रिपोर्ट देनी है तब स साँस लन तक की फुसत नही मिली। भागी भागी मैं स्वास्थ्य विभाग गयी। अपन सक्रटरी को बुलवाया—आज हमारी छुट्टी का दिन न— और उससे कहा कि सारी चीजें इकट्ठा कर दे। कायकारिणी चेयरमन को उनकी ज़रूरत हो सकती है।

**बेरेस्ट** सुनो, बोशकरियोवा

**बोशकरियोवा** कृपया बीच मे मत टोकिए। वडी उत्तेजनात्मक बात है न ? जब वह तमाम चीजें इकट्ठा कर रहा था तो मैं दिमाग लडा रही थी कि आखिर मामला क्या है। इससे पहले मुझे आपने यहाँ कभी नहीं बुलाया है। तभी बडे रहस्यपूर्ण ढग से सेक्रेटरी ने कहा, "मैं आपसे कहता हूँ कि पीपुल्स कमिसार आ रहे है।" फिर तो मैं भी समझ गयी।

**बेरेस्ट** समझ गयी, सचमुच ?

**बोशकरियोवा** हाँ, हाँ। मैंने फौरन अपने सहायक को बुलाया और उसे आदेश दिया कि रिपोर्ट तैयार करे। रिपोर्ट की आम रूपरेखा मैंने उसे बता दी—कमोवेश मात्रा मे मैं जानती हू कि रिपोर्ट मे क्या चाहिए। तमाम मूल आँकडे तथा इसी तरह की दूसरी चीजे। ठीक है न ? इस सब को लाने मे मुझे थोडी देर हो गयी, लेकिन अब यह सब हाजिर है। *(अपना पोटफोलियो खोलती है)* डाक्टरो, नर्सों, मरीजो की तादाद के सम्बन्ध मे आपको जितने भी आँकडे चाहिए हो वे सब यहाँ हैं और हमारे नये बडे सेनीटोरियम से सम्बन्धित सारी सूचनाएँ भी इसमे हैं

**बेरेस्ट** अच्छा, अच्छा। अपने कागजो को अपने पास रखो। इनकी जरूरत नही है। इनके लिए नहीं मैंने तुम्हे बुलाया है। अच्छा यह बताओ तुम क्रेचेट को जानती हो, क्या ?

**बोशकरियोवा** क्रेचेट ? क्यो नही ! वह वही तेज सा लडका है न जिसे केन्द्रीय कमेटी ने भेजा था। मुझे अच्छी तरह याद है

**बेरेस्ट** अरे नही। तुम तो क्रेयुट की बात कर रही हो। मैं प्लेटन क्रेचेट के बारे मे पूछ रहा हूँ।

**बोशकरियोवा** नही उसके बारे मे तो कभी नही कुछ सुना।

**बेरेस्ट** तो शायद अपने डाक्टरो के बारे मे तुम कुछ बतला सकती हो। उनका क्या हाल है उनकी किस तरह प्रगति हो रही है, आम तौर से उनका काम-काज कैसा है ?

**बोशकरियोवा** म साफ-साफ कहूँ ?

**बेरेस्ट** बिल्कुल ।

**बोशकरियोवा** व सबके सब बहुत पिछड़े हुए लोग है । लेकिन मैं उन्हे ठीक कर रही हू । थोड़ ही दिन पहल मैंन एक अभियान सगठित किया था—उन सब का बाहर भेज दिया और कहा कि जाकर साव-जनिक पाखाना गदगी कीड-मकोडा आदि का चेक करो । समय ? अगर आपन सुना हाता कि उन लागा न कितना शार किया । कइया ने तो जान स इकार कर दिया और न० १ अस्पताल] का सजन मुझे उसका नाम भूल रहा है—हम लागा क खिलाफ बकन लगा । उसन जिन-जिन शब्दा का इस्तमाल किया उन्हे आप सुनत ता समझते । और प्रति क्रियावादी तत्वा न उसका समथन किया । लेकिन अकादमी पावलोविच न डाट डपटकर सबका ठीक कर दिया । उन्हान उनम बताया कि इस तरह की चीजा स वग-शत्रु का मदद मिलती है ।

**बेरेस्ट** वग शत्रु ? तुम यह क्या कही हो ?

**बोशकरियोवा** हाँ उस सजन ने साफ साफ मना कर दिया कि घर घर जाकर जाच पडताल करने का काम वह नहा करेगा । अपन सहायका का भी जान स उसन मना कर दिया । यह शत्रुतापूण काय नहीं तो और क्या है ।

**बेरेस्ट** तुम कभी अस्पतालो को देखने जाती हो ?

**बोशकरियोवा** अस्पताल ? सच-सच पूछ रहे है ?

**बेरेस्ट** हा सच सच ।

**बोशकरियोवा** ता सच बात यह है कि नहीं जाती । टाइम ही नही है । इस काम का करते मुझ पाँच महीने हो गय । इस दौरान सिफ एक बार वहाँ जा सकी । और वह भी तब गयी थी जब मुझे चाज लेना था । कह क्या—सारा दिन ता मेरा मीटिंगो और कान्फ्रेसो म चला जाता है । मुझे हर चीज के बारे म राय देनी पडती है—खासतौर से

आजकल जब कि स्वास्थ्य गृह बनाने का अभियान चल रहा है। अगर आप देखें कि मेरे आफिस म हर दिन किस तरह काम होता है! लोग मुझे क्षण भर भी शान्ति स नही बैठने देते। दवा-दारू का यह काम बहुत जटिल है, है न ?

**बेरेस्ट** हा, जरूर, निश्चय ही बहुत जटिल है। तुम्हारे प्रति मुझे हमदर्दी है। सनीटोरियम की योजना का तुमने देखा है ?

**बोशकरियोवा** सच-सच ?

**बेरेस्ट** हाँ।

**बोशकरियोवा** बहुत बढिया है। मैंने उस पर नजर डाल ली थी फिर अकादी से कहा था कि उसके सम्बन्ध म डाक्टरो की राय ले लें और हा

**बेरेस्ट** और तुमने उस पर दस्तखत कर दिये थे ?

**बोशकरियोवा** *हा, वह बहुत ही अच्छी योजना है। नहीं ?*

**बेरेस्ट** उसे पूरे तौर मे बदलना पडेगा।

**बोशकरियोवा** बदलना पडेगा। हो सकता है, लेकिन डाक्टरी के दृष्टिकोण से नही—इसका मुझे विश्वास है।

**बेरेस्ट** *तुम्हारे इस विश्वास का क्या आधार है ?*

**बोशकरियोवा** मैंने उसकी जाच पडताल कराने के लिए एक विशेषज्ञ कमेटी बना दी थी।

**बेरेस्ट** अस्पताल न० १ म हो क्या रहा है ? मैंने सुना है कि तुम उसे एक फक्टरी जैसा बनाये दे रही हो।

**बोशकरियोवा** हा, स्वास्थ्य की फैक्टरी। यह हम लोगो का अपना विचार है। हमे इस पर अभिमान है। आप देखिएगा, जल्दी ही सारा देश इसी की चर्चा स गूज उठेगा। हम उसे एक फैक्टरी की तरह चलाने जा रहे है। हमने शुरू किया है उन तमाम लोगो के खिलाफ संघर्ष से जो वहा काम करते हैं। अब हम उनसे घडी के मुताबिक काम

करवाते है। लोगा के इलाज के सम्बन्ध म हमने सावजनिक वहसें सगठित की। लोगो को हम डाक्टरा और नर्सो, आदि की आलोचना करने क लिए प्रोत्साहित करते है। एक वड पैमाने पर हम आत्म आलोचना विकसित कर रहे हैं। थोड दिन पहले, 'सजरी म भाववाद और "टुबरक्लोसिस का इलाज करने का द्वन्द्वात्मक तरीका पर अर्कादी पावलोविच ने एक बहुत ही बढिया भापण दिया था।

**बेरेस्ट** यह किसके दिमाग की उपज थी ?

**बोशकरियोवा** खुद अर्कादी के। वह बहुत ही योग्य आदमी है। उस अस्पताल मे उसने एकदम क्रान्ति कर दी है। आप देखते जाइये वह किस तेजी से तरक्की कर रहा है। मरी वात याद रखिएगा। पहलकदमी और नेतृत्व की उसकी जो शक्ति है उससे वह बहुत तरक्की करेगा। मैं उसे शहर के स्वास्थ्य विभाग म ट्रान्सफर करने की बा सोच रही हूँ।

**बेरेस्ट** अच्छा माफ करना, मुझे फौरन स्टेशन जाना है। वहाँ मुझे पीपुल्स कमिसार से मिलना है।

**बोशकरियोवा** ओफ। ओह।

**बेरेस्ट** तुमने कुछ कहा ?

**बोशकरियोवा** तो मरा खयाल सही था।

**बेरेस्ट** हाँ मुझ एक चीज और तुमसे पूछनी है। स्वास्थ्य विभाग म आन से पहले तुम क्या करती थी ?

**बोशकरियोवा** मैं मिठाई की एक फक्टरी की इन्चाज थी।

**बेरस्ट** तुम्ह अपना नया काम पसन्द है ?

**बोशकरियोवा** सच-सच ?

**बेरस्ट** हाँ।

**बोशकरियोवा** बहुत नहीं। बडा नीरस काम है। मिठाई की फक्टरी म वहीं अधिक मजा आता था। दवा-दारू का काम बडा विकट

है। आप तो जानते है। मेरे यहाँ आने मे पहले चार डायरेक्टर यहाँ से हटाये जा चुके थे।

**बेरेस्ट** तुम्हे काम करते कितने दिन हो गये ?

**बोशकरियोवा** ओह काफी टाइम हो गया। चार महीने से ज्यादा बीत गये। मैं एक घोडे की तरह काम करती हूँ। हर चीज को नोट करती हूँ, लेकिन समय यो ही बीत जाता है पता ही नही चलता, और अब मेरी उम्र घट तो रही नही है ! सुनिए बरेस्ट आप मुझे एक कार क्या नही दिला देते। कार के बिना मैं उतनी तेजी से काम नही कर पाती जितनी से करना चाहिए। मैं कार खुद चला लेती हूँ। मिठाई की फैक्टरी मे काम करते समय तीन महीने मे मैंने उसे सीख लिया था। वहाँ मेरे पास टीन की वह रद्दी लिजी गाडी थी, लेकिन मैं उसे ठीक रखती थी।

**बेरेस्ट** अच्छा तो तुम मोटर चला सकती हो ?

**बोशकरियोवा** हा, और मैं उसकी मरम्मत और देखभाल भी कर सकती हूँ। आप जानते है मैं सचमुच क्या चाहती हूँ ?

**बेरेस्ट** नही क्या चाहती हो ?

**बोशकरियोवा** मैं अपनी खुद की एक गाडी रखना चाहती हूँ। किसी भी गाडी से काम चल जायगा, छोटी "गाज' हो, या वैसी ही कोई और गाडी।

**बेरेस्ट** मुझको भी लगता है कि तुम ड्राइवरी का काम फस्ट क्लास करोगी।

**बोशकरियोवा** यकीन मानिए शहर मे सबसे अच्छा।

**बरेस्ट** इसके बारे मे मुझे सोचना पडेगा।

**बोशकरियोवा** कृपया अवश्य सोचिए।

**बेरेस्ट** जरूर सोचूगा।

**बोशकरियोवा** बहुत-बहुत धन्यवाद, कामरेड बेरेस्ट। मैं जानती थी कि आप मेरी दिक्कत को जरूर समझेंगे।

**बेरेस्ट (उसे एक सिगरेट देते हुए)** तुम्हारा अनुमान गलत नहीं था। (टेलीफोन उठाता है) तीन सौ सोलह प्लीज़। इवानोविच? मैं बेरेस्ट हूँ। प्रिसीडियम की मीटिंग २५ तारीख को है। हम लोग शहर के स्वास्थ्य विभाग के बारे में विचार करेंगे। बोशकरियोवा रिपोर्ट देगी क्या? एजेण्डा पूरा हो गया? दूसरे बड़े बड़े सवाल हैं? हाँ हाँ, वह सब मैं जानता हूँ। ठीक है स्वास्थ्य विभाग को एजेण्डा के एकदम शुरू में रख दो। रिपोर्ट का मसौदा तैयार करो और देखो अगर तुम्हें

**बोशकरियोवा (मोटी आवाज में धीरे से)** वहाँ एक छोटी-सी "गाज" मिल जाय

**बेरेस्ट (बात को जारी रखते हुए)** कहीं कोई मुनासिब उम्मीदवार मिल जाय। कोई पार्टी मेम्बर हो। अच्छा हो अगर वह कोई डाक्टर हो जो इस काम को जानता हो। कामरेड बोशकरियोवा इस्तीफा दे रही है। यह काम इनके लिए बहुत भारी पड़ता है। मैं इनकी तारीफ करता हूँ कि इन्होंने इस बात को साफ-साफ बता दिया। हमें इनकी मदद करनी चाहिए।

**बोशकरियोवा** क्या? अरे, सुनिए तो

**बेरेस्ट** हाँ (टेलीफोन रखता है) तुम्हारे योग्य हम कोई और अच्छा काम ढूंढ निकालेंगे। सचमुच कोई अच्छा काम—दवा-दारू के इस धन्धे में नहीं। जैसा कि तुम कह रही थी दवा दारू का काम बहुत जटिल काम है। (अन्दर के कमरे की तरफ घूमकर) माया, माया!

[माया आती है।]

मैं बाहर जा रहा हूँ। अभी एक कामरेड यहाँ आयेंगे। वास्या

उह जायगा। जब तक मैं आ न जाऊँ तुम उनकी देखभाल करना। ठीक है न ? (उसे प्यार करता है) उनसे कह देना कि मैं बहुत देर नहीं लगाऊँगा।

**माया** ऑलराइट, पापा। लेकिन बहुत दर न करना।

**बेरेस्ट** (**बोशकरियोवा से**) चलती हो ?

**बोशकरियोवा** हाँ क्या कहा ?

**बेरेस्ट** चलती हो तो मैं तुम्हें पहुँचा दूगा।

**बोशकरियोवा** (**खडी होती है तो उसका पोटफोलियो गिर जाता है और उसके अन्दर का तमाम सामान फ़र्श पर फल जाता है**) नहीं। मुझे दूसरी तरफ जाना है।

**बेरेस्ट** बहुत अच्छा, तब फिर गुडबाई। मैं जाऊँ, नहीं तो देर हो जायेगी। कल मेरे आफिस आ जाना। वहाँ हम इस विषय मे और बातें करग। (**चला जाता है**)

**बोशकरियोवा** (**कागज़ों को बटोरते हुए**) यह भी खूब रहा! पहले कार देने का वादा करते है और फिर निश्चय ही किसी ने इनसे शिकायत की है! बस यही बात होगी ? किसने शिकायत की होगी ? श्रेंचेट के बारे मे पूछ रहे थे। हो सकता है उसी ने बकवास की हो ? नहीं। फिर अकादी ने कुछ कहा होगा ? मैं उसस निपट लूगी मैं एक रिपोर्ट तैयार करूँगी मैं उन्हें दिखला दूगी

**माया** किनको दिखला दोगी, आण्टी ?

**बोशकरियोवा** किसका किसका ? तुम्हारा नाम क्या है ?

**माया** माया।

**बोशकरियोवा** माया ! सच्ची बात यह है माया कि तुमने एकदम सही बात कह दी। किसको दिखला दूगी—कोई है ही नहीं जिसको मैं दिखला दू ? बेहतर यही है कि वे मुझे इस काम से हटा दें। ग़लती मेरी ही है कि इस काम को करन के लिए मैं तयार हो गयी थी। मरा

खयाल था कि साधारण प्रबन्ध करने का काम होगा लेकिन चिकित्सा का यह काम बहुत उलझा हुआ काम है, समझी माया ? जब तुम बडी हो जाओगी तब खुद देखोगी। स्वास्थ्य विभाग चलाने के लिए चिकित्सा के बारे मे कुछ जानकारी रखनी होती है—इसका पता मुझे अब चला। कोई रास्ता नही है, जियो और सीखो। अच्छा माया, मै चली। (जाती है)

**माया** टा टा (अपनी किताब उठाकर पढने लगती है) "युग के नगाडे बज रहे है, धमाधम धम धम। युग के नगाडे बजते जा रहे है।

[प्लेटन क्रेचेट आते हैं।]

**क्रेचेट** गुडआफ्टरनून।

**माया** (दौडकर मेज के पास जाती है, अपने पिता की कुर्सी पर बैठ जाती है और एक बडे आदमी की तरह शक्ल बनाकर कहती है) गुड आफ्टरनून, कामरेड। कृपाकर बैठ जाइये। कामरेड बेरेस्ट आते ही होंगे। वे कह गये हैं कि आप उनके लिए इन्तजार करें। (मेज पर रखे कागजों को उलट-पुलट कर देखती है।)

**प्लेटन** थैंक्यू। क्या मैं पूछ सकता हूँ कि आप कौन है ?

**माया** मेरा नाम माया बेरेस्ट है। आपका शुभ नाम क्या है ?

**प्लेटन** प्लेटन।

**माया** प्लेटन कैसा अजब नाम है क्या आप कभी "पायनियर"* बने थे ?

**प्लेटन** नही, कभी नहीं।

**माया** कितने अफसोस की बात है। अच्छा, आप चाय पियेंगे ? मैं ही मेजबान हूँ। मैं आप के लिए चाय बना सकती हू।

**प्लेटन** आपकी माताजी कहा हैं ?

---

* बच्चों के कम्युनिस्ट संघ के सदस्य।—सं०

**माया** वहाँ। (**मेज पर रखी एक तस्वीर की तरफ इशारा करती है**) उन्हें मरे बहुत दिन हो गये। और कात्या की आज छुट्टी है। इस लिए मैं ही घर की इन्चाज हूँ।

**प्लेटन** थक्यू। मुझे चाय पीने की इच्छा नहीं है (**किताबों की आलमारी को देखने लगता है**)

**माया** (**उसके पास जाकर**) य किताबें पापा की और मेरी हैं।

*[खामोशी।]*

आप कुछ बोलते क्या नहीं ?

**प्लेटन** किसके बारे मे ?

**माया** ओह ! साफ मालूम हो जाता है कि आप कभी तरुण पायनियर नहीं बने थे। आप मे फुर्ती तो बिल्कुल है ही नहीं आप कुछ करते है ?

[लीडा अन्दर आती है।]

ओह हैलो, लीडा काकी ! (**उसके पास दौड जाती है।**)

[**लीडा रुखाई से प्लेटन की तरफ़ देखती है और माया को प्यार करती है।**]

**माया** पापा जल्दी ही आयेंगे। आज मजबान मैं हूँ। आइये, आप लोगों का परिचय करा दू। (**लीडा को घसीट कर प्लेटन के पास ले जाती है**) यह कामरेड प्लेटन हैं। आइये और हाथ मिलाइये। यह इतने सुस्त है। आइये, आइये।

**लीडा** रहने दो, माया। हम लोगों की मुलाकात पहले हो चुकी है।

**माया** कामरेड प्लेटन आइये, यहाँ बठिए। मैं आपको एक कविता सुनाऊँगी।

**प्लेटन** सुनाओ, मुझे यहाँ से सुनाई देगी।

**माया** (उसके पास जाकर) क्या लीडा काकी आपको अच्छी नही लगती ? नही ? बताइये ? अगर अच्छी लगती हैं तो चुपके स मेरे कान मे कह दीजिए।

**लीडा** माया, इधर आओ।

**माया** अभी आयी (धीरे से प्लेटन के कान मे) आपको अच्छी लगती हैं न ? हैं न ? (जोरों से सिर हिलाती है।)

[क्रेचेट सिर हिलाकर स्वीकृति जाहिर करता है। माया दौड़कर लीडा के पास जाती है और उसके कान मे कहती है।]

प्लेटन अकिल को आप अच्छी लगती ह। बस दोप यह है कि इनम फुर्ती जरा भी नही है। आप जाइय और उनम बात कीजिए (रेडियो चालू कर देती है।) अब आप दाना सगीत सुनिए और बातें कीजिए, मैं जाकर आप के लिए चाय वनाती हू। (दौडकर चली जाती है)

[एक लम्बी खामोशी।]

**लीडा** कामरड क्रेचट, क्या आप मुझे यह बतान की कृपा करेंगे कि आज मुझे अपने पिता स क्या नहीं मिलने दिया गया ?

**प्लेटन** क्योकि आज मिलना नियम क विरुद्ध होता। मिलने क खास दिन नियत हैं।

**लीडा** नियम मैंने अन्दर पर्चा भेजा और पूरे एक घटे तक बाहर फाटक पर खडी इन्तजार करती रही। किसी न जवाव तक भेजने की शिष्टता नही दिखलायी। आपके अस्पताल म क्या इसी तरह के नियम है ? या आपके स्टाफ को कोई खास ट्रेनिंग दी जाती है ?

**प्लेटन** उन्ह बहुत अच्छी ट्रेनिंग दी जाती है।

**लीडा** इसे सुनकर मुझे उवकाई आती है।

**प्लेटन** धन्यवाद।

**लीडा** बहुत अच्छा।

[एक लम्बी खामोशी।]

**प्लेटन** लीडा, मुझे यह बतलाओ

**लीडा (उसकी बात को काटकर)** डाक्टर आप मुझसे कोई सवाल मत पूछिए। मैं आपको सलाह दूंगी कि कामरेड बेरेस्ट के आने से पहले आप अच्छी तरह सोच लें कि आप क्या कहने जा रहे हैं, क्योंकि इस बार मेरे पीठ पीछे नहीं, हर चीज आपको मेरे सामने कहनी पड़ेगी। मैं आपको सावधान किये देती हूँ कि मैं भी चिकनी चुपड़ी बात करने की आदी नहीं। इसे आप खुद अभी देखेंगे।

**प्लेटन** दुर्भाग्य से, कामरेड बेरेस्ट से मुझे दर्खास्त करनी पड़ेगी कि हमारी आज की *बातचीत स्थगित कर दी जाय।*

**लीडा** आ हा तो आप पीछे हटने लगे

**प्लेटन** लीडा, पीछे हटने के लिए तो आदमी को सिर्फ दुश्मन ही मजबूर कर सकता है, लेकिन तुम तो मेरे लिए

**लीडा (कठोरता से)** मैं क्या हूँ आपके लिए?

**प्लेटन** मैं सिर्फ तुम्हारी सहायता करना चाहता हूँ, बस तुम्हारा डिज़ाइन बहुत रूखा है। धूप को वह एकदम काट देता है।

**लीडा** तो आप डिज़ाइन को खत्म करा देना चाहते हैं? आप को उसकी पूरी शैली ही आपत्तिजनक लगती है?

**प्लेटन** हरगिज़ नहीं। मैं तो सिर्फ यह चाहता हूँ कि उसमें धूप का और ज़्यादा इस्तेमाल किया जाए। शायद इसे एक ऐसी वृत्ताकार रंगशाला के रूप में बनाना ज़्यादा अच्छा होगा जिसका सामना सूरज की ओर हो। स्थापत्य कला की शैलियों के बारे में मैं अधिक नहीं जानता, लेकिन मैं यह ज़रूर सोचता हूँ कि तुम्हारी कला से मानव जीवन को लम्बा बनाने की हमारी कोशिश को मदद मिलनी चाहिए।

**लीडा** किस तरह?

**प्लेटन** सबसे पहले तो यह तै करके कि उसे छोटा नहीं करना

है। अपनी योजना का डिज़ाइन बनाते समय तुम्हें इस बात का अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए था कि सेनीटोरियम की हर रेखा, उसका हर कोण इस तरह से बने कि उसकी वजह से उसके अन्दर रहने वालों को अधिक से अधिक धूप और रोशनी मिल सके क्योंकि धूप और रोशनी का मतलब उल्लास और खुशी होता है। और तुमने उसके लिए जगह भी कैसी चुनी है—एक गली में! सोचो तो वहाँ कितनी सीलन होगी।

**लीडा** लेकिन यह तो इसलिए करना पड़ा था कि पार्क वहाँ जाकर नदी में मिल जाता है। (उसके पास जाकर और अपने डिज़ाइन को खोलकर सामने रखते हुए) नदी को तो मैं ढकेल कर दक्खिन की तरफ हटा नहीं दे सकती थी, हटा सकती थी?

[**बेरेस्ट आ जाते हैं।**]

**बेरेस्ट** इतनी देर तक इन्तजार कराने के लिए आप लोग माफ कीजिए। मैं पीपुल्स कमिसार से मिलने गया था, लेकिन मालूम होता है कि कल सवेरे से पहले वह यहाँ नहीं आयेंगे। आप, लगता है कि, आप लोगों में समझौता हो गया। मैं जानता था कि ऐसा ही होगा। लीडा गुस्सैल हो सकती है—देखा था न आपने उसकी आँखें किस तरह लाल लाल हो उठी थीं!—लेकिन वह तो सिर्फ जोश और तरुणाई की निशानी है। है न लीडा?

**लीडा** (**रुखाई से**) अगर आप बुरा न मानें तो इसके बारे में मैं कुछ नहीं कहना पसन्द करूँगी। तो अब हम लोग काम की बात शुरू करें?

[**माया दौड़ती हुई आती है। उसके सारे शरीर पर आटा लगा है। बेरेस्ट को देखकर रास्ते में ही ठिठक जाती है।**]

**बेरेस्ट** माया, तुम क्या कर रही हो! इधर चलो, आओ!

**माया** इन लोगो की चाय के लिए मैं कुछ बिस्किट बनान चाहती थी। आज मैं मेजबान हूँ न ! तुमने खुद मुझसे कहा था। लीड आ ट, चलिए, जरा देखिए तो क्या गडबडी है। चौका धुएँ से भ गया है। (अपनी आँखें मलते हुए) मेरी आँखो मे भी धुआ भर गया है

**बेरेस्ट** लीडा, महरबानी करक जाओ और देखो तो इसने क्य कर दिया है। किसी दिन यह सारा घर ही जला देगी।

**लीडा** आह ! नही बिल्ली, तूने क्या कर दिया है ! चल, मे साथ।

[लीडा और माया चली जाती हैं।]

**बेरेस्ट** गह निर्माण कला पर मैं एक किताब ले आया था। बहुत मनारजक है। मैंने चीफ इजीनियर की खबर लेनी शुरू कर दी है। व सब एकदम दकियानूसी हैं। लीडा ने खुद अपनी एक शैली विकसित की है लकिन उसम अभी जान की कमी है। उष्णता नही है। रेखाएँ उसम बहुत सी है किन्तु सार बहुत कम है। कल्पना की भारी कमी है। निर्माण करना तो यूनानी जानते थ। इसे देखो इन लोगा से हम बहुत सीख सकते है

**प्लेटन** यूनानी मनुष्य से प्रेम करते थे। मानव स्वरूप का सबस पहले उ्हीन अध्ययन किया था कामरेड बेरेस्ट, मैं आपसे यह दरखास्त करने आया था कि आज की हमारी कान्फ्रेंस स्थगित कर दें। आज मेरी तबियत ठीक नही है।

**बेरेस्ट** हाँ, तुम आज ठीक नही लगत। क्या हुआ है ?

**प्लेटन** एक बहुत सख्त केस आ गया है। दा दिनो के अन्दर दुबारा आपरेशन करना पडा है। और

**बेरेस्ट** मरीज़ मर गया ?

**प्लेटन** नही लेकिन मौत का मैं सिफ दो ही तीन दिन पीछे ढकेल सका हूँ उनका दिल आप जानते हैं, उनका दिल बहुत

कमजोर है। उम्र उनकी सिर्फ पचास है किन्तु उनके दिल और उनके शरीर की आम दशा उनसे दुगुनी उम्र के आदमी जैसी है।

**बेरेस्ट** वह हैं कौन ?

**प्लेटन** लीडा के पिता।

**बेरेस्ट** लीडा वह जानती है ?

**प्लेटन** नहीं, और उसे जानना भी नही चाहिए। वह बहुत घबडा जायगी।

**बेरेस्ट** लेकिन अगर वह मरने जा रहे हैं तो शायद यही अच्छा होगा कि उसे बतला दिया जाय ?

**प्लेटन** बल उनकी उम्र से लडने की, मौत को छलने की एक और अन्तिम कोशिश मैं करूँगा।

**बेरेस्ट** वद्धावस्था, मृत्यु कामरेड क्रचेट, वृद्धावस्था मौत से भी बदतर होती है है न ? मुझे मृत्यु से कभी डर नही लगा। और मुझे विश्वास है कि जब वह आयेगी तो शान्त भाव से मैं उसका सामना कर लूगा। दरअसल, लडाई के मोर्चों पर कई ऐसे मौके आये भी थे पर वृद्धावस्था तो चीज ही दूसरी है। जब थका हुआ दिल फेल होने लगता है और ऐसा लगता है कि पूरे देश की भी हवा तुम्हारे लिए काफी नहीं है वह बहुत भयानक दुश्मन है ! उससे लडने म तुम लोगो को मदद करनी चाहिए।

**प्लेटन** मृत्यु पर विजय मनुष्य ने अभी तक नही पायी है, किन्तु अकाल मृत्यु, अकाल वृद्धावस्था को रोका जा सकता है और इन्हे रोका जाना चाहिए। जीवन का वियाम जब सामान्य होता है और भूत का वियाजन (विघटन) स्वाभाविक क्रम मे होता है तो मृत्यु का भय मिट जाता है और मनुष्य शान्त भाव से अपने अन्त की प्रतीक्षा करता है। किन्तु ऐसा विरले ही होता है। हमारे बीच अब भी न जाने कितने बबर लोग हैं जो अपने स्वास्थ्य की, अपनी सबसे मूल्यवान सम्पत्ति की

निलज्जतापूवक उपेक्षा करते हैं, और स्वयम् अपने आपको अकाल वृद्धावस्था के अक मे फॅक देते हैं। पुराने जारशाही रूस मे यह बात समझी जा सकती थी। क्या आपको मालूम है कि १६१६ म स्त्रियो का औसत जीवन-काल ३३ ६ वप था और मर्दो का केवल ३१ ६ वप ? तब ऐसी ही परिस्थितियाँ थी।

**बेरेस्ट** ३१ वप मद के लिए, ३३ वप औरत के लिए! जार शाही की इससे भयकर टीका और क्या हो सकती है!!

**प्लेटन** १० लाख साल से *मानव-जाति का सूय के प्रकाश स* वचित कर रखा गया है। हम मनुष्य को फिर उसका सूय लौटा रह हैं। इतिहास मे पहली बार, मृत्यु को हमारे देश म पीछे हटना पड रहा है। और, कामरेड बेरेस्ट, मुझे पक्का विश्वास है कि वह दिन दूर नही जब अकाल वृद्धावस्था को हम हमेशा के लिए समाप्त कर देंगे। मृत्यु के मुँह से हम समय को छीन लायेंगे और भावी पीढिया का सूय के प्रकाश से दीप्त लाखो दिन फिर लौटा देंगे।

**बेरेस्ट** सूय के प्रकाश से दीप्त लाखो दिन! उन पुराने बोल्शेविको की यादगार मे, जो सूय का प्रकाश लाने की लडाई म नष्ट हो गये हैं—वही सबसे मानवी स्मारक होगा

[**शोफर वास्या आता है।**]

**वास्या** पावेल सेमियोनोविच, मैं मोटर वापिस रख आऊँ ?

**बेरेस्ट** नही, पहले कामरेड क्रेचेट को घर छोड आओ। नही, नहीं, जरा रुको, मेरे दिमाग मे एक और अच्छा विचार आया है वास्या, मोटर मे पेट्रोल अच्छी तरह भर लो। हम लोग शहर के बाहर घूमने जायेंगे।

**वास्या** बहुत अच्छा। पिछली बार की तरह हम लोग गाडी का तेज चलाने का भी कुछ अभ्यास करेंगे ?

बेरेस्ट   हाँ।

[वास्या जाता है।]

कामरेड क्रेचेट, क्या तुम देहात मे मोटर से घूमने चलना पसन्द करोगे ? मैं एक बहुत बढ़िया सडक जानता हूँ जो जगलो के बीच मे जाती है। उस पर हम सौ किलोमीटर की रफ्तार से चलेंगे। किसी सुन्दर स्त्री के चुम्बन की तरह शीतल, सौरभमय हवा तुम्हारे कानो को गुदगुदायेगी। साथ मे हम लीडा और माया को भी ले लेंगे। फिर किसी पुराने ओक के दरख्त के नीचे रुककर वहाँ गायेंगे। (उक्रा इनी गीत "नीपर" की प्रारम्भिक पक्तियाँ गुनगुनाता है) अरे, लीडा, माया, तुम लोग कहा हो ? (क्रेचेट से) तो तुम चलोगे न ?

प्लेटन   शुक्रिया, कामरेड। आपके साथ चलने म मुझे बहुत खुशी होगी।

बेरेस्ट   मुझे लगता है कि शायद तुम यह भी भूल गये होगे कि जगलो और खेतो मे कैसा आनन्द आता है।

प्लेटन   हाँ, वर्षों से मैं कही बाहर नही गया।

बेरेस्ट   यह तो बिल्कुल बबरता है, कामरेड क्रेचेट। मैं जानता हूँ कि बाहर घूमने की हमारी पार्टियाँ अक्सर कैसे सगठित की जाती हैं। कुछ लोग ट्रेड यूनियन वालो के पीछे पड जाते हैं, सास्कृतिक विभाग फिर तैयारियो मे जुट जाता है, दो हफ्ते तक तैयारी की मीटिंगें और कान्फ्रेन्सें चलती रहती है और तब कही वह महान दिन आता है जब सारी फैक्टरी दिन भर के लिए जगल की हवा खाने जाती है। इसके बाद फिर अगले दो महीने तक सास्कृतिक विभाग फैक्टरी की इस पिक-निक के बारे मे अखबारो म लेख लिखता रहता है, दूसरी फैक्टरियो का प्रतियोगिता के लिए चुनौती देता है, और फिर अगले वसन्त तक के लिए या तब तक के लिए जब तक कि कोई फिर न उसके सिर पर ऐसी ही पार्टी सगठित करने के लिए सवार हो वह खामोश होकर बैठ जाता

है।    हाँ, तुम ठीक कहते हो। अपने स्वास्थ्य की हम लोग अब भी एकदम जंगली तरीके से उपेक्षा करते हैं।

[लीडा और माया आ जाती हैं। माया के हाथ में ताजे बिस्किटों की प्लेट है।]

**लीडा** माया आप लोगों के चखने के लिए कुछ बना लायी है।

**बेरेस्ट** बहुत अच्छा माया, लेकिन हम इन्हें बाद में चखेंगे। लीडा, मैं शहर से बाहर मोटर पर घूमने जा रहा हूँ, तुम्हें और कामरेड क्रेचेट को मैंने अपने साथ चलने के लिए आमंत्रित किया है। मेरा ख्याल है कि हमें कुछ ताजी हवा की जरूरत है।

**लीडा** लेकिन हमारी कान्फ्रेंस का क्या हुआ ?

**बेरेस्ट** उसे हम खुली हवा में कर सकते हैं। कल से तुम चीफ इंजीनियर के साथ काम शुरू कर दे सकती हो।

**लीडा** शुक्रिया, लेकिन मैं आपके साथ न चल सकूँगी।

**बेरेस्ट** लीडा, क्या तुम मुझे निराश करोगी ? तुम तो जानती हो कि मैं कैसा एक पुराना असहाय विधुर हूँ ! तुम नहीं आओगी तो पिकनिक का इन्तजाम कौन करेगा ? माया अकेले कुछ नहीं कर पायेगी !

**माया** आन्टी लीडा, चलो न !

**लीडा** आप इस तरह कहते हैं तो बात दूसरी है

**बेरेस्ट** देखा न, मैं जानता था कि तुम मुझे निराश नहीं करोगी। अलमारी में शराब की एक बोतल तथा सैन्डविचों का सामान रखा है। उसे ले लो। माया, जाओ लीडा को अलमारी बता दो।

[लीडा और माया अन्दर जाती हैं।]

क्या तुम वोदका पीना चाहोगे ?

**प्लेटन** नहीं, मैं वोद्का नहीं पीता।

**बेरेस्ट** हाँ, हाँ, माफ करना। मैं भूल गया था। तुम तो डाक्टर हो। तुम तो शायद शुद्ध अल्कोहल* पान होगे क्या?

**प्लेटन** दुर्भाग्य से हम मजन लोग किसी भी रूप में अल्कोहल नहीं पी सकते। दूसरे डाक्टरों की बात दूसरी है—उन्हें सिर्फ मरीज़ की जाँच-पड़ताल करके उसे कोई दवा बतला देनी पड़ती है। उसके बाद सब कुछ मरीज़ को ही करना पड़ता है। आप जानते हैं, हर कार्य का अपना फल होता है। लेकिन एक प्राच्य देश में इसका उल्टा ही होता है, वहाँ फल के पीछे कार्य चलता है—किसी मरीज़ की मृत्यु हो जाने पर मुख्य दुःखकर्त्ता वहाँ उसका डाक्टर होता है।

**बेरेस्ट** यह बहुत बढ़िया चीज़ है! 'कारण' अपने "कार्य' के पीछे पीछे सिर झुकाये चल रहा है अपने कुछ डाक्टरों के लिए हम भी इसी व्यवस्था को लागू कर देना चाहिए।

*[एकदम से अर्कादी अन्दर आ जाता है]*

**अर्कादी** माफ कीजिएगा, कामरेड बेरेस्ट, मुझे आपसे कुछ ज़रूरी बात करनी है।

**बेरेस्ट** बैठ जाओ, अर्कादी। क्या बात है, तुम बिल्कुल हाँफ रहे हो।

**अर्कादी** मैं डर रहा था कि कहीं ऐसा न हो कि आप बाहर निकल जायें और मैं मिल न सकूं।

*[लीडा और माया कमरे में आ जाती हैं। लीडा के हाथ में शराब की एक बोतल है।]*

**लीडा** आप इसी बोतल की बात कर रहे थे, या (अर्कादी को देखकर एकदम ख़ामोश हो जाती है)

---

* मद सार।—म०

**अर्कादी** लीडा (उसके पास जाकर) तुम यहाँ हो ? अपनी योजना के सम्बन्ध में तुमने बात कर ली ?

**लीडा (परेशान हालत में)** हाँ, हाँ, लेकिन अभी बात पूरी नहीं हुई।

**बेरेस्ट** क्या बात है अर्कादी ?

**अर्कादी** मैं आपसे अकेले में कुछ बात करना चाहता हूँ।

**बेरेस्ट** लेकिन देखो, मैं तो फौरन बाहर जा रहा हूँ।

**अर्कादी** मैं सिर्फ कुछ ही मिनट के लिए आपको रोकूँगा।

**बेरेस्ट** अच्छा आओ। (दूसरों से) तुम लोग मोटर में बैठकर मेरा इन्तजार करो। मैं अभी आता हूँ।

**[प्लेटन, लीडा और माया चली जाती हैं।]**

हाँ, बोलो अर्कादी ?

**अर्कादी** मुझे आपसे जो बात कहनी है उसका एक ऐसे आदमी से सम्बन्ध है जिसने अपनी सारी इज्जत मिट्टी में मिला दी है। इस आदमी को आप अपने घर पर बुलाते हैं और जाहिर है कि उस पर आपका विश्वास भी है।

**बेरेस्ट** *तुम्हारा मतलब किससे है ?*

**अर्कादी** सजन क्रैचेट से। मुझे अफसोस है कि मैं आपको पहले ही आगाह नहीं कर सका था। असल बात यह है कि कामरेड क्रैचेट

**बेरेस्ट (उसकी बात को बीच में काटते हुए)** यह तो कोई बहुत गम्भीर मामला मालूम होता है। चेतावनी के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया अर्कादी, लेकिन इस वक्त ऐसी कोई महत्त्वपूर्ण सूचना सुनने के लिए मेरे पास समय नहीं है। तुम कल आ जाना और तब इसके बारे में सब कुछ बता देना। *अच्छा तो मैं चलूँ मैं कल तुम्हारा इन्तजार* करूँगा। लो यह रूमाल ले लो—यह बिल्कुल साफ है—और अपना

चेहरा पोछ लो। तुम्हारा सारा चेहरा पसीना पसीना हो रहा है। ऐसी हालत में अगर तुम बाहर गये तो तुम्हें जुकाम हो जायेगा। तुम्हें अपनी तन्दुरुस्ती की देखभाल करनी चाहिए। वास्तव में, अपनी तन्दुरुस्ती के सम्बन्ध में हम लोगों का रुख कितना बर्बर है! आओ, अपना मुँह अच्छी तरह पोछ डालो।

**अर्कादी** (यान्त्रिक ढंग से आज्ञा पालन करते हुए) शुक्रिया। (अपने चेहरे को पोछते हुए) मुझे अफसोस है कि आपको फौरन जाना है। क्या लीडा भी आपके साथ जा रही है?

**बेरेस्ट** अवश्य। हम अपनी रहम पूरी करनी है न! और यह वहम भी कैसी जबर्दस्त है! अच्छा रूमाल का काम हो गया? ठीक अब तुम्हें कोई खतरा नहीं है गुड बाई। मेरी सलाह मानो—इस तरह की जल्दी कभी न किया करो। तन्दुरुस्ती के लिए यह बहुत खराब होती है।

[अर्कादी जाता है।]

(मुस्कुराते हुए उसकी ओर देखकर) हम लोगों में अब भी कितनी बर्बरता भरी हुई है!

पर्दा गिरता है।

*

## दृश्य २

[क्रेचेट का घर]

स्त्योपा (उत्तेजित अवस्था मे) वाल्या, देखती हो अब वह किस तिकडम म है ?

वाल्या तुम बताओ। मुझे कुछ नही मालूम। मुझे तो डर लगता है।

स्त्योपा मैं सेक्रेटरी से मिलने गया था, लेकिन वह काम म लगे हुए थे। इसलिए मैं वेटिंग रूम म बठ गया। मैं दरवाज़े के नज़दीक था। वहा से मुझे अर्कादी की आवाज़ सुनाई दी। वह कह रहा था, क्रेचेट के इन प्रयोगो को हम बन्द करना पडेगा। उनकी वजह स हमारे अस्पताल की कितनी बदनामी हो रही है। दो दो आपरेशना के बाद भी इजीनियर कोवाल की मत्यु हो जाना

वाल्या तो वे मर गये ?

स्त्योपा हाँ दो घटे हुए। तुम तो जानती हो कि प्लेटन न उनको बचाने के लिए कितनी सरत मेहनत की थी। लेकिन हर चीज की एक सीमा होती है।

वाल्या फिर क्या हुआ ?

स्त्योपा मुझे बस इतना ही सुनाई पडा था। उसके बाद कुछ लोग आ गये और उन्होने शोर करना शुरू कर दिया तो मैं वहाँ स चला आया।

वाल्या हमे तुरन्त प्लेटन को सूचित कर देना चाहिए। मरा खयाल है कि उन्हें इसके बारे म कोई जानकारी नही है।

स्त्योपा　वे कहाँ गये हैं ?

[अर्कादी का प्रवेश]

अर्कादी　क्या प्लेटन इवानोविच यहाँ हैं ?

वाल्या　नहीं, यहाँ नहीं हैं। क्या बात है ?

अर्कादी　मुझे उनसे फौरन मिलना है (बैठ जाता है) ओफ ! यहाँ कितनी घुटन है　मैं तो बिल्कुल थक गया हूं।

स्त्योपा　आप बहुत सख्त मेहनत करते हैं।

अर्कादी　करूँ क्या ! मेरा जमा स्टाफ है उस लेवर में और कर ही क्या सकता हूँ !

वाल्या　इस तारीफ के लिए धन्यवाद !

अर्कादी　इसे कहने की जरूरत नहीं।

स्त्योपा　हम लोग कोशिश करेंगे कि आपको अब और अधिक दिनों तक जरूरत से ज्यादा काम न करना पड़े।

अर्कादी　यह आप लोग किस तरह करेंगे ?

वाल्या　जल्दी ही आपको नये डाक्टरों की तलाश करनी पड़ेगी।

अर्कादी　इसकी मुझे रत्तीभर भी फिक्र नहीं ! तुम लोगों की तरह के डाक्टरों की कमी नहीं है। लेकिन, क्या मैं पूछ सकता हूँ कि तुम्हारी शिकायत क्या है ?

वाल्या　हमारी शिकायत आप से है !

अर्कादी　मुझसे ?

वाल्या　हाँ।

अर्कादी　हाँ, मैं जानता हूँ कि तुम लोगों को अनुशासन पसन्द नहीं आता।

वाल्या　जी नहीं, अनुशासन मानने में मुझे कोई दिक्कत नहीं होती, लेकिन ऐसे लोगों के साथ काम करने में मुझे जरूर कठि

नोटबुक निकालता है) मैं सिर्फ २० मिनट निकाल सकता हूँ, इससे ज़्यादा नहीं।

अर्कादी बहुत जगह जाना है ?

तिरेन्ती ओसिपोविच कोई ठिकाना नहीं अभी ६ जगह और जाकर मरीज़ों को देखना है और वे सब शहर के अलग-अलग भागों में हैं! सब मिलाकर कम से कम ८ किलोमीटर की दौड़ है! अर्कादी पावलोविच, मेरे इस पेशे में आदमी की टाँगें भी जोड़ी अच्छी होनी चाहिए। मैं जानता हूँ कि मेरी जोड़ी बहुत मज़बूत नहीं लगती, लेकिन वह काम देती है। वह जो बढ़िया मोटरें आती हैं उनसे मेरी ये टाँगें किसी तरह कम नहीं हैं। उसे क्या कहते हैं—उस बढ़िया-सी चीज़ को जिसे मैंने राजधानी में देखा था ? 'लिंकन", हाँ यही नाम है। मेरी दाहिनी टाँग किसी लिंकन" जैसी ही अच्छी है, लेकिन मेरी बायीं टाँग इतनी अच्छी नहीं है। ख़ास तौर से शाम के वक्त वह उतना काम नहीं देती। यह कुछ कुछ उन छोटी फोर्ड गाड़ियों की तरह है। तो देखो, मेरे पास सफ़र के लिए पूरा अपना गराज है!

अर्कादी ख़ुद के अपने गराज में बढ़िया कोई चीज़ नहीं होती। अच्छा तिरेन्ती ओसिपोविच, मैं आप से कुछ गम्भीर बात करना चाहता हूँ।

तिरेन्ती ओसिपोविच तो शुरू करो।

अर्कादी आपका ध्यान क्या इस चीज़ की तरफ गया है कि हाल में क्रेवेट के ऑपरेशनों के बाद मौतें कितने लोगों की हो गयी हैं ?

तिरेन्ती ओसिपोविच ऐसी बात है ? मेरा ध्यान इधर नहीं गया था न मैंने कुछ सुना ही है

अर्कादी कामरेड बुबलिक, आपको एकदम गावदी ही है! मैंने आपके लिए कितना क्या कुछ नहीं किया है, और हमारे अस्पताल के काम काज में दिलचस्पी लेने के लिए आपने कितने वादे किये हैं। इसके बाद भी आप इस तरह की बातें करते हैं ? इतनी महत्वपूर्ण चीज़ की तरफ

आपका ध्यान न जाय यह कैसे हो सकता है ? और इस व्यक्तिवादी, देहात के डाक्टर जैसे काम करने के तरीके को आप कब तक इसी तरह चालू रखे रहना चाहते है ?

**तिरेन्ती ओसिपोविच** मैं मैं लेकिन लेकिन मैं तो हमेशा पूरे ध्यान से आपके भाषण सुनता हूँ। वास्तव में, मेरा खयाल है कि इस चीज़ के बारे में भी मैंने कुछ सुना था हाँ

**अर्कादी** अच्छा, तो आपने कुछ सुना है ? मैं जानता था कि आपने जरूर सुना होगा। इसके बारे में हर एक को पता है। और उसके इन खतरनाक प्रयोगों पर हर एक नाराज है। आप तो जानते है कि मैं प्लेटन का दोस्त हूँ, लेकिन मैं उसे कब तक बचाता जा सकता हूँ ? आज उसके दो आपरेशनों के फलस्वरूप एक बहुत बडे इन्जीनियर की मृत्यु हो गयी है—और ये ऑपरेशन उसने बिना इजाजत के किये थे।

**तिरेन्ती ओसिपोविच** बिना इजाजत के अरे, आप क्या कह रहे है ?

**अर्कादी** आप खुद ही समझ सकते हैं कि इस चीज को लेकर कितना शोर मचेगा ! हो सकता है कि उस पर मुकदमा भी चलाया जाय !

**तिरेन्ती ओसिपोविच** च च, कितने अफ़सोस की बात है ! हम लोग क्या कर सकते है ? प्लेटन को बचाने के लिए कुछ न कुछ अवश्य करना होगा। आखिर तुम अर्कादी पावलोविच

**अर्कादी** एक क्षण रुकिए। हमारे कुछ डाक्टरों ने अपने दस्तखतों से मुझे एक मेमोरेंडम दिया है। इस मेमोरेंडम से मेरा यह शक मजबूत होता है कि आपरेशन के बाद होने वाली मौतों की संख्या इधर बढ़ गयी है। मैंने फैसला किया है कि प्लेटन को सर्जिकल (शल्य चिकित्सा) विभाग के प्रधान पद से हटा दिया जाय। इस तरह से हम लोग पब्लिक के गुस्से को कुछ शान्त कर सकेंगे। पहले से इस तरह का कदम उठाकर प्लेटन को हम भारी बेइज्जती से बचा लेंगे। इसलिए एकदम

ज़रूरी हो गया है कि इस दु खादायी काण्ड मे सब लोग मिलकर सामूहिक रूप से कोई कदम उठायें ।

**तिरे्ती ओसिपोविच** हाय, हाय ! प्लेटन से मैंने कहा था कि अपने प्रयोगो को वे बन्द कर दें। मैंने उनसे कहा था कि इस तरह के खतरे बडे शहरो के सजनो को उठाने दो। यहाँ ऐसी चीज़ें कराग ता मुसीबत मे फँस जाओगे। जब गडबड मरीज़ का ऑपरेशन करते हो और तुम्हे पता चलता है कि उसकी हालत कसर की वजह से काफी खराब है तब तुम्हे चाहिए कि उसको फिर सी दो और यह कहकर उसे घर भेज दो कि उसकी तन्दुरुस्ती की हालत ऐसी नही है कि ऑपरेशन किया जा सके। वह महीना दो महीना जियेगा और फिर ख़ामोशी से अपने घर पर ही मर जायेगा। प्लेटन को मैं हमेशा यही समझाता आया हू लेकिन वे मानते ही नही और बकार का जोखिम उठाते रहते हैं वह एक भयकर आदर्शवादी हैं है न ?

**अर्कादी** *अच्छा, तो आप को सब-कुछ मालूम है। अब हमे प्लटन* को बचाने की पूरी कोशिश करनी चाहिए।

**तिरे्ती ओसिपोविच** हाँ, हाँ, अवश्य। मेहरबानी करके आप जो कुछ भी कर सकते हैं, करें। किसी तरह प्लेटन को बचा लें।

**अर्कादी** मैं तो पूरी कोशिश करूँगा ही लेकिन आप का भी तो कुछ कोशिश करनी चाहिए आपको उस मेमोरडम पर दस्तखत कर देने चाहिए। आप हमारे स्टाफ के सबसे पुराने मेम्बरो मे से है। आप के दस्तखतो का बडा वजन पडेगा।

**तिरे्ती ओसिपोविच** ऍं मैं नही-नही, मैं यह नही कर सकता, मेरे दोस्त। नही, मैं ऐसा नही कर सकता।

**अर्कादी** कर सकते हो मेरे नेक दोस्त, तुम जरूर कर सकते हो। कम से कम एक बार तो हिम्मत से काम लो—जिस चीज़ को ठीक समझते हो उसे पूरा कर डालो। *तुम तो जानते हो, यह सब सिर्फ प्लेटन और*

अस्पताल की भलाई के लिए है। लो दस्तखत कर दो। दूसरे सबों को तो तुम जानते ही हो वे सब तुम्हारे साथ काम करने वाले लोग हैं।

तिरेन्ती ओसिपोविच (मेमोरेंडम की जाँच पड़ताल करते हुए) मैं (ध्यानपूर्वक पढ़ता है) मैं, आखिर के इस हिस्से से नहीं सहमत हूँ।

अर्कादी किस हिस्से से ?

तिरेन्ती ओसिपोविच (पढ़ते हुए) "आपरेशनों के बाद मरने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ती गयी है। इस बात के हम लोग खुद गवाह हैं " मैं इसके खिलाफ हूँ।

अर्कादी किसके खिलाफ ?

तिरेन्ती ओसिपोविच लगातार" के। इस शब्द "लगातार" को काट दीजिए।

अर्कादी अच्छी बात है। तो अब, तो दस्तखत करो।

तिरेन्ती ओसिपोविच नहीं नहीं। पहले आप इसे काट दीजिए।

अर्कादी लो, काट दिया। (शब्द को काट देता है और दस्तावेज तथा एक कलम तिरेन्ती ओसिपोविच के हाथ पर रख देता है)

तिरेन्ती ओसिपोविच (दस्तावेज को एक बार फिर पढ़ता है) "ऑपरेशनों के बाद मरने वालों की संख्या बढ़ती गयी है, इस बात के हम लोग खुद गवाह हैं " अरे यह तो ठीक नहीं है, है न ? इसके अन्दर कोई भयानक-सा अर्थ भरा प्रतीत होता है

अर्कादी किसके अन्दर ?

तिरेन्ती ओसिपोविच इन शब्दों के अन्दर कि 'इस बात के हम लोग गवाह हैं ।' कुछ अदालती-जैसा मामला लगने लगता है। बेहतर होगा कि इसे भी काट दो।

अर्कादी अच्छा ठीक है।

तिरेन्ती ओसिपोविच नहीं, नहीं। आप खुद अपने हाथों से उसे काट दें। आप मेरा मतलब समझ रहे हैं न

अर्कादी हाँ हाँ। यह शब्दावली बहुत अच्छी नहीं है। (शब्दों को काट देता है) अच्छा, अब तो ठीक है। लो, दस्तखत करो।

[तिरेन्ती ओसिपोविच मेमोरेंडम को लेकर फिर पढ़ने लगते हैं।]

क्या, क्या अब कोई और आपत्ति है?

तिरेन्ती ओसिपोविच एक मिनट रुकिए बस एक मिनट ओफ, यहाँ कितनी घुटन हो रही है, है न (अपने कोट के बटन खोलता है, और हाथ में कलम ले लेता है) यहाँ अगर आप तीन शब्द जोड़ दें तो सब ठीक हो जायगा। तब मैं फौरन दस्तखत कर दूंगा।

अर्कादी कौन से शब्द?

तिरेन्ती ओसिपोविच (पढ़ते हुए) "आपरेशनों के बाद मरने वाले लोगों की संख्या बढ़ती गयी है" से पहले यह जोड़ दीजिए कि "बड़े आपरेशनों के बाद"।

अर्कादी कामरेड बुबलिक, आखिर आप करना क्या चाहते हैं? इस दस्तावेज़ पर आपके तीन साथी दस्तखत कर चुके हैं।

तिरेन्ती ओसिपोविच मेरे दोस्त, चिढ़ो मत। अगर मुझे दस्तखत करने हैं तो उसमें बढ़ाने घटाने का भी मुझे कुछ हक है, वर्ना यह बात ठीक नहीं है। हर कोई जानता है कि अधिकांश ऑपरेशनों को प्लेटन बहुत अच्छी तरह करते हैं अनेक अत्यंत जटिल ऑपरेशनों को भी वे बहुत ही बढ़िया ढंग से कर लेते हैं।

अर्कादी अच्छा भाई, अच्छी बात है। जो कुछ भी जोड़ना चाहते हो जोड़ लो और खुदा के वास्ते अब इस पर दस्तखत कर दो।

तिरेन्ती ओसिपोविच नहीं, नहीं। इन शब्दों को आप खुद अपने हाथ से लिख दीजिए। यहाँ, ऊपर।

अर्कादी बहुत अच्छा। (लिखता है)

[तिरेन्ती ओसिपोविच ध्यान से उसको देखते हैं।]

अच्छा, लो भाई, यह भी लिख दिया !

**तिरेन्ती ओसिपोविच** (लेकर पढते हैं) 'बडे-बडे आपरेशनों के बाद मरने वाले लोगो की सख्या बढती गयी है। ' हूँ हूँ।

**अर्कादी** अब जल्दी करो। दस्तखत कर दो। मुझे तुरन्त जाना है। प्लेटन से मैं बाद म आकर मिल लूगा।

**तिरेन्ती ओसिपोविच** अभी करता हूँ मुझे भी अपने मरीजो को देखने जाना है ओह ! मेरा दिल ! यह कसी ऐठन थी ? बडी विचित्र बात है ! दिल की तक्लीफ इससे पहले मुझे कभी नही हुई थी (दद से कराहता है)—जसे कोई सुई घुसेड रहा हो !

**अर्कादी** (चिढकर) आपके पीने के लिए कुछ पानी लाऊँ ?

**तिरेन्ती ओसिपोविच** नही शुक्रिया ! आप चिता न करें।

**अर्कादी** आपने दस्तखत कर दिये ?

**तिरेन्ती ओसिपोविच** नही नही मैं इस पर दस्तखत नही कर सकता। नही अर्कादी पावलोविच, मैं इस पर दस्तखत नही कर सकूगा।

**अर्कादी** (गुस्से से उबलते हुए) इस बेवकूफी का क्या मतलब है ? तुम मजाक कर रहे हो ? इस दस्तावेज मे से तुमने शब्द निकलवाये, दूसरे शब्द जुडवाये, और अब दस्तखत करने से इन्कार करते हो ?

**तिरेन्ती ओसिपोविच** हाँ, लेकिन वह काट छाट मैंने तो नहीं की ! उसे किया तो आप ही ने था अर्कादी पावलोविच, इसमे जो कुछ घटाया-बढाया गया है वह तो आपही के हाथो से हुआ है

**अर्कादी** क्या ?! बेवकूफ कहीं के ! मुझे बनाते हो !! घटाने-बढाने की बात मुझसे कही किसने थी ? तुम करना क्या चाहते हो—एक जुर्म को छिपाने के लिए दस्तावेज को गलत बना देना चाहते हो और अपनी इस चाल मे मुझे भी अपने साथ फँसाना चाहते हो ?! बोलो ! जवाब दो !

**तिरेन्ती ओसिपोविच** मैं मैं देखिए, अर्कादी पाव लोविच, जरा जबान सभाल कर बातचीत कीजिए। बुबलिक के साथ इस तरह की डाट-डपट आप नही कर सकते ! बुबलिक खुद डाँट डपट सकता है **(जोर से घूसा मेज पर मारता है।)**

**अर्कादी** तुम्हारी इतनी हिम्मत ! क्या तुम भूल गये कि तुम किससे बात कर रहे हो ?

**तिरेन्ती ओसिपोविच** जी नही। और देखिए, मेहरबानी करके अब मुझे रोकने की कोशिश मत कीजिए। अपने सारे जीवन म तिरेन्ती बुबलिक ने कभी अपने प्रधान को जवाब नही दिया। मैंने नब्बे हजार नाडियो की आवाज सुनी है। और अब मैं चाहता हूँ कि कम से कम एक बार मेरी भी बात सुन ली जाय। यह मेरा हक है। अगर आप को सिर्फ यह मालूम होता कि मेरे दिल म इस समय क्या हा रहा है मेरी नाडी यहाँ बठिए और सुनिए

**अर्कादी** तुम्हारी बातें सुनने के लिए मेर पास बेकार का समय नही है। तुम्हें जाकर अपने को किसी मनोराग चिकित्सक को दिखाना चाहिए। **(खडा होकर बाहर चला जाता है।)**

**तिरेन्ती ओसिपोविच (उसको बुलाते हुए)** तो तुम नही सुनना चाहते ? अच्छी बात है, जाओ। तुम्हार पास कभी समय नही रहता। **(भावावेश में आते हुए)** मैं उस डाक्टर को ढूढ निकालूँगा जो मेरी बात सुनता है। मैं उसे अभी-अभी बुलाता हू। **(टेलीफोन के पास जाता है अपनी मूछें ठीक करता है और फिर फोन का रिसीवर उठाता है)** कृपाकर बोल्शेविक पार्टी की जिला कमेटी के सक्रेटरी से मिला दीजिए। नमस्कार। मैं तिरेन्ती ओसिपोविच बुबलिक हू। एक ग़र पार्टी आदमी, एक डाक्टर, मैं आपसे मिलना चाहता हू, थोडा-सा वक्त दे दें तो बडी कृपा हागी। जी बहुत अच्छा। कल दस बजे। धन्यवाद। नमस्कार ओह रे, मरे दिल ! हाँ, ता वह डाक्टर मिल गया जिसे

मेरी बात सुनने की फ़ुरसत है वह मुझे ठीक भी कर देगा—इसका मुझे पूरा विश्वास है। लेकिन, अर्कादी पावलाविच, तुम्हारे बारे मे मुझे डर है। कही ऐसा न हो कि बिना बेहोशी की दवा दिये ही, तेज़ी से और सफाई से वह तुम्हारा आपरेशन कर दे।

[मच के पीछे से लीडा की हसी और प्लेटन की बातचीत की आवाज आती है। प्लेटन कह रहा है 'उन बादलो को तो देखो। बारिश होने जा रही है। बस, कुछ मिनटों के लिए अन्दर आ जाओ।" लीडा की आवाज आती है "सिर्फ कुछ मिनटों के लिए।"—

लीडा और प्लेटन प्रवेश करते हैं। लीडा गर्मियों की ऋतु के हल्के रग के कपडे पहने है।]

प्लेटन नमस्कार, तिरन्ती ओसिपोविच।

तिरेन्ती ओसिपोविच हैलो, प्लेटन! मैं कितनी देर से तुम्हारा इतजार कर रहा हूँ। लेकिन अब मुझ अपने मरीजो के पास भागना है। घटे भर बाद मैं फिर आऊँगा। तुमसे मुझे कुछ जरूरी बातें करनी है। (जाने का उपक्रम करता है)

प्लेटन इतनी जल्दी मत भागिए। मैं आपका परिचय तो करा दू।

तिरेन्ती ओसिपोविच आपसे मिलकर बहुत आनन्द मिला। मेरा नाम बुवलिक है। लेकिन इस वक्त माफी चाहता हूँ, मुझे फौरन जाना है। गुडबाई।

लीडा गुडबाई।

[बुवलिक चले जाते हैं।]

प्लेटन यह हमारे सर्वगुणसम्पन्न डाक्टर हैं। बहुत ही बढ़िया आदमी है, बहुत मेहनती। दिन भर अपने मरीज़ों को देखते दौडते हैं—और वह भी पैदल! न जाने कैसे इतनी मेहनत कर लेते हैं।

**लीडा**  बातें सुनकर हँसी आती है, लेकिन आदमी अच्छे मालूम होते हैं।

**प्लेटन**  ये हजरत ५८ वर्ष के हो गये, लेकिन शादी करने का समय इन्हें कभी नही मिल सका। बेचारे!

**लीडा**  कही तुम्हारा भी यही हाल न हो।

**प्लेटन**  क्या?

**लीडा**  तुम भी तो सारे समय अपने मरीजो मे ही व्यस्त रहते हो।

**प्लेटन**  इन दिनो मैंने हमेशा से भी ज़्यादा काम किया है लेकिन फिर भी, कैसी विचित्र बात है, सपना देखने के लिए भी मुझे टाइम की कमी नही हुई!

**लीडा**  शायद तुम सपने भी जटिल जटिल आपरेशनो के ही देखते होगे।

**प्लेटन**  हा, खुद अपने दिल के एक बडे आपरेशन का!

**लीडा**  क्या तुम्हारी तबियत अच्छी नही है?

**प्लेटन**  नही। मैं बहुत बुरी तरह बीमार हूँ।

**लीडा**  सचमुच  अच्छा, यह तो बताओ कि खुद अपने दिल का ऑपरेशन तुम किस सर्जन से कराओगे?

**प्लेटन**  उससे जो सर्जनो से नफरत करता है।

**लीडा**  अच्छा! और वह है कौन?

[एक खामोशी]

**प्लेटन**  मेरा ख़याल है कि सर्जनो से कोई इतनी नफरत नही करता जितनी तुम करती हो।'

**लीडा**  ओह! तब तो  (हँसते हुए) तुम बहुत बडा जोखिम मोल ले रहे हो।

**प्लेटन**  कोई परवाह नही।

**लीडा** अच्छी तरह सोच लिया है ?

, **प्लेटन (एक लम्बी खामोशी के बाद)** टालमटाल न करो लीडा ! मैं तुम्हारे उत्तर की प्रतीक्षा कर रहा हू ।

**लीडा** मैं नही जानती । प्लेटन, म कुछ नही समझ पाती जगल म तुमने जो फूल मेरे लिए इकट्ठे किये थे वे अभी तक मुरझाये नही ह । उन्हे देखती हूँ तो मुझे अपने बचपन की याद आ जाती ह कई कई दिन तक गाने गाती और फूल तोडती मैं जगलो मे भटका करती थी । मैं सोचती थी कि ओक के बूढे दरख्तो के पत्ते मेरा गीत सुनने के लिये अपनी ममर ध्वनि बन्द कर देते थे । ऐसा लगता था जैसे कि चुपके से लाट के साथ व मेरा अभिनदन कर रहे हैं। और ज्योही मेरा अपना गीत समाप्त होता था त्योही फिर जगल अपना तराना शुरू कर देता था मैं शीतल घास पर लेट जाती और शाखाओ के बीच से दिखाई देने वाले आकाश को ताकती हुई कानन के उस मधुर सगीत का सुरापान करती रहती । मेरी इच्छा होती थी कि जगल के उस भारी हरे मखमली पर्दे को हटा दू जिससे कि पृथ्वी के उल्लासमय सगीत की आवाज भी सुन ले तुम्हारे फूलो ने मेरी इन तमाम चिर पोषित स्मतियो को चक्कार कर जगा दिया है उन दिनो म जो गाना गाती थी तुम्हे सुनाऊँ ? सुनाओ ?

[गाना गाती है । उसके गाने के बाद एक लम्बी खामोशी छा जाती ह ।]

मेरा निष्ठुर हृदय हुआ क्या नही ?

[प्लेटन उसके पास जाकर उसका आलिगन करता ह ।]

**लीडा** प्लटन ज्योही पापा अच्छे हो जाते है हम लोग तुम और मैं वह अच्छे हो जायेंगे न हो जायेंगे न ? तुम बोलते क्यो नही ? मेरी बात का जवाब क्यो नही देते ?

[इसी समय बिना किसी के देखे अर्कादी अन्दर आ जाता है।]

प्लेटन  हाँ, व अच्छे हो जायेंगे  वह ज़रूर बच जायेंगे।

अर्कादी  आ  हा, तुम लोग अब भी सेनेटोरियम की योजना पर ही काम कर रहे हो।

[लीडा एकदम चौंक जाती है।]

प्लेटन  योजना ? वह तो सम्पादित हो गयी।

अर्कादी  तुमने बहुत जल्दी सब कुछ कर दिया। प्लेटन इवानोविच मैं तुम्हें सलाह दूंगा कि इतनी जल्दबाजी न करो। वह एक बहुत ही महत्वपूर्ण चीज है।

प्लेटन  देखो अर्कादी

अर्कादी  लीडा, कल शाम मैं दो बार तुम्हारे घर गया था, और आज भी एक बार हो आया हूं, लेकिन तुम मिली नहीं। क्या कल भी तुम योजना पर ही काम कर रही थी ?

लीडा  हाँ,  क्या ?

अर्कादी  नहीं, कोई खास बात नहीं। मैंने तुम्हारे काम में बाधा डाली इसके लिए माफ करना। मैं बस तुम्हारे कुछ ही मिनट लूंगा। प्लेटन इवानोविच, तुम जानते हो कि तुम्हारे एक पुराने दोस्त की हैसियत से गैर जिम्मेदारी से भरे तुम्हारे प्रयोगों के दुष्परिणामों से मैंने हमेशा तुम्हें बचाया है। ऐसा करने का मुझे कोई अधिकार नहीं था लेकिन हम सब इन्सान हैं और हम सबकी अपनी अपनी कमजोरियाँ हैं। कोई अपने दोस्त का बचाव करने की कोशिश करता है। कोई अपने दोस्त की प्रेयसी का।

लीडा (सख्ती से)  अर्कादी।

अर्कादी  बस जरा-सा रुक जाओ। प्लीज ! मैं अधिक नहीं कुछ कहूँगा  हाँ तो मैंने बहुत दिनों तुम्हें बचाया। लेकिन तुम्हारे पिछले

प्रयोग को लेकर चारो तरफ क्रोध की लहर फैल गयी है। अस्पताल का स्टाफ खासतौर से बहुत नाराज है। इस प्रयोग को करने से पहले न तो तुमने मरीज से पूछा था, न उसके सगे-सम्बन्धियो से—यहा तक कि मुझसे भी तुमने इजाजत नही ली थी।

**प्लेटन** तुम्हारा मतलब क्या है ?

**अर्कादी** जल्दी ही तुम्हे खुद पता चल जायगा। लीडा, मुझे दु ख है, लेकिन अब तुमसे इस चीज को कैसे छिपाये रखा जा सकता है मैं समझता हू, प्लेटन के लिए तुम्हे बतलाना कितना मुश्किल है, लेकिन मुझे तो बतलाना ही पडेगा। प्लेटन द्वारा किये गये दो ऑपरेशनो के बाद, तुम्हारे पिता की—

**लीडा** क्या ?

**अर्कादी** मृत्यु हो गयी, दो घटे हुए।

**लीडा (जसे जान शेष न रह गयी हो)** पापा !

**अर्कादी** प्लेटन, तुम्हे काम से हटाकर तुम्हारे मामले को मुझे पुलिस को सौंप देना पडा है। मेरे सामने और कोई रास्ता नही था। एक दोस्त की हैसियत से मैं तुम्हे सलाह देता हूँ—

**प्लेटन (उसकी बात काटते हुए)** अपनी सलाह अपने पास रखो। यह बात सच नही है। इजीनियर कोवाल जीवित है ! उन्हे बचाने के लिए मैंने अपनी जान लडा दी है। तुम झूठ बोल रहे हो। **(अर्कादी की बांह पकडकर उसे जोर से झकझोरता है)**

**अर्कादी** झूठ बोल रहा हूँ ! तुम पागल तो नही हो गये। ऐसी चीज के बारे मे क्या खुद उनकी बेटी से मैं झूठ बोल सकता हूँ ?

**लीडा (धीरे धीरे अपने चेहरे को खिडकी की तरफ घुमाते हुए। उसकी मुद्रा से मालूम होता है कि उसकी कुछ समझ मे नहीं आ रहा है)** ओह ! यह पानी इतनी जोर से क्या बरस रहा है !

**प्लेटन** लीडा !

**लीडा** नहीं नहा हूँ, प्लटन।

[एक खामोशी।]

प्लेटन, मैं, तुम, तुमने मेरी योजना मिट्टी में मिला दी। तुमने मुझे अर्कादी से अलग कर दिया तुमने मुझे अपने आपको समझने में मदद दी। मैं चाहती थी मैं

[एक लम्बी खामोशी।]

और ठीक उस ही क्षण, प्लटन, तुम मुझसे झूठ बोले तुम झूठ बोले! तुमने मेरे पिता को मार डाला।

**प्लेटन** लीडा मैंने उनका जीवन बचाने की जितनी कोशिश की उतनी कोशिश कभी किसी के लिए नहीं की थी। अर्कादी, तुम तो जानते हो बस एक शब्द कह दो कह दो। तुम नहीं बतलाओगे? लीडा, भगवान के लिए मेरी बात सुनो

**लीडा** नहीं, नहीं अब कोई फायदा नहीं! अब कुछ मत कहो। अर्कादी, यहाँ से इस कब्र में से निकलने में मेरी मदद करो।

[**अर्कादी उसके पास जाता है। लीडा उसके कंधे का सहारा लेती है और धीरे धीरे वे दोनों एक साथ कमरे से चले जाते हैं।**]

**प्लेटन (बड़ी कठिनाई से मेज के पास तक पहुंचता है)** लीडा, लीडा, तुम मेरी बात भी नहीं सुनोगी? तुम्हें क्या पता हो सकता है कि मैंने कितनी रातें आँखों में ही काट दी हैं तुम्हें क्या मालूम कि जब आदमी को निराशा घेर लेती है और उसका दिल थकान और परेशानी से दुखता है तो क्या होता है।

[**मारिया तरासोवना का प्रवेश**]

**मारिया तरासोवना** खिड़की क्यों नहीं बन्द कर देते? पानी मूसलाधार गिर रहा है, और हवा भी बहुत तेज है।

**प्लेटन** उसे सुना रहने दो। मुझे सांस लेने में कठिनाई हो रही है।

**मारिया तरासोवना** तुम्हारी तबियत ठीक न होगी। तुम कितने पीले-पीले हो रहे हो। (उसके पास जाकर माथे पर हाथ रखती है) तुम्हें तो बुखार है!

**प्लेटन** मुझे भी लगता है कि मेरी तबियत अच्छी नहीं है।

**मारिया तरासोवना** तुम्हें देखकर तो मुझे डर लगता है बेटा!

**प्लेटन** मां, मेरे पास बैठ जाओ और मुझसे मेरे पिताजी के बारे में कुछ बातें करो। जब वे किसी मुसीबत में होते थे तो क्या करते थे? अपने जीवन के सबसे खराब समय में उन्होंने क्या किया था? किस तरह उस समय का सामना किया था?

**मारिया तरासोवना** सबसे खराब समय उनकी मृत्यु का समय था। उसके बारे में मत बात करो, प्लेटन। अच्छा हो कि तुम जाकर थोड़ी देर लेट जाओ, मेरे बेटे।

**प्लेटन** नहीं, मां! मुझे बतलाओ! कृपया मुझे बतलाओ। यहां आओ, मेरे पास बैठो।

**मारिया तरासोवना** अच्छा अच्छा, प्लेटन। मेरे बेटे! गोली मारने के लिए जब वे उन्हें चौराहे पर ले गये तो उनका अफसर मुझे भी घसीटकर आगे ले गया। तुम्हारे पिता ने हथियारबन्द गाडी को चलाने से इन्कार कर दिया था और उसके इंजन को खराब कर दिया था। मुझे घसीटता हुआ उनका अफसर बोला, "औरत, और नजदीक आ, और पास खड़े होकर अपने इस बदमाश आदमी को अच्छी तरह देख ले ..." तुम्हारे पिता ने जब यह सुना तो चिल्लाकर उन्होंने मुझसे कहा, "हां, मारिया अभिमान से अपना सिर को ऊंचा करो और देखो, रोओ मत। तुम्हारे इवान की मौत नयी जिन्दगी का रास्ता उजागर करने जा रही है ..." और मैंने अपने आंसू पोछ डाले

जिसमे कि वे आसानी से मृत्यु का सामना कर सकें नये जीवन के लिए।

[द्वार पर दस्तक की आवाज।]

कोई आ रहा है इस मौसम म भला कौन होगा ? (दरवाजे के पास जाकर उसे खोलती है)

[बेरेस्ट अत्यन्त परेशानी की हालत मे अन्दर दाखिल होते हैं।]

**बेरेस्ट** कामरेड क्रेचेट, तुम्ह फौरन मेरे साथ अस्पताल चलना है।

**प्लेटन** क्या हुआ ?

**बेरेस्ट** पीपुल्स कमिसार की हालत खराब है मोटर दुर्घटना हो गयी है पुल बह गया था वह बैठ गया कार का ड्राइवर मर गया है, और कमिसार का सिर फट गया है जल्दी चलो मुझे लगता है कि तुम्ह फौरन ऑपरेशन करना पडेगा।

**प्लेटन** कामरेड बेरेस्ट, मैं ऑपरेशन कर सकने की हालत म जरा भी नही हूँ इस वक्त मुझसे कुछ नही हो सकेगा।

**बेरेस्ट** क्या कह रहे हो ? तुम ऐसा कैसे कह सकते हो ?

**प्लेटन** मैं आपको सब कुछ बतला दूगा। मुझे यकीन है, कामरेड बेरेस्ट, कि आप मेरी बात समझ जायँगे।

**बेरेस्ट** इस समय मुझे कोई बात करने का अधिकार नही है—मैं कोई सफाई नही सुन सकता। चाहे जिस तरह हो, तुम अपने को ठीक करो और फौरन मेरे साथ चलो।

**प्लेटन** लेकिन मैं ऑपरेशन कैसे कर सकूगा मेरे हाथ काँप रहे हैं आप क्या नही समझते कि

**मारिया तरासोवना** प्लेटन, बेटे

**बेरेस्ट (सख़्ती से)** कामरेड क्रेचेट ! मैं नीचे कार मे तुम्हारा इन्तजार करूँगा।

[एक भारी-सी खामोशी।]

—(सहानुभूतिपूर्वक) प्लेटन इवानोविच, चलो। और कोई रास्ता नही है। मैं तुम्हारा इतजार करता हूँ। (बाहर चला जाता है)

**मारिया तरासोवना** प्लेटन, मेरे बच्चे, अपने को शान्त करो। मैं तुम्हारा कोट और बडे बरसाती जूते लाती हूँ वर्षा बडे ज़ोर की हो रही है। (दूसरे कमरे में चली जाती है)

**प्लेटन** नही, मैं नही कर सकता, कामरेड बरेस्ट अपने हाथो को काँपने से मैं कैसे रोक सकता हूँ? मेरे हाथ! मैं क्या करूँ? अपने हाथो को मैं क्या करूँ?

[उसका ओवरकोट लेकर मारिया तरासोवना आती हैं।]

**मारिया तरासोवना** लो प्लेटन, कोट पहन लो। जल्दी करो, बेटे! हो सकता है कि आदमी मर रहा हो। लो, तैयार हो जाओ!

[यान्त्रिक ढग से प्लेटन कोट ले लेता है। बाहर से मोटर के हौर्न की बार-बार आवाज आती है।]

जल्दी करो, प्लेटन मैं तुम्हे बडे जूते पहनाये देती हूँ। (झुककर उसे बरसाती जूते पहनाने की कोशिश करती है)

**प्लेटन** नही, माँ यह न करो। मैं नही जा सकता। नही, मैं कुछ नही कर सकूगा। (निराश भाव से सिर मेज पर रख देता है)

**मारिया तरासोवना** (स्नेह से उसके झुके सिर को देखती हुई) नही, प्लेटन, मेरे बच्चे इस तरह मत करो आओ, मेरा सहारा ले लो मैं तुम्हे पहुँचा दूगी। हाँ, ठीक है, इसी तरह। (उसका हाथ अपने हाथ मे लेते हुए) अब मेरा सहारा ले लो। वहाँ एक आदमी मर रहा है तुम उसकी जिन्दगी बचा लोगे।

[मोटर के हौर्न की आवाज फिर सुनाई देती है।]

हम आ रहे ह आ रहे ह, कामरड । प्लेटन आ रहा है मुझे अच्छी तरह पकड ला, प्लेटन । चलो, चलें ।

[धीरे धीरे मा और बेटा दरवाज़े की तरफ़ जाते हैं ।]

हम आ रहे है, कामरेड हम लोग आ रहे हैं ।

[प्लेटन बाहर चला जाता ह ।]

(अकेले, स्नेहपूर्वक) हम आ रहे हैं

पर्दा गिरता ह ।



**एक अन्य पार्टी अधिकारी** शायद बेहतर होगा कि हम लोग मास्को से किसी को हवाई जहाज से बुला लें, क्यो ?

**तिरेन्ती ओसिपोविच** वहाँ से आने मे कितना वक्त लगेगा ?

**पार्टी सेक्रेटरी** , चार घण्टे जहाज से आने म लगते हैं, और एक घण्टा हवाई अड्डे तक जाने और वहाँ से आने के लिए चाहिए। कम स कम पाँच घण्टे लगेंगे।

**तिरेन्ती ओसिपोविच** फिर तो किसी को वहाँ से बुलाने का सवाल ही नही उठता। इतनी सगीन चोटो का लेकर वे इतनी दर नही बच सकेंगे।

[**अर्कादी और लीडा अन्दर आते हैं। लीडा मातमी कपड पहने है।**]

**अर्कादी** क्रिस्तीना आर्खीपोव्ना, बिना मेरी इजाजत इस दालान म किसी का मत आने देना।

**क्रिस्तीना आर्खीपोव्ना** बहुत अच्छा। बाहर कोमसामोल के कुछ तरुण खडे भीग रहे हैं।

**अर्कादी** तो मैं क्या करूँ ?

**पार्टी सेक्रेटरी** अर्कादी पावलोविच !

**अर्कादी (तेजी से उनके पास जाकर)** कहिए, क्या मेरे लायक कुछ काम है ?

**पार्टी सेक्रेटरी** आपका पूरा भरोसा है कि ग्रेचेट कमिसार को बचा लेंगे ?

**अर्कादी** उसने कुछ बहुत बडे-बडे आपरेशन किये हैं यह ठीक है कि हमेशा उसे सफलता नही मिली है। लकिन कमिसार का हालत ऐसी है कि मैं नहीं कह सकता कि क्या नतीजा होगा। दुर्भाग्य म, अब सब कुछ सर्जन पर ही निर्भर करता है।

**तिरेंतो ओसिपोविच** नहीं, नहीं, अर्कादी पावलोविच, केवल सजन पर नहीं। मरीज का दिल बहुत कमजोर है और उनकी चोट बहुत संगीन है। उनका दिल आपरेशन को सह सकेगा या नहीं यह कहना कठिन है।

**अर्कादी (सख्ती से)** नहीं, कामरड बुवलिक, सब कुछ सजन के ही हाथ म है। मेहरबानी करक पहले स ही बहाने बनाना मत शुरू कर दीजिए।

**तिरेंतो ओसिपोविच** आप जो चाहे कहिए (वहा से चला जाता है)

**लीडा** अर्कादी पावलोविच ! पिता जी को घर ले जाने की अनुमति मुझे कब मिलेगी ?

**अर्कादी** कमिसार का आपरेशन खत्म होते ही उनके शव को तुम्हे देने का आडर मैं दे दूगा।

**लीडा** फिर मैं यही इन्तजार करूँगी।

**अर्कादी** अच्छी बात है, लीडा। यहाँ बैठ जाओ। (उसे ख्रिस्तीना आर्ख़ीपोव्ना के पास ले जाता है) ख्रिस्तीना आर्ख़ीपोव्ना कृपया इनके लिए एक आराम-कुर्सी मँगवा दीजिए। (तेज़ी से लौटकर पार्टी सेक्रेटरी के पास चला जाता है)

**ख्रिस्तीना आर्ख़ीपोव्ना** अभी लाती हू। (एक आराम कुर्सी लाकर अपनी मेज के पास रख देती है) आओ, यहाँ बैठ जाओ। आराम से बैठो। रोने धोने से क्या फायदा। तुम उन्हे वापिस तो ला नहीं सकती। हम लोग जो कुछ भी कर सकते थे उन्हे बचाने के लिए किया। स्तेपन इवानोविच सारी रात उनकी चारपाई के पास बैठे रहे थे। केवल सुबह के समय जब तुम्हारे पिता की तबियत कुछ अच्छी हुई थी तभी वह घर गये थे। लेकिन बाद म दिन म उनकी हालत एकदम फिर खराब हो गयी। उन्हे किसी भी तरह न बचाया जा सका।

लीडा   कृपाकर मुझे थोडा-सा पानी पीने के लिए दे दीजिए।

[बाहर से बहुत सी आवाजो की भनभनाहट सुनायी देती है।]

ख्रिस्तीना आर्खीपोव्ना   बेचारे, बाहर बारिश मे खडे हैं!

[शोरगुल के बीच जोर-जोर से किसी के दरवाजे खटखटाने की आवाज सुनाई देती है। ख्रिस्तीना दौडकर दरवाजा खोलती है। बेरेस्ट और उनके पीछे-पीछे प्लेटन आते हैं। प्लेटन का सिर उघारा है और उनके काले ओवरकोट से पानी टपक रहा है। प्लेटन धीरे धीरे सीढियाँ चढते हैं। आधी सीढ़ियाँ चढ़ने पर वे रुक जाते हैं और नीचे खडे लोगो पर नजर डालते हैं। अपना कोट उतारते हैं। ख्रिस्तीना आर्खीपोव्ना दौडकर उसे ले लेती है। प्लेटन अपने दस्ताने उतार देते हैं। वे सीढ़ियों पर गिर जाते हैं, और वहीं पड रहते हैं।]

अर्कादी (धीरे से, बरेस्ट से)   इसे चेतावनी दे दी जानी चाहिए कि कमिसार को कुछ हुआ तो इसका सिर कत्ल कर दिया जायगा।

बेरेस्ट   *अपनी चेतावनिया को लेकर*   *(अपने को रोक लेता है)*
.. तुम्हारी चेतावनियाँ भाड मे जाँय।

[क्रेचेट के चारो तरफ उसके सहायक खडे हैं। उनमे वाल्या भी है।]

प्लेटन   मरीज आपरेशन के लिए तैयार है?

सहायक   जी।

प्लेटन   आपरेशन टेबुल पर ले आओ।

एक पार्टी अधिकारी   क्या हम लोग भी ऑपरेशन देख सकते हैं?

अर्कादी   क्यो नही! बस, सफ़ेद कोट आप लोग पहन लीजिए।

प्लेटन   ऑपरेशन थियेटर मे मैं बाहर का कोई आदमी नहीं

चाहता। (अर्कादी से) आप पर भी यही बात लागू होती है। (मुड़कर सप्रयत्न धीरे धीरे सीढ़ियाँ चढ़ने लगता है।)

अर्कादी (प्लेटन के अन्दर जाने के बाद दरवाजे के बन्द होते ही) क्या ! ? उसने क्या कहा ? (दौड़कर सीढ़िया चढ़ता है)

बेरेस्ट नीचे उतरो !

अर्कादी मैं यहाँ का इन्चार्ज हूं। यह मेरी ड्यूटी है कि मैं

बेरेस्ट (उसकी बात को काटते हुए) इस समय यहा के इन्चार्ज क्रेचट है। इसलिए मेहरबानी करके वे जो आदेश दें उन्हे पूरा कीजिए। उधर जाकर चुपचाप बैठ जाइये।

अर्कादी बहुत अच्छा, कामरेड बेरेस्ट। लेकिन इसका जो नतीजा होगा उसके लिए मैं जवाबदेह नही हूंगा।

बेरेस्ट चुप रहो तुम्हे किसी और चीज का जवाब देना पड़ेगा। क्रेचट को इस हालत मे पहुँचा देने के लिए तुम्ही जिम्मेदार हो। मैं तुमसे कल बात करूँगा। (उसकी तरफ़ से मुंह फिराकर सेक्रेटरी के पास जाता है)

अर्कादी इस बातचीत का तो मैं काफी समय से इन्तजार कर रहा हूँ। हम देखेंगे कि यहाँ का इन्चार्ज कौन है। (जाता है)

पार्टी सेक्रेटरी बात क्या है ?

बेरेस्ट क्रेचट आ नही रहा था।

पार्टी सेक्रेटरी क्या ?

बेरेस्ट मैं जब उसके पास पहुँचा तब वह बहुत ही अस्त-व्यस्त हालत मे था। उसके हाथ काँप रहे थे।

पार्टी सेक्रेटरी यह तो बहुत भयानक चीज है ! जीवन-मरण के संघर्ष के समय शान्त रहना तो सबसे जरूरी है।

बेरेस्ट सब कुछ सकुशल बीत जाने की ही आशा हमे करनी चाहिए। क्रेचट मे मुझे अगाध विश्वास है। वह नौजवान है, और

अत्यन्त प्रतिभाशाली है मुझे उस पर भरोसा है (**लीडा पर उसकी नजर पड़ती है**) लीडा, अरे, तुम यहाँ हो ?

**लीडा** हाँ, कामरेड वेरेस्ट । मैं यहाँ हूँ—क्योंकि मैंने भी ग्रचेट पर भरोसा किया था !—शायद आपसे भी ज्यादा, और अब मैं अपने पिता के शव को घर ले जाने के लिए आयी हूँ !

[**एक लम्बी निस्तब्धता छा जाती है । बाहर पड़ रहे पानी की आवाज से ही कभी कभी उसमें विघ्न पड़ता है ।**]

**ख्रिस्तीना आर्खीपोव्ना** डाक्टरी के काम में हर तरह की चीज हो सकती है अस्पतालों के २० वर्ष के अपने जीवन में मैंने बहुत कुछ देखा है ! १९१९ में मैं एक अस्पताल में काम करती थी। पोपिलयूखी के करीब वह एक छोटी सी जगह थी। पोपिलयूखी का नाम तुमने कभी सुना है ? मरीज बहुत नहीं थे, लेकिन जो थे वे हम काफी व्यस्त रखते थे। सब अस्पतालों की तरह वहाँ भी कुछ लोग मर जाते थे, कुछ अच्छे हो जाते थे, और जीवन का क्रम चलता रहता था। फिर एक रात डेनिकिन के घुड़सवारों के एक दल ने उस कस्बे पर धावा बोल दिया। रात में वे लोगों के घरों में टिक गये। एक अफसर दौड़ता हुआ अस्पताल आया। उसने आर्डर दिया कि हम लोग अपने तमाम आले-औजार और दवाइयाँ जमा करके अगले दिन उनके साथ जाने के लिए तैयार हो जायें। डाक्टर और उसका सहायक इसके लिए राजी हो गये लेकिन घण्टे भर बाद वे दोनों वहाँ से गायब हो गये मरीजों के पास सिर्फ मैं रह गयी। मैं इसी उधेड़-बुन में थी कि क्या करूँ, तभी गाँव के बाहर से मशीनगनों के चलने की आवाज सुनायी दी। फिर तो बात ही दूसरी हो गयी। लाल सेना की एक टुकड़ी ने गाँव को घेर लिया था। डेनिकिन के सिपाही सारी रात उनसे लड़ते रहे, लेकिन सुबह होने पर उन्होंने हथियार डाल दिये। उस दिन सुबह मैं जब बाहर निकली तो सबसे पहली चीज जो मुझे दिखलायी दी, वह मह

थी कि लाल सेना के कुछ सैनिक एक घायल आदमी को लिये चले आ रहे थे। उनमें से एक ने पूछा, 'क्या अस्पताल यही है ?" मैंने कहा, "हां", और उन्हें अन्दर ले गयी। मैं कांप रही थी। हमारे सब डाक्टर छोड़कर चले गये थे, ऐसी हालत में घायल आदमी का मैं क्या करूँगी ? "तुम कौन हो ?", उनमें से एक सैनिक ने जो एक नौसैनिक और उनका कमाण्डर मालूम होता था, मुझसे पूछा। "मेरा नाम ख्रिस्तीना आर्खीपोव्ना है। मैं यहाँ की एक नर्स हूँ।', मैंने कहा। "अच्छी बात है, कृपा करके डाक्टर को बुला लाइये। हमारे कमिसार के पैर में एक गोली घुस गयी है।" "मुझे अफसोस है, लेकिन यहाँ कोई डाक्टर नहीं है। डाक्टर और उसके सहायक कल यहाँ से भाग गये। सारे डाक्टर विद्यार्थी भी चले गये", मैंने जवाब दिया। मैंने उन्हें बतलाया कि क्या हुआ था। किन्तु बेचारा कमिसार बुरी तरह कराह रहा था। उसका चेहरा चूने की तरह सफेद हो गया था, और उसका खून बहता जा रहा था उसके सैनिक बुरी तरह चिन्ता-ग्रस्त और दुखी थे। उनके कमाण्डर ने दूसरी तरफ मुंह घुमाकर अपनी आंख के आंसू पोंछ डाले। मुझे उन सब पर बहुत तरस आया। मैं उस नौसैनिक के पास गयी और उससे मैंने कहा, 'तुम लोग अपनी राइफिलें उतारकर रख दो अपने हाथ साफ करलो, और आकर मेरी मदद करो।"

मैं जो कहती गयी वे करते गये। उन्होंने अपने हाथ धो डाले और फिर कमिसार को आपरेशन टेबुल पर ले आये। मैंने उसके पैर के पैंट को खोला। उसकी पिंडली में एक बहुत बड़ी गोली घुसी हुई थी। मैं चाहती थी कि उसे एक इन्जक्शन लगा दूं जिससे कि उसे तकलीफ न हो। मैंने सुई ढूंढ निकाली, लेकिन उस दवाई को मैं कहीं न पा सकी जो दर्द को रोक देती है। तमाम शीशियों के ऊपर लैटिन भाषा में लेबुल लगे हुए थे और हमारे डाक्टर और उनके सहायक सब भाग गये थे। बहरहाल मैंने घाव को धोया, उस पर आयडीन लगा दी, एक

तेज-सा चाकू लेकर उसे स्टरलाइज किया और तरुण सनिको से कहा, "अच्छा, नौजवानो! अब अपने कमिसार को अच्छी तरह पकडे रहना। हम अपना काम शुरू करने जा रहे हैं। व उसे पकडे रहे और मैंने उसके मास को काट दिया। हम सब की खुशकिस्मती थी कि गोली काफी आसानी से बाहर निकल आयी। मैंने खून बन्द कर दिया और घाव पर पट्टी बांध दी। अगले दिन मरीज की हालत काफी अच्छी थी। छै दिन तक वह अस्पताल म पडा रहा और दसवें दिन उनकी टुकडी गाँव छोडकर चली गयी। जाते समय जब वे अस्पताल के सामने से गुजरे तो उस नौसनिक ने अपनी टुकडी को रुकने का आदेश दिया। उसने मुझे आवाज दी और फिर अपने सैनिको को हुक्म दिया, 'टन्तान स्क्वैडरन! ख्रिस्तीना आर्खीपाव्ना को सैलूट करो।' उन सबने अपनी म्यानो से तलवारें निकाल ली। मैं तो बिल्कुल डर गयी। फिर कमाण्डर कूदकर अपने घोडे से उतरा और मेरे पास आकर उसने मुझे सलूट किया और कहा "ख्रिस्तीना आर्खीपान्ना, हमारे प्यारे कामरेड कमिसार का जो आपने आपरेशन किया था उसके लिए लाल घुडसवार सेना आपका शुक्रिया अदा करती है। इस सेवा के उपलक्ष म हम आपको अवैतनिक 'लाल नस नियुक्त करते हैं। इसके बाद अपनी टोपी मे लगे छोटे-से लाल सितारे को निकाल कर उसने मुझे दे दिया और मेरा आलिंगन किया। पूरे स्क्वैडरन ने तीन बार तालियाँ बजायी और वे सब अपने घोडो पर हवा हो गये। वह छोटा-सा लाल सितारा अब भी मेरे पास है! सारे जीवन मैं उसे हिफाजत से रखे रही हूँ। उस दिन को मैं कभी नही भूलूगी। तो तुमने देखा, डाक्टरो के हमारे पेशे म किस तरह की घटनाएँ घट सकती है!

**पार्टी सेक्रेटरी** बेशक। ख्रिस्तीना आर्खीपोव्ना, वह एक अविस्मरणीय अनुभव रहा होगा

[ऊपर के कमरे का दरवाजा खुलता है और ओल्या बाहर आती है।]

वेरेस्ट (ओल्या से) क्या हाल है ?

ओल्या उनके दिल में कुछ हो रहा है (दौड़कर भाग जाती है)

पार्टी सेक्रेटरी उनका दिल ?

वेरेस्ट हिम्मत रखो, कामरेड !

[वाल्या कमरे से बाहर निकलती है। वह बहुत परेशान लगती है। सब लोग उसके पास दौड़ जाते हैं।]

वाल्या सब कुछ इतनी अच्छी तरह से चल रहा था लेकिन ज्योंही प्लेटन इवानाविच ने आपरेशन शुरू किया त्योंही उनकी नाड़ी की गति धीमी होने लगी . हमने कपूर का इंजेक्शन दिया फिर कफीन का पर कुछ फायदा नहीं हुआ। उनकी नब्ज १०० हो गयी फिर १२०। इसके बाद १४०। फिर वह बिल्कुल गायब हो गयी और उनके दिल की धड़कन भी बहुत धीमी हो गयी। प्लेटन इवानाविच का चेहरा सख्त हो गया, उन्होंने फौरन घाव को सी दिया और दिल में एक इंजेक्शन दिया। मैं कमरे से बाहर दौड़ आयी और अब अन्दर जाने की मुझे हिम्मत नहीं होती मैं वहाँ नहीं जा सकती।

पार्टी का एक अधिकारी तब क्या अब कोई आशा नहीं रह गयी ?

पार्टी सेक्रेटरी कृपाकर अपने को शान्त रखो।

पार्टी अधिकारी चलिए, हम लोग खुद चलकर देख लें !

[उनमें से दो दौड़कर सीढ़ी पर चढ़ जाते हैं कमरे का दरवाजा खोलते हैं, और फिर वहीं ठिठककर खड़े रह जाते हैं। वे देखते हैं कि ऊपर के बराण्डे से क्रेचेट नीचे उतर रहे हैं। वे सब भी

सफेद अस्पताली कोट पहने हैं। उनका चेहरा ढका है। उनके हाथों में रबड़ के दस्ताने उनके श्वेत वस्त्रों की पृष्ठभूमि में काले काले नजर आते हैं। वे सीढ़ियों से नीचे उतरते हैं। सबकी आँखें एकटक उन्हीं के चेहरे पर लगी हैं। आधे रास्ते में सुस्ताने के लिए वे रुक जाते हैं। सब लोग उन्हें घेर लेते हैं, लेकिन बोलने की हिम्मत किसी को नहीं होती। एक लम्बी खामोशी ।]

वेरेस्ट (अत्यन्त चिन्तित भाव से) कामरेड फ्रेचेट, हमारे लिए आप क्या खबर लाये हैं ?

प्लेटन (धीरे धीरे अपने चेहरे का कपड़ा हटाकर और एक नजर तमाम खड़े लोगों को देखकर) कमिसार का जीवन अब निरापद है

[सब लोग ऊपर की तरफ दौड़ पड़ते हैं। क्रिस्तीना आर्खीपोव्ना उन्हें दरवाजे पर ही रोक देती है। अकेली लीडा अपनी जगह से नहीं हिली। फ्रेचेट धीरे धीरे रबड़ के अपने दस्तानों को उतारता है—उसकी दृष्टि सारे समय लीडा पर ही लगी रहती है। आहिस्ता आहिस्ता वह एक तरफ को झुकता है और जमीन पर गिर पड़ता है। वहाँ से लुढ़ककर उसका शरीर सीढ़ियों के नीचे तक पहुँच जाता है।]

लीडा प्लेटन ! (दौड़कर उसके पास जाती है) प्लेटन ! (उसके सिर को उठाकर हाथ में ले लेती है और मदद के लिए लोगों को बुलाती है) आओ जल्दी आओ ! (उसके कालर के बटन खोलते हुए) प्लेटन ! कोई जल्दी आओ !

वेरेस्ट मेरी बधाई स्वीकार करो, कामरेड फ्रेचेट।

लीडा जल्दी करो ! जल्दी

[सब लोग प्लेटन को घेर लेते हैं।]

तिरेन्ती ओसिपोविच (उसके ऊपर झुकते हुए) पिचकारी लाओ थोडा कपूर और पानी

बेरेस्ट साथियो, तुम लाग जरा दूर हो जाओ, हवा आन दो।

[लोग पीछे हट जाते हैं। टेलीफ़ोन की घण्टी बजती है। ख्रिस्तीना आर्खीपोव्ना दौडकर अपनी मेज के पास जाती है और टेलीफोन का रिसीवर उठा लेती है।]

ख्रिस्तीना आर्खीपोव्ना कौन ? बोल्शेविक फैक्टरी ? हाँ हा। कामरेड, तमाम मजदूरो को बतला दीजिए कि कमिसार अब खतरे से बाहर है। नही, मुझे अफसोस है, डाक्टर क्रेचेट खुद टेलीफान पर नही आ सकते। वे (क्रेचेट की तरफ देखती है। वे अब भी बेहोश पडे हैं) बहुत बीमार है।



## दृश्य २

[क्रेचेट का घर]

स्त्योपा (हाथ मे फूलो का एक गुच्छा लिये है) वाल्या इन फूलो का मेरे ऊपर कितना विचित्र असर पडता है कितना अजब असर होता है। मेरी समझ मे नही आता कि क्या करू

वाल्या वह तो मैं देख रही हूँ। जाकर थाडा पानी ले आओ।

स्त्योपा अभी लाया। सुनो, वाल्या, तुम्हे तिरेन्ती ओसिपोविच बुला रहे हैं। वे बाहर बगीचे म हैं।

**ओल्या** उनसे कहो कि यही आ जाएँ।

**स्त्योपा** वह यहाँ नही आ सकते तुम्ही चली जाओ न! जल्दी जाओ, ओल्या। बस सिर्फ एक मिनट का काम है।

**[ओल्या चली जाती है।]**

**वाल्या** अब तुम किस चीज का इतजार कर रहे हो? मुझे पानी चाहिए न!

**स्त्योपा** वाल्या, हम लोग एक महान युग मे रह रहे है एक ऐसे युग मे जिसमे हम न सिर्फ दुनिया का, बल्कि अपना भी पुनर्निर्माण कर रहे है

**वाल्या (उसे बीच मे टोककर)** स्त्योपा, तुम कहना क्या चाहते हो? साफ-साफ बोलो न।

**स्त्योपा** यहा से हम लोग रात के नौ बजे से पहले नही निकल सकेंगे।

**वाल्या** तो क्या हुआ?

**स्त्योपा** हमारे युग मे इस शहर मे ट्रामे सिर्फ आधी रात तक चलती हैं। इसके बाद हम पैदल आना जाना पडता है। मै यहाँ से बहुत दूर रहता हूँ। उस तरफ बहुत अधेरा रहता है और, तुम तो जानती हो कि, आधी रात के बाद उधर जाना थोडा खतरनाक भी होता है।

**वाल्या** तब तुम यही रह जाना।

**स्त्योपा** ऐसा करना कुछ अजब लगेगा। वाल्या, मुझे लगता यह है कि, द्वद्ववाद के नियमो के अनुसार मुझे तुम्हारे ही घर चलना पडेगा।

**वाल्या** अच्छी बात है। मैं तुम्हे चाभी दे दूगी, तुम मेरे कमरे

म चले जाना और द्वन्द्ववाद के उन्ही नियमो के अनुसार मैं यहाँ रुक जाऊँगी।

**स्त्योपा** ओह, लेकिन, वाल्या, वह भी तो कुछ अजब लगेगा। तुम तो जानती हो कि हमारे युग

**वाल्या** मेरा ख्याल है कि अच्छा हो अगर तुम जाकर पानी ले आओ। थोडा-सा मुझे फूलो के लिए चाहिए और बाकी तुम पी लेना जिससे कि तुम्हारा दिमाग जरा ठडा हो जाय।

**स्त्योपा** वाल्या! (उसे छाती से लगाते हुए) इसका मतलब क्या यह हुआ कि हमारे इस तूफानी युग का तुम्हारे ऊपर कोई असर नही है?

**वाल्या** है क्यो नही, मूर्खाधिराज!

[तिरेन्ती ओसिपोविच और ओल्या अन्दर आते हैं।]

**तिरेन्ती ओसिपोविच** तो, आल्या, अब तुम समझ गयी न कि मैंने तुम्हे क्यो बुलाया था।

**ओल्या** स्त्योपा, यह तुम्हारी बेईमानी है।

**वाल्या** जल्दी ही यहाँ प्लेटन आते होगे। अब हम चलना चाहिए।

**तिरेन्ती ओसिपोविच** हाँ, चलो चलें। स्त्योपा, जल्दी तैयार हो जाओ।

[मारिया तरासोवना और खिस्तीना आर्खीपोव्ना अन्दर आती हैं।]

**मारिया तरासोवना** अच्छा, अब तुम लोग थोडी देर खुद अपनी देखभाल करना। मैं अस्पताल जाकर उन्हे देख आऊँ।

**स्त्योपा** अभी तो बहुत जल्दी है सिर्फ पाच बजे हैं। सात बजे से पहले थोडे ही वे लोग बाहर निकलेंगे।

**मारिया तरासोवना** मुझसे अब और इन्तज़ार नही हो सकेगा।

**तिरे ती ओसिपोविच** स्त्यापा, यह तुम्हारी तारीफ हो रही है। बेहतर होगा तुम यहीं रुक जाओ। ऐसे अनाड़ी के साथ मैं भी खरीदारी करने नही जा सकता। आओ, आल्या हम लोग चलें।

**वाल्या** तिरे ती ओसिपोविच, अगर आप दोनो यहा से फौरन सिधार नही जाते तो मैं आपको भी कुछ सुना दूगी।

**तिरे ती ओसिपोविच** नही, नही, तुमको तकलीफ़ करने की जरूरत नही। स्त्यापा, जाओ दोस्त, यहाँ हम लोगो की कद्र नही है।

**स्त्योपा** आपने कितनी सच्ची बात कह दी!

**तिरे ती ओसिपोविच और स्त्योपा** (थलो को झण्डों की तरह ऊपर उठा कर कोरस मे गाते हैं) अवान्ती, पापुलो!

[ जाते हैं। ]

**वाल्या** आखिरकार, गये! ओल्या, अब तुम भी जल्दी करो।

**ओल्या** मैं आनन फानन तयार हुई जाती हूँ।

**[टेलीफ़ोन की घंटी बजती है। वाल्या रिसीवर उठाती है।]**

**वाल्या** हैलो! हा? मैं ही बोल रही हूँ, वाल्या। अच्छा, शाशा, तुम हो? ऐसा कैसे हो सकता है! टलीफोन उन्हे दे दो, मैं बात करूँ। हैलो हैलो, क्लब के मैनेजर साहब बोल रहे हैं? देखिए कामरेड, आप हम बाजे दे दीजिए न। जी? नही, नही। फैक्टरी की तरफ से कल कामरेड ग्रेचेट को पार्टी दी जायगी। जी हाँ, कमिसार के ऑपरेशन के बाद आज ही पहली बार वे अस्पताल से घर वापिस आ रहे है। हम लोग भी उनके लिए एक पार्टी कर रहे हैं। यह बिल्कुल छोटी सी घरेलू पार्टी है। शुक्रिया। फोन शाशा को दे दीजिए। शाशा? बाजो को ले लो और तुरन्त यहाँ आ जाओ। समझ मे आया?

**ओल्या** अब तो लगता है कि सब ठीक हो गया।

**वाल्या** हाँ, (फूलों को फिर से सजाती है) मेरा खयाल है, इस

तरह ज्यादा अच्छे लगते हैं। अच्छा, चलो, चलें    (बगल वाले कमरे मे झांककर) ख्रिस्तीना आर्खीपाव्ना हम लोग जा रही हैं।

[ओल्या और वाल्या बाहर चली जाती हैं। अ दर से ख्रिस्तीना आर्खीपोव्ना की आवाज सुनाई देती है, 'जाओ, अब देर न करो ।]

ख्रिस्तीना आर्खीपोव्ना (कमरे मे आकर)   लडकियो न हर चीज कितनी अच्छी तरह सजा दी ह। देखते ही तबियत खुश हो जाती है। १९१९ मे हर चीज कितनी भिन्न थी, उस समय मर सार डाक्टर भाग गय थ

[दरवाजे की घटी बजती है। ख्रिस्तीना आर्खीपोव्ना जाकर दरवाजा खोलती है और लीडा को साथ लिये हुए अन्दर लौटती है। लीडा सफ़री कपडे पहने हुए है।]

लीडा   प्लेटन इवानाविच घर म है ?

ख्रिस्तीना आर्खीपोव्ना   नही, बस आने ही वाले ह। हम उन्ही की राह दख रह हैं। अस्पताल म उन्ह आज छुट्टी मिल रही ह।

लीडा   अब उनकी तबियत कैसी है ?

ख्रिस्तीना आर्खीपोव्ना   कुछ दिन पहल उनकी हालत बहुत खराब हो गयी थी। कमिसार का आपरेशन करन क बाद कई दिन तक व बेहोश पडे रह थे। उनका नवस ब्रेक डाउन हो गया था। पर अब बहुत बेहतर हैं। आज सात बजे उन्ह अस्पताल स छुट्टी मिल जायगी।

लीडा   सात बजे ? उससे पहले नही ?

ख्रिस्तीना आर्खीपोव्ना   नही। तुम उनक लिए रुकोगी न ?

लीडा   नही, मुझे अफसोस है कि मैं तब तक न ठहर सकूगी। मेरी गाडी ७ बज कर १० मिनट पर छूट जाती है।

ख्रिस्तीना आर्खीपोव्ना   तुम्हारी गाडी ! बाहर जा रही हो, यहाँ से चली जा रही हो ?

लीडा हाँ, मैं यूराल जा रही हूँ।

*ख्रिस्तीना आर्खीपोव्ना किसी काम से ?*

लीडा नही, अब मैं हमेशा के लिए यहा से चली जा रही हूँ।

ख्रिस्तीना आर्खीपोव्ना हमेशा के लिए ? इतनी दूर

*लीडा प्लेटन इवानोविच के लिए मै एक चिट्ठी लिख दू ? कृपया* इसे उनके आते ही उन्हे दे दीजिएगा।

ख्रिस्तीना आर्खीपोव्ना अच्छी बात है। लो, कागज और कलम दवात यहा रखे ह। **(लीडा को अकेला छोड कर चली जाती है।)**

**[लीडा मेज पर बठकर तेजी से कुछ लिखती है। लिखे को दोबारा पढती है। उसे फाड डालती है। उठकर कमरे मे टहलने लगती है। थोडी देर बाद फिर मेज के सामने बठ जाती है। दूसरा चिट्ठी लिखती है, गुलदस्ते से कुछ फूल निकालकर उनकी ओर देखती हुई आहिस्ता आहिस्ता कहती है "विदा, प्लेटन !" फूलो को लिए हुए दरवाजे के पास पहुँचती है त्योही वह खुल जाता है और अर्कादी अन्दर आ जाता है। ठिठककर व एक दूसरे को देखने लगते हैं। काफी देर तक एकदम खामोशी रहती है।]**

**अर्कादी** लीडा तुम समची प्लेटन है ? शायद इसीलिए फूल लेकर दौडी आयी थी। प्लेटन को खुश होना चाहिए। वह खुश किस्मत है। लेकिन मुझे क्या एक फूल भी नही दे सकोगी एक भी नही ? क्या यह सब सिर्फ प्लटन के लिये है ?

**लीडा** हाँ, सिर्फ उनके लिए।

**अर्कादी** तुम्हारी बात मरी समझ म नही आती। तुम तो आज यूराल जान वाली थी और वह भी हमेशा क लिए। क्या तुमन अपना फैसला बदल दिया ?

**लीडा** हाँ, बदल दिया।

**अर्कादी** तो अब तुम यही रहोगी ?

**लीडा** हाँ।

**अर्कादी** इसके मानी तुम मुझसे झूठ बोली, तुम फिर (उसके बिल्कुल पास जाकर) मुझसे झूठ बोली ? तुम फिर ?

**लीडा** (उससे दूर हटती हुई) तुम मुझसे चाहते क्या हो ?

**अर्कादी** मैं ? मैं फूल चाहता हूँ, एक फूल वह निमल और कोमल फूल जिसकी मैंने कामना की थी। (उसे छाती से लगाता है।)

**लीडा** छोडो, मुझे छोडो (अपने को उससे छुडा लेती है) तुम या तो पिये हुए हो, या पागल हो गये हो।

**अर्कादी** पागल ? अभी तक तो नही लेकिन हो जाऊँगा .. जरूर हो जाऊँगा, लीडा मैं एक भयकर खाई के किनारे खडा हूँ मैं गिर रहा हूँ सिर्फ तुम मुझे बचा सकती हो लीडा, मेरी बात सुनो तुम्हे मेरी बात सुननी ही पडेगी।

**लीडा** तुम्हे मुझसे क्या कहना है ?

**अर्कादी** लीडा, मेरे लिए कुछ भी कहना मुश्किल हो रहा है। आज के हर शब्द, हर क्षण मे पूरे जीवन का फ़ैसला हो जायगा। मेरा सारा जीवन नष्ट हो रहा है मैं भारी विपत्ति मे फँस गया हूँ, इस वीराने मे मैं अकेला हूँ और सहारे के लिए कुछ नही है। आज मुझे सख्त चेतावनी दी गयी है और मुझे मेरे पद से भी हटा दिया जायगा। उन्होने हर एक की बात पर विश्वास कर लिया, यहाँ तक कि उस बुवलिक की बात पर भी लीडा, मैंने बडी-बडी चीजो का स्वप्न देखा था, बढिया से बढिया काम की योजनाएँ बनायी थी लेकिन क्या यह सब मैंने सिर्फ अपने लिए किया था ? तुम जानती हो कि यह सच नही है। मैंने यहाँ एक जानवर की तरह काम किया है न दिन को दिन जाना है, और न रात को रात। काम मे अपना खून-पसीना एक कर दिया है। बोरावरियोवा यहाँ के काम के बारे म कुछ नही

जानती थीं। सब कुछ मुझे ही करना पडता था और इन तमाम चीजों का इनाम मुझे यह मिल रहा है। वे मुझसे कहते हैं कि मैं समय से पीछे हूँ। एक पुराने बाल्शेविक्ने ठीक यही शब्द आज मुझसे कह थे। वह कहने लगा "अर्कादी, तुम जमाने से बहुत पीछे हो और तुम सही रास्ते से हट गये हो। तुमने बातें बहुत बडी बडी की लेकिन अमल म तुम अपने को उनके अनुसार नही बना सके।" भला तुम्ही बनाओ, मेरे जैसा एक नौजवान आदमी जमाने से पीछे कैसे हो सकता है? मैंन क्या ग़ल्ती की, सही रास्ते से मैं कसे दूर हट गया? वतलाओ तो यह सब है क्या?

**लीडा** अर्कादी, पेड जितना ही ऊँचा होता है उसकी जडें ज़मीन में उतनी ही गहरी होती हैं—तभी तूफाना के सामने वह खडा रह सकता है। लेकिन तुम तो सिफ ऊपर की ही तरफ बढत गये थे। इसीलिए हवा के पहले ही तेज झोके मे तुम टूट गये

**अर्कादी** तुम तो पूरी दाशनिक बन गयी हो, लीडा एक निदयी दाशनिक तूफान ने मुझे झुका दिया है और ताड दिया है और तुम शान्तिपूर्वक देख रही हो! कोई बात नही तुम मुये मझधार में छोड सकती हो, लेकिन कम से कम सहानुभूति के दो श द तुमसे सुनने का तो अधिकारी मैं हूँ ही उस सम्ब ध का तो खयाल करा जो अब तक हम दोनो के दर्म्यान रहा है।

**लीडा** कृपा कर पिछली बातो को अब न कुरेदो। वे सब खत्म हो चुकी। उन्हे मैंने हमेशा के लिए समाप्त कर दिया। इस बात को मैं तुमसे पहले भी कह चुकी हू और तुमने वादा किया था कि इसके बारे मे फिर कभी नही बातचीत करोगे।

**अर्कादी** अच्छी बात है अच्छी बात है मैं कुछ नही बोलूगा। अलग होने से पहले स्नेह का केवल एक शब्द तुम्हारे मुह से सुना चाहता था।

लीडा   अर्कादी, तुम्हे अपने जीवन को एकदम नये सिरे से शुरू करना चाहिए। ऐसा न करोगे, तो तुम बर्बाद हो जाओगे।

अर्कादी   बस ? तुम्हे सिर्फ इतना ही कहना है, लीडा ?

लीडा   बस, इतना ही।

अर्कादी   मैं अपना जीवन नये सिरे से शुरू करूँ या नष्ट हो जाऊँ। क्या तुम मुझसे, बस इतना ही कह सकती हो ?

[प्लेटन प्रवेश करते हैं।]

आह ! आओ मेरे दोस्त ! तुम्हे बधाई है। देखो, लीडा फूल लेकर तुमसे मिलने आयी है। अरे, तुम उसका चुम्बन क्यो नही लेते हो हाँ, बढो, शर्माओ मत मेरा कोई महत्व अब नही रह गया।

प्लेटन   क्या बात है अर्कादी ?

अर्कादी   तुम नही जानते ? आज मैं तुम्हे सब कुछ बतला दूगा, मैं सब चीजें साफ साफ कह दूगा। प्लेटन, तुमने कभी खुद अपनी आत्मा के अन्दर झाँककर देखा है ? आज मैं यही करता रहा हूँ और वहाँ मैंने जो कुछ देखा उससे मैं भयभीत हो उठा हूँ

प्लेटन   हिम्मत न हारो, अर्कादी। हम लोगो को कितना काम करना है। हाँ, फिर

अर्कादी   मैं तुम्हारा गुनहगार हूँ प्लेटन। मैंने तुम्हे बहुत नुकसान पहुँचाया है।

प्लेटन   उस सब को अब भूल जाओ।

अर्कादी   नही       विदा। लीडा तुमसे भी विदा। तुम ठीक कहती थी       मित्रो, विदा, मैं फिर से जीवन शुरू करने जा रहा हूँ       बिल्कुल नये सिरे से शुरू करने जा रहा हूँ।

लीडा   तुम सफल होओ, अर्कादी। विदा।

अर्कादी   शुक्रिया, लीडा। हम फिर मिलेंगे       मैं आशा करता

हूँ कि अगली बार अधिक अच्छी परिस्थितियों में हमारी मुलाक़ात होगी। (चला जाता है)

[एक लम्बी ख़ामोशी।]

**प्लेटन** लीडा, इसकी तो मैंने सपने में भी आशा नहीं की थी मैं कभी नहीं सोचता था कि तुम मेरे पास आओगी और फूल लेकर! ये फूल कितने सुन्दर हैं! (कमरे में चारों तरफ़ नज़र दौड़ाता है) इस सबके लिए मैं तुम्हें किस तरह धन्यवाद दे सकता हूँ।

**लीडा** नहीं प्लेटन यह सच नहीं है।

**प्लेटन** क्या सच नहीं है?

**लीडा** मैं ये फूल मेरे नहीं है। मैं यहाँ आयी थी मैं तुमसे बात करना चाहती थी। मैं बहुत-कुछ कहना चाहती हूँ, लेकिन शब्द मुँह से नहीं निकलते मुझे माफ़ कर दो मेरी समझ में नहीं आता कैसे शुरू करूँ लेकिन मेरे पास बहुत थोड़ा समय रह गया है। मेरी गाड़ी के जाने में ४० मिनट बाकी हैं। मैं विदा लेने आयी हूँ। मैं यहाँ से चली जा रही हूँ। यूराल की तरफ़। अब मैं वापिस नहीं आऊँगी।

**प्लेटन** लीडा तुम ऐसा नहीं कर सकती। तुम नहीं जा सकती

**लीडा** कृपाकर ऐसा मत कहो। मुझे जाना ही होगा। देखो, यह मेरा टिकट है मैंने फ़ैसला कर लिया है और कोई भी चीज़ इस फ़ैसले को मुझसे नहीं बदलवा सकती। जो कुछ हुआ है उसके बाद अब मैं यहाँ नहीं रह सकती। तुम समझते हो, समझते हो न, प्लेटन? फिर मैं चलूँ वर्ना मैं नहीं जानती कि क्या होगा।

**प्लेटन** लीडा

लीडा नहीं। मुझे बोलने दो मेरे पास बहुत थोड़ा समय है। मेरी समझ मे नही आता कि वह सब मैं कैसे कहूँ जो तुम्हे बताना चाहती थी लेकिन मैंने अपनी योजना को बदल दिया है। सेनीटोरियम का बनना शुरू हो गया है बस, मैं नहीं रहूँगी उन्हे मेरी कोई जरूरत नही है।

[एक ख़ामोशी।]

लेकिन मेरे जाने से पहले तुम मुझसे कह दो कि उन कटु शब्दों के लिए जो मैंने तुमसे कहे थे तुमने मुझे माफ़ कर दिया। पिता जी की मृत्यु के लिए तुम दोषी नही थे अब मैं इस चीज़ को जान गयी हूँ लेकिन उस समय तुम समझते हो न मैं मैं और फिर अर्कादी भी था मेरा ख़याल है तुम्हे कुछ और बतलाने की जरूरत नहीं है। अच्छा, प्लेटन, अब मैं चलूं। शायद हम लोग फिर कभी मिलेंगे मुझे माफ कर दो। तुम बोलते क्या नही ? मेरी गाडी के जाने म थोडा ही समय रह गया है मुझे जाना चाहिए अच्छा, तो फिर विदा, प्लेटन।

प्लेटन लीडा, तुम्हें यहीं रहना होगा तुम कहीं नही जा सकती।

लीडा नहीं, ऐसा नहीं हो सकता। मैंने फ़ैसला कर लिया है। विदा।

प्लेटन अच्छी बात है किन्तु कृपाकर कुछ मिनट और रुक जाओ। मैं आख़िरी बार तुम्हें अच्छी तरह देख लेना चाहता हूँ । बस तीन मिनट और ठहर जाओ, लीडा !

लीडा अच्छी बात है। तीन मिनट और सही। तीन मिनट और मैं तुम्हारे साथ बिता लूँगी। हम लोगों के प्रथम मिलन की याद है ? (दीवाल के पास जाकर प्लेटन की वायलीन को नीचे उतारती है और प्लेटन को पकड़ाते हुए कहती है) कृपया ! सेब के फूल मुर्झा रहे हैं

अब वहाँ जाकर खडे हो जाओ —ठीक उसी तरह जिस तरह उस दिन खडे थे। मैं तुम्हारी कसरत (हँसती है) एक बार फिर देखना-सुनना चाहती हूँ। उधर, वहाँ, कृपया।

[वायलीन को लेकर प्लेटन खिडकी के पास चला जाता है।]

लीडा  उधर, बगीचे की तरफ देखो, उसी तरह जिस तरह उस रात देख रहे थे।

[प्लेटन आज्ञा मानकर जसा वह कहती है वसा ही करता है। और फिर सगीत की धारा फूट पडती है। ऐसा लगता है कि एक नहीं, दस दस वायलीनें एक साथ लीडा को अपना मधुर सगीत सुना रही हैं। स्वर लहरी कभी ऊपर उठती है, कभी नीचे जाती है, और फिर गूजती हुई बगीचे के उस पार जाकर कहीं विलुप्त हो जाती है। धीरे धीरे लीडा दरवाजे की तरफ़ बढती है।]

(कापती हुई आवाज मे)  विदा  प्लेटन, विदा! (बाहर निकल जाती है।)

[प्लेटन सगीत मे खोया हुआ वायलीन बजाता जाता है। थोडी देर मे वह बजाना बन्द कर देता है और पीछे की तरफ़ देखता है तो पाता है कि कमरे मे वह अकेला है।]

प्लेटन  लीडा  लीडा!

[मारिया तरासोवना अन्दर प्रवेश करती हैं।]

मारिया तरासोवना  प्लेटन! मेरे प्यारे बच्चे! मालूम होता है कि रास्ते म मेरी नजर तुम पर नही पडी। फिर मैं सारे रास्ते करीब करीब दौडती ही आयी। (उसे छाती से लगाती है)

[वाल्या, स्त्योपा, तिरेन्ती ओसिपोविच और ओल्या अन्दर आते हैं।]

तिरेन्ती ओसिपोविच प्लेटन तुम घर आ गये ! तुम्हारा स्वागत !

सब लोग एक साथ आपका घर पर स्वागत ! हम सबका हार्दिक अभिनन्दन स्वीकार कीजिए।

वाल्या (खिड़की से बाहर हाथ निकाल कर हिलाते और आवाज देते हुए) माशा !

[बाहर बैंड बजने लगता है।]

सब लोग हुर्रा ! हुर्रा !

प्लेटन (उनके बीच से निकलने की कोशिश करता है लेकिन उसके सारे दोस्त उसे एक मजबूत घेरे में घेर लेते हैं।) साथियो, मैं आप सब को धन्यवाद देता हूँ मुझे माफ कीजिए मैं इस समय इतना द्रवित हूँ कि मुझसे कुछ कहा नहीं जाता इस समय नहीं मैं आप सबसे प्रार्थना करता हूँ कि कुछ मिनटों के लिए मुझे छोड़ दीजिए। कृपा कर बैण्ड वालों से भी कह दीजिए कि बन्द कर दें। मुझे माफ कीजिए शायद थोड़ी देर में मैं कुछ ठीक हो जाऊँ। आप समझते हैं न ! थोड़ी देर बाद इतनी सारी चीजें एक साथ नहीं।

[बेरेस्ट अन्दर आते हैं। अपने साथ लीडा को भी उसका हाथ पकड़े हुए ले आते हैं।]

बेरेस्ट प्लेटन इवानोविच, कृपया मेरी मदद करो। यह मेरी बात नहीं सुनती।

लीडा मेरी गाडी छूट जायगी।

बेरेस्ट ' नहीं, तुम्हारी गाड़ी नहीं छूटेगी। मैं तुम्हें मोटर में वहाँ पहुँचा दूंगा। लीडा, सिर्फ पाँच मिनट और रुक जाओ। इस समय तुम कैसे जा सकती हो !

**प्लेटन** हाँ, हाँ, लीडा, तुमने वादा किया था।

**बेरेस्ट** प्लेटन इवानोविच, घर लौटने पर तुम्हारा स्वागत है। तुम बहुत अच्छे दिख रहे हो। शायद थोडा पीलापन अभी बाकी है, लेकिन जल्दी ही हम उसे भी ठीक कर देंगे। मेहरबानी करके मेरे ऊपर नाराज़ मत होना, तुम्हारी बीमारी के लिए एक हद तक मैं भी जिम्मेदार हूँ।

**प्लेटन** नही, आप नही।

**बेरेस्ट** प्लेटन इवानोविच, माफ करना, इस विषय म बात करने का इस वक्त मेरे पास समय नही है। मुझे लीडा को स्टेशन पहुँचाना है। लेकिन मैं इतना अवश्य कहूँगा कि राजधानी से मैं कल ही लौटा। स्वास्थ्य मत्रालय ने तुम्हारे लिए यह एक पत्र मुझे दिया था (उसे एक लिफाफा देता है) और अपना आभार प्रकट करने के लिए एक छोटी-सी भेंट भी उसने भेजी है। म इसे ज़ोर से पढ दू

'स्वास्थ्य विभाग का जन मत्रालय सजन प्लेटन इवानोविच क्रेचेट और उनकी पत्नी को दो महीने के लिए मास्को और लेनिनग्राद आमत्रित करता है।"

पत्नी वाले इस हिस्से के सम्बन्ध मे मैं थोडी सी सफाई देना चाहता हूँ। बात यह है कि उन लोगो ने मुझसे पूछा कि तुम्हारी पत्नी का क्या नाम है। मैं जानता था कि तुम्हारी शादी नही हुई है, लेकिन यह भी जानता था कि जल्दी ही वह हो जायगी और जब तुम्हारी शादी हो जायगी तो, यह तय है कि, तुम्हारी पत्नी तुम्हारे बिना अकेले यहाँ रहना पसन्द नही करेगी। इसलिए पत्नी के आगे मैने उनसे एक ऐसा नाम लिखने के लिए कह दिया जिससे मैं परिचित हू। मैने उनसे तै कर लिया था कि इस सम्बन्ध म अगर कोई आपत्ति होगी तो नाम को काट दिया जायगा। हाँ, तो आगे इसमे लिखा है—'व अपनी पत्नी

सीदिया मैचेट के साथ यहाँ घूमने आने का निमंत्रण स्वीकार करने की कृपा करें ।"

लीडा क्या ?

बेरेस्ट लीडा, मेरे ऊपर नाराज न हो। मैं तो तुम्हें बता ही चुका हूँ कि इसे काटा जा सकता है तो फिर तुम क्या कहती हो, लीडा ? हम इसे काट दें या मैं आगे पढ़ूँ ? बोलो, क्या कहती हो ?

[एक खामोशी]

प्लेटन कृपया आगे पढ़िए

बेरेस्ट हाँ प्लेटन, तुम क्या कहोगे यह तो मैं जानता था, लेकिन लीडा क्या कहती है ? बोलो, लीडा, तुम्हारा नाम काट दूँ या आगे पढ़ूँ ? एँ ?

[परेशानी की हालत में लीडा दूसरी तरफ़ मुँह कर लेती है।]

बोलो, लीडा ?

लीडा मैं जाती हूँ मेरी गाडी छूट जायगी।

प्लेटन (उसके पास जाकर कोमल भाव से) लीडा, तुम्हारी गाडी तो कभी की चली गयी।

बेरेस्ट हाँ, तो तुम्हारा नाम काट दूँ ?

लीडा आप कामरेड बेरेस्ट मैं

बेरेस्ट हाँ

लीडा ना आप आगे पढ़िए।

बेरेस्ट मेरा खयाल है कि अब और आगे पढ़ने की कोई जरूरत नहीं है। हम सब को मालूम है कि प्लेटन को यह भेंट किसलिए दी जा रही है। (प्लेटन के पास जाकर उससे स्नेहपूर्वक हाथ मिलाता है)

[मारिया तरासोवना लीडा के पास जाकर उसे फूलों का एक गुलदस्ता भेंट देती हैं और फिर उसे छाती से लगा लेती हैं।]

**बेरेस्ट** मेरे दोस्तो, इसके बाद अब अपने जीवन की किताब तुम लोग एक साथ पढ सकते हो   एक साथ पढना और एक साथ काम करना।

**तिरेंती ओसिपोविच** साथियो, मैंने नब्बे हजार नब्जों को देखा है, *नब्बे हजार दिलो की आवाज सुनी है, लेकिन यहा पर इस क्षण जो* कुछ हो रहा है इसके मुकाबले की कोई चीज न तो मैंने कभी देखी है और न सुनी है। (अपने दिल की तरफ इशारा करते हुए) यह गा रहा है, अपने आप, अकेला ही गा रहा है।   चलो, सब लोग बाहर, *बगीचे में, हमारी सुन्दर वाटिका मे चलो और वहाँ हम सब जीवन के* महान शिक्षक और गुरु का—अपने कामरेड बेरेस्ट का, अभिनन्दन करें

[सब लोग बगीचे मे चले जाते हैं। ख्रिस्तीना आर्खीपोव्ना और मारिया तरासोवना सबसे पीछे वहाँ पहुँचती हैं। ख्रिस्तीना आर्खीपोव्ना ने नये कपडे पहने हैं। उनके सीने पर एक लाल सितारा लगा हुआ है। अपने हाथों मे, विजयोल्लास से भरी हुई, वह एक भारी केक लिए हुए हैं।]

**ख्रिस्तीना आर्खीपोव्ना** मारिया तरासोवना, आज बडे सुख का दिन है। एक सुन्दर जीवन का श्रीगणेश हुआ है। १६१६ मे ऐसा नही था।—उस समय तो मेरे सारे डाक्टर भाग गये थे। उस घटना को जीते जी मैं कभी नही भूल सकूँगी।

वह बगीचे मे जाती है और धीरे धीरे पर्दा गिर जाता है।

१६३८

★

# दो प्रसिद्ध नाटक

## क्रेमलिन की घड़ियाँ

लेखक निकोलाई पोगोडिन

स्वयम लेखक के शब्दो म इस नाटक का विषय, 'लेनिन के जीवन का एक क्षण है ऐसा क्षण जो भविष्य के गर्भ म दूर तक चला गया है" पर वास्तव म भविष्य, यानी काल की ही नही, बल्कि देशो की भी सीमाओ के अन्दर यह नाटक दूर तक चला गया है। इसीलिए भारत के लिए भी उसकी सार्थकता है।

लेनिन की स्मृति को समर्पित इस लोकप्रिय नाटक के माध्यम से नाटककार ने क्रान्ति के बाद के रूसी जीवन का अत्यन्त सजीव चित्र खीच दिया है। लेनिन तथा उनके समकालीनो का जो चित्र इसम उभर कर आता है वह अविस्मरणीय है।

पोगोडिन सोवियत संघ के प्रसिद्ध नाटककार हैं। उनका यह नाटक लगभग पिछले तीन दशको से बराबर सोवियत सघ के थियेटरो म खेला जा रहा है। भारतीय रगमच पर भी निस्सदेह यह लोकप्रिय होगा।

पृष्ठ—१२८ सजिल्द सुरुचिपूर्ण पुस्तक का मूल्य दो रुपया

## सच्चा प्रेम

लेखक—अलेक्सी अर्बूजोव

लेखक ने अपनी भूमिका म लिखा है "मुझे यह विचार बहुत दिनो से परेशान करता आया है कि हम प्रेम को बहुत कम महत्व देते है—उस प्रेम को जो लोगो को उदात्त बनाता है और ऊचा उठाता है। फिर भी मेरा दृढ विश्वास है कि जो व्यक्ति प्रेम करता है वह अपने प्रियतम के जीवन का बहुत हद तक निर्माण करता है और उसके चरित्र को गढता है। यही मेरे (इस) नाटक का विषय है।"

प्रेम की इसी विषय-वस्तु को लेकर सोवियत के इस प्रसिद्ध नाटककार ने सर्गेई, विक्टर और लीडा के चरित्र गढे हैं। सोवियत समाजवादी समाज के आधुनिक तरुणो और तरुणियो की नैतिक दृढता तथा आत्मिक पवित्रता का अत्यन्त ही कान्यमय चित्रण इस नाटक म हुआ है।

१९५९ म लिखा गया यह नाटक १९६०-६१ के नाटक सीजन म भारी 'हिट' हुआ था। तब से लगातार यह वहाँ के थियेटर म चल रहा है। हमारी नयी पीढी के लिए इसका खास महत्व है।

पृष्ठ—१२८, सजिल्द पुस्तक का मूल्य दो रुपया।

## प्यार की दास्तान तथा अन्य कहानियाँ

लोग अक्सर पूछते हैं कि समाजवादी समाज कैसा होगा, कैसे होंगे उसके इंसान और उनके इंसानी रिश्ते ?

समाजवादी तरुणों और तरुणियों के प्रेम, वियोग, क्रोध, घृणा, संकल्प, साहस और आत्म-बलिदान की इन चुनी हुई कहानियों में एक हल्का-सा उत्तर मिलता है ऊपर के प्रश्न का।

मनोरंजन करने के साथ-साथ ये कहानियाँ इंसान को ऊँचा भी उठाती हैं। इनको पढ़ना एक अदभुत अनुभव है।

पृष्ठ २८४, सजिल्द, मूल्य ३ रु०

## दूसरी दुनिया का मुसाफिर तथा अन्य कहानियाँ

ये कहानियाँ भी हैं और वैज्ञानिक ज्ञान की नाना रत्न जटित मंजूषा भी। संग्रह की हर कहानी आधुनिक विज्ञान की एक एक शाखा को लेती है और उसकी नवीनतम शाखा उपलब्धियों तथा सम्भावनाओं को उच्च तम मानवी कल्पनाओं के ताने बाने में सजाकर हमारे सामने रख देती है। अनजाने ही ब्रह्माण्ड के न जाने कितने रहस्य हम जान जाते हैं "रूस" विज्ञान और रसीली कल्पना का ऐसा संयोग बिरले ही देखने को मिलता है।

विज्ञान और साहित्य के अनेक प्रोफेसरों ने पुस्तक की भूरि भूरि प्रशंसा की है।

३०८ पृष्ठ ६ चित्र, पक्की जिल्द, मूल्य ३ रुपया

## रंगे हाथ पकड़े गये

तिलिस्मी उपन्यास की-सी शैली में इस सचित्र पुस्तक में सप्रमाण बताया गया है कि दूसरे देशों की आजादी की जड़ खोदने के लिए अमरीका के जासूसों का विश्वव्यापी जाल क्या क्या करता है।

कई वर्ष पहले 'भारत पर अमरीकी फन्दा' नामक ऐसी ही एक पुस्तक प्रकाशित हुई थी तो देश में सनसनी फैल गयी थी। 'रंगे हाथ पकड़े गये' भी उतनी ही महत्वपूर्ण और उसी तरह रोएं खड़े कर देने वाली रचना है। 'ब्लिट्ज़', हिन्दी टाइम्स, 'स्वतंत्र भारत' 'जनयुग' आदि पत्रों ने पुस्तक की खूब प्रशंसा की है।

२०५ पृष्ठ ८५ चित्र, मूल्य १ रुपया

इण्डिया पब्लिशर्स
सी—७/२ रिवर बैंक कालोनी, लखनऊ